THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 46 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.1 2082 मंगलवार, 13 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भाजपा देशभर में निकालेगी तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंगलवार से देशभर में 11 दिवसीय 'तिरंगा यात्रा' शुरू करेगी। यह यात्रा मोदी सरकार के दृढ़ नेतृत्व और सशस्त्र बलों की वीरता के बारे में लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए आयोजित की जा रही है। भाजपा के एक नेता ने बताया, पार्टी 13 से 23 मई तक चलने वाले अभियान में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत के सफल अभियान के बारे में बताएगी और लोगों को एकजुट करने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि अभियान का स्वर बहुत अधिक राजनीतिक नहीं होगा।

'पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा'

> पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ स्थगित > तीनों सेनाएं अलर्ट पर

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे बाद पीएम मोदी ने सोमवार रात 8 बजे देश को संबोधित किया। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया। हमारे ऑपरेशन में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए हैं। सीजफायर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है।

उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से न्युक्लियर धमकी सहन नहीं की जाएगी। भारत की तीनों सेनाएं सभी हालात से निपटने के लिए तैयार हैं

हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना, हमारी एकता सबसे बड़ी शक्ति है। निश्चित तौर पर ये युग युद्ध का नहीं है, लेकिन ये युग आतंकवाद का भी नहीं है। टेररिज्म के खिलाफ जीरो टॉलरेंस एक बेहतर दुनिया की गारंटी है। पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा, इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टेरर और टॉक एकसाथ नहीं हो सकते हैं, टेरर और ट्रेड एकसाथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एकसाथ नहीं बह सकता। विश्व समुदाय से भी कहूंगा हमारी घोषित नीति रही है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर बात होगी तो पीओके पर ही होगी। देशवासियों आज बुद्ध पूर्णिमा है, भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है। मानवता शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है। पिछले कुछ दिनों में भारत ने यही किया है। मैं एक बार फिर भारत की सेना और सशस्त्र बलों को सैल्यूट करता हूं। हम भारतवासी का हौसला, एकजुटता, संकल्प को नमन करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत माता की जय। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींच दी है। >14

> पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था

पाकिस्तान ने हमारे गुरुद्वारों, घरों, मंदिरों और स्कूलों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोंस, मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया।

पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था। पहले तीन दिनों में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था। भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा, पाकिस्तान दुनियाभर में तनाव कम करने के लिए गुहार लगा रहा था और बुरी तरह पिटने के बाद किसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ को संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा चुके थे, आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया था, आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था। जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, जब ये कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, जब भारत ने उस पर विचार किया।

'युद्ध बॉलीवुड की कोई रोमांटिक फिल्म नहीं'

संघर्ष विराम पर बोले पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे

पुणे, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय थल सेना के पूर्व प्रमुख रिटायर्ड जनरल मनोज नरवणे ने उन लोगों की आलोचना की है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम पर सवाल उठा रहे हैं और पाकिस्तान के खिलाफ बड़े पैमाने पर लड़ाई छेड़ने की वकालत कर रहे हैं। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध कोई रोमांटिक बॉलीवुड फिल्म नहीं है। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान नरवणे ने कहा कि अगर उन्हें आदेश मिलता तो वे जरूर युद्धभूमि में जाते, लेकिन कूटनीतिक स्तर पर बातचीत के जरिए मुद्दा सुलझाना उनकी पहली प्राथमिकता होता। इंस्टीट्यूट ऑफ कोस्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोग लड़ाई के चलते सदमे में हैं। >14

युद्ध आखिरी विकल्प होना चाहिए

मनोज नरवणे ने कहा कि युद्ध कोई बॉलीवुड की रोमांटिक फिल्म नहीं है। यह बेहद गंभीर मसला है। युद्ध या हिंसा सबसे आखिरी उपाय होना चाहिए। यही वजह है कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि यह दौर युद्ध का दौर नहीं है। हालांकि कुछ बेवकूफ लोगों द्वारा हमारे ऊपर लड़ाई थोपी जाएगी, लेकिन हमें इसका जश्न नहीं मनाना चाहिए। अभी भी लोग सोच रहे हैं कि बड़े पैमाने पर लड़ाई होनी चाहिए। एक सैनिक होने के नाते अगर मुझे आदेश मिलेगा तो मैं लड़ाई लड़ूंगा, लेकिन यह मेरी पहली पसंद नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उनकी पहली पसंद कूटनीति है, जिसमें बातचीत के जरिए मसलों को निपटाया जाता है ताकि युद्ध की जरूरत ही न पड़े।

वाराणसी में राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में शिकायत

वकील का दावा-वो राम द्रोही, अमेरिका में भगवान राम से जुड़ी कहानियों को काल्पनिक कहा

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी के खिलाफ वाराणसी कोर्ट में एक और शिकायत दर्ज हुई है। एडवोकेट हरीशंकर पांडेय ने याचिका में दावा किया कि भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल अमेरिका के बोस्टन में 21 अप्रैल को पहुंचे थे। यहां पर ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ उनका एक सेशन था। यहां राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को 'पौराणिक' बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। हरीशंकर पांडेय एडवोकेट ने कहा- राहुल गांधी 'राम द्रोही' हैं और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाकर देश की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उनकी सरकार ने राम मंदिर का विरोध किया और वह विदेश में जाकर भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने कोर्ट से मांग करते हुए कहा- राहुल के इन स्टेटमेंट पर केस दर्ज किया जाए। जिला एवं सत्र न्यायालय की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आवेदन देखने के बाद एडवोकेट को 19 मई को इस मामले में साक्ष्य देने के लिए कहा है। राहुल गांधी से पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसी होनी चाहिए और क्या महात्मा गांधी के विचारों को इसके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है? इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि भारत के सभी महान सुधारक और विचारक, जैसे बुद्ध, गुरु नानक, गांधी और अंबेडकर, बिना भेदभाव के रहे। ये लोग क्षमाशील, दयालु और सहिष्णु थे, मगर बीजेपी का दृष्टिकोण हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व नहीं, नफरत फैलाने वाला है। यहां आपको बता दें कि सिर्फ 4 दिन पहले राहुल गांधी की नागरिकता रद्द करने के लिए नई याचिका लखनऊ हाईकोर्ट में दायर की गई। कर्नाटक भाजपा के सदस्य एस. विग्नेश शिशिर ने एक बार फिर जनहित याचिका दाखिल कर राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता तत्काल रद्द करने की मांग की है।

'खनन गतिविधियों के लिए यमुना नदी पर बनाया तटबंध'

सुप्रीम कोर्ट ने सीईसी को दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के कालेसर वाइल्डलाइफ सेंक्चुअरी के पास यमुना नदी पर बांध बनाकर अनियंत्रित खनन गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों की जांच के लिए केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) को निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सीईसी को इसकी जांच करनी चाहिए और अपनी रिपोर्ट पेश करनी चाहिए। यह याचिका अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल द्वारा दाखिल की गई थी, जिन्होंने दावा किया कि नदी के प्रवाह को हरियाणा से उत्तर प्रदेश की ओर मोड़ने के लिए बांध बनाया गया, ताकि अनियंत्रित खनन गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्माण कालेसर वाइल्डलाइफ सेंक्चुअरी के पास किया गया है, जिससे पर्यावरण और वन्य जीवन को खतरा है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता की ओर से हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार के वकीलों को आवेदन की प्रति उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकें।

गौरतलब है कि सीईसी का गठन मई 2002 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर किया गया था, ताकि पर्यावरण संरक्षण, अतिक्रमण हटाने, कार्य योजना क्रियान्वयन और प्रतिपूरक वनीकरण जैसे मामलों की निगरानी की जा सके। मामले की अगली सुनवाई मई के अंतिम सप्ताह में होगी।

वायुसेना ने कहा-हमारी वायु रक्षा प्रणाली देश के लिए दीवार की तरह खड़ी थी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद आज भारतीय सेना के तीनों विंग के महानिदेशक स्तर के अधिकारियों ने लगातार दूसरे दिन प्रेस वार्ता की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ब्रीफिंग की शुरूआत करते हुए एयरमार्शल एके भारती ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों का साथ देना जारी रखा, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की लड़ाई केवल आतंकवादियों के खिलाफ है।

आतंकियों के खिलाफ थी भारतीय सेना की कार्रवाई :

एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि रविवार को हमने विस्तार से बताया था कि भारत ने किस तरह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कार्रवाई की थी। हमने स्पष्ट किया था कि हमने आतंकी ठिकानों को निशाना

बनाया था, पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को नहीं। हालांकि, पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकियों के खिलाफ थी। 7 मई को हमने आतंकी ठिकानों पर ही हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान ने आतंकवाद का साथ देने का फैसला किया। उनका जो भी नुकसान हुआ, इसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। हमारी तरफ से एयर डिफेंस सिस्टम देश के लिए दीवार की तरह खड़ा था। इसे भेदना दुश्मन के लिए नामुमकिन था।

पाकिस्तान की पीएल-15 मिसाइल, चीनी ड्रोन्स किए गए ढेर

इस दौरान एके भारती ने बताया कि, हमारे पुराने हथियारों ने भी युद्ध में कमाल का काम किया और पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभाई। आकाश सिस्टम से हमने पाकिस्तान द्वारा भेजे गए ड्रोन्स को तबाह किया। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि हमने पाकिस्तान की पीएल-15 मिसाइल और चीनी ड्रोन्स को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। लेजर गन से पाकिस्तानी ड्रोन्स को निशाना बनाया गया।

वहीं डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि जब जब पाकिस्तान ने हमारे एयर फील्ड में लगातार हमले किए, वो हमारे मजबूत एयर डिफेंस ग्रिड के सामने असफल हो गए। हमारा एयर डिफेंस इतना मजबूत था कि पाकिस्तान के पास कोई मौका नहीं था।

जो दुर्दशा कल आपने पाकिस्तानी एयरफील्ड की देखी। वहीं हमारी सभी एयरफील्ड सही हैं। हम अपनी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की भी तारीफ करना चाहता हूं। इन्होंने बहुत बहादुरी से हमारा साथ दिया। उनके काउंटर अलार्म सिस्टम भी हमारे एयर डिफेंस सिस्टम का हिस्सा थे, जिन्होंने पाकिस्तान के नापाक इरादों का विनाश किया। >14

कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता पर जवाब दे केंद्र सरकार

> कांग्रेस ने मांगा जवाब

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को केंद्र सरकार से कश्मीर मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है और पूछा है कि क्या केंद्र सरकार कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए तैयार है? साथ ही कांग्रेस पार्टी ने चेताया है कि अगर सरकार कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार करती है तो ये शिमला समझौते का उल्लंघन होगा। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल उठाए जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्होंने ही भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराई।

सरकार पूरे मामले पर दे सफाई :

तिरुवनंतपुरम में पार्टी के एक कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उनकी पार्टी जानना चाहती है कि क्या देश की विदेश नीति में किसी तरह का बदलाव किया गया है। उन्होंने इस मामले पर जल्द से जल्द संसद सत्र बुलाने की मांग की। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि क्या शिमला समझौता, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत-पाकिस्तान के अलावा तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को खारिज करता है, क्या उसका उल्लंघन हुआ है? ट्रंप रोजाना बयानबाजी कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि उन्होंने मध्यस्थता कराई है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

'सुरक्षा के लिए 10 उपग्रह लगातार कर रहे निगरानी'

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम के बीच इसरो चीफ का बयान

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख वी नारायणन ने बताया है कि इसरो के 10 सैटेलाइट्स (उपग्रह) देश की सुरक्षा के लिए लगातार रणनीतिक उद्देश्य से निगरानी कर रहे हैं। इंफाल में रविवार को सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वी नारायणन ने ये जानकारी दी। इसरो प्रमुख ने कहा कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार 24 घंटे रणनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति और देशवासियों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।

सैटेलाइट्स की मदद से की जा रही निगरानी :

वी नारायणन ने कहा कि आप सभी हमारे पड़ोसियों के बारे में जानते हैं। ऐसे में हमें देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैटेलाइट्स की मदद लेनी पड़ती है। हम 7000 किलोमीटर का इलाका कवर कर रहे हैं। साथ ही पूरे उत्तर पूर्व पर भी लगातार निगरानी की जा रही है और बिना सैटेलाइट्स और ड्रोन की मदद के हम इसे हासिल नहीं कर सकते।

इसरो चीफ का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद शनिवार शाम में ही संघर्ष विराम हुआ है। सेना ने बताया कि रविवार रात सीमा पर पूरी तरह से शांति रही और फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई। गौरतलब है कि बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ गया। भारत ने 6-7 मई की मध्य रात्रि सटीकता से हमला करते हुए पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत के हमले में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की, लेकिन भारत के आगे उसकी एक न चली। शनिवार शाम को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बनी। रविवार को तीनों सेनाओं के डीजीएमओ ने प्रेस ब्रीफिंग कर ऑपरेशन सिंदूर से हासिल किए गए लक्ष्यों की जानकारी दी। आज भी भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत हो रही है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बंद 32 हवाई अड्डे फिर से खोले गए, संचालन फिर से शुरू

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव के चलते बंद किए गए देश के 32 हवाई अड्डों को एक बार फिर से नागरिक उड़ानों के लिए खोल दिया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

एआईआई ने इन हवाई अड्डों पर तत्काल प्रभाव से उड़ान संचालन बहाल करने को लेकर औपचारिक घोषणा की है। गौरतलब है कि भारत-पाक के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई से 15 मई तक देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में स्थित 32 हवाई अड्डों, जिनमें श्रीनगर और अमृतसर जैसे प्रमुख एयरपोर्ट शामिल हैं, से नागरिक उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। >14

ट्रम्प बोले-भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु जंग रोकी

दोनों देशों को समझाया-लड़ाई नहीं रोकी तो ट्रेड नहीं करेंगे, इस पर दोनों मान गए

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाणु जंग रोक दी है। उन्होंने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा- अमेरिका ने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मुझे यकीन है कि यह सीजफायर स्थायी होगा। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे। ट्रम्प ने कहा- मैंने दोनों से कहा कि चलिए इसे रोकते हैं। अगर आप इसे रोकते हैं, तो हम व्यापार कर रहे हैं। अगर आप इसे नहीं रोकते हैं, तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। लोगों ने कभी भी बिजनेस का उस तरह से इस्तेमाल नहीं किया जैसा मैंने किया। ट्रम्प ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत और

पाकिस्तान की लीडरशिप बहुत मजबूत और शक्तिशाली है। उनके पास हालात ही गंभीरता को समझने की ताकत, बुद्धि और धीरज भरा नजरिया था। हमने बहुत मदद की। मैं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ट्रम्प ने कहा- मैंने कहा आइए, हम आप लोगों के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम अभी भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम जल्द ही पाकिस्तान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। ट्रम्प के बेटे ट्रम्प जूनियर ने रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का क्रेडिट पिता को दिया था। उन्होंने कहा था कि स्मार्ट लोग बातचीत की टेबल पर हैं और अमेरिका की वजह से दुनिया एक सुरक्षित जगह है। इससे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने भी ट्रम्प की तारीफ की थी। उन्होंने शनिवार को टीवी पर दिए गए भाषण में भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के लिए उनकी तारीफ की थी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। महिलाओं और बच्चों के सामने पुरुषों को सिर और सीने में गोली मारी थी।

घटना के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब में थे। वे दौरा बीच में ही छोड़कर देश लौटे और कैबिनेट की मीटिंग बुलाई। पहलगाम घटना के 15 दिन बाद सेना ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। 25 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुई डीजीएमओ स्तर की वार्ता

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने सोमवार को वार्ता की। जानकारी के मुताबिक, दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने 10 मई को संघर्ष विराम पर बनी आपसी सहमति पर चर्चा की। इसमें सीमा पार गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनी थी।

यह बातचीत हॉटलाइन पर दोपहर 12 बजे तय थी, लेकिन यह शाम 5 बजे शुरू हुई। बातचीत के अंतिम परिणाम अब तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। बता दें कि 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इस हमले के तार पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और पाकिस्तानी सेना से जुड़ते हुए मिले। मृतकों में अधिकांश पर्यटक शामिल थे।

आतंकियों के अंतिम-संस्कार में शामिल हुए पाक के नेता-अफसर

भारतीय सेना ने नाम जारी किए; 11 बर्बाद पाकिस्तानी ठिकानों की सैटेलाइट इमेज सामने आई

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे। रविवार को भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई। शामिल होने वालों के नाम बताए और तस्वीर भी दिखाई। नेता ओर अफसर, लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल रऊफ के साथ जनाजे की नमाज पढ़ते दिख रहे हैं। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन, मेजर जनरल राव इमरान सरताज, ब्रिगेडियर मोहम्मद फुरकान शब्बीर, पंजाब पुलिस के आईजी डॉक्टर उस्मान अनवर और सांसद मलिक अहमद शामिल हैं। भारतीय सैन्य अफसरों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के 11 आतंकी और सैन्य ठिकानों को बर्बाद किया गया है। सेना ने इन ठिकानों की सैटेलाइट इमेज जारी की। जिसमें अटैक से पहले और बाद की स्थिति दिखाई गई है। इससे पहले 8 मई को विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भी आतंकियों के जनाजे की फोटो दिखाकर पाक अधिकारियों के इसमें शामिल होने की बात कही थी। ये सभी आतंकी 7 अप्रैल को एयर फोर्स की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई एयर स्ट्राइक में मारे गए थे।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए एलईटी के आतंकी अबु जुंदाल के जनाजे में पाक के बड़-बड़े नेता और सेना के अधिकारी शामिल थे। यहां तक की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भतीजी और पंजाब की सीएम मरियम नवाज भी शामिल हुई थी। अबु जुंदाल मुंबई हमले का मास्टर माइंड कहा जाता है।

पाकिस्तान के 11 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया

भारतीय सेनाओं के तीनों डीजीएमओ ने 11 पाकिस्तानी आतंकी और सैन्य ठिकानों की सैटेलाइट इमेज भी जारी की। जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के तहत निशाना बनाया गया था।

बस ने 8 गाड़ियों को टक्कर मारी, डॉक्टर की मौत

भोपाल, 12 मई (एजेंसियां)। भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर स्कूल बस ने 8 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में इंटर्नशिप कर रही लेडी डॉक्टर की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हैं। दो की हालत गंभीर है। बताया गया है कि बस के ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। इसका वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला।

बस की टक्कर से उछली डॉक्टर, 50 फीट तक घिसटी

वीडियो में दिख रहा है कि रेड सिग्नल के दौरान बाणगंगा चौराहे पर गाड़ियां आकर रुकीं। इसी दौरान एक स्कूल बस पीछे से तेज रफ्तार में आई और आगे खड़ी गाड़ियों को कुचलते हुए बढ़ गई। बस के ठीक सामने खड़ी स्कूटी पर बैठी युवती उसकी टक्कर से उछली। वह स्कूटी समेत बस के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 50 फीट तक घिसटने के बाद स्कूटी बस के अगले हिस्से से निकली तो युवती अगले पहिए के नीचे आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सिग्नल पर 10-12 वाहन खड़े थे। इसी दौरान पीछे से स्कूल बस आई। उसका ड्राइवर हटो-हटो चिल्ला रहा था। कुछ ही सेकंड्स में बस लोगों को कुचलती हुई आगे बढ़ गई। बस रोशनपुर चौराहा से पॉलीटेक्निक कॉलेज की तरफ जा रही थी।

गुजरात के बॉर्डर इलाकों में हालात सामान्य

कच्छ-जामनगर में आज ब्लैकआउट नहीं ; गुजरात से राजस्थान जाने वाली नाइट ट्रेनें भी बहाल

अहमदाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद गुजरात के बॉर्डर इलाकों में हालात सामान्य हैं। सड़कों पर आवाजाही बढ़ गई है और दुकानें-होटलें खुल गई हैं। गुजरात से राजस्थान जाने वाली नाइट ट्रेनें भी बहाल कर दी गई हैं। वहीं, कच्छ और जामनगर में फिलहाल ब्लैकआउट के निर्देश नहीं हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर की घोषणा हुई थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा था कि अब दोनों देश जमीन, आकाश और समुद्र में एक-दूसरे पर हमला नहीं करेंगे। सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान ने गुजरात के बॉर्डर इलाकों में फिर से हमले की कोशिश की थी। इससे तीन जिलों भुज, जामनगर और द्वारका के 94 गांवों में ब्लैकआउट कर दिया गया था।

खबरें जरा हटके

जिसकी हत्या का चल रहा था केस, उसी ने कोर्ट में दी गवाही, जज भी रह गए हैरान, कैसे हुआ ये चमत्कार!

जब से हमारी ज़िंदगी में विज्ञान आया है, कुछ न कुछ नया ही हमने हर रोज़ सीखा और देखा है. पहले तो उन चीज़ों को हमने हकीकत में देखा, जो हमारी कल्पना में थे और फिर ऐसी चीज़ें सामने आने लगीं, जो कल्पना में भी नहीं थीं. पहले लोग हवाई जहाज पर उड़ने तक के बारे में सिर्फ सोचते थे और अब हम मर चुके लोगों की आवाज़ भी दोबारा सुन सकते हैं और उन्हें देख सकते हैं. इस वक्त एक ऐसी ही घटना चर्चा में है, जो अमेरिका में हुई. जिस इंसान की मौत का केस चल रहा था, वो अपने ही हत्यारे को मैसेज देने के लिए चार साल बाद कोर्ट में पहुंच गया. जज भी भौचक्के रह गए कि आखिर ये हुआ कैसे? वैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी की दुनिया में सब कुछ मुमकिन है. अमेरिका में एक 37 साल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उसके हत्यारे पर केस चल रहा था, इसी बीच खुद वो शख्स कोर्ट में गवाही देने के लिए पेश हो गया. ये देखकर कोर्ट में मौजूद सभी लोग दंग रह गए.

4 साल पहले हो गई थी हत्या

ये मामला अमेरिका के एरिज़ोना का है. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में एक विवाद के बाद गैब्रियल होरकासिटास नाम के व्यक्ति ने क्रिस्टोफर पेल्की नाम के शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी थी. 50 साल के होरकासिटास को 2021 में 37 वर्षीय पेल्की की गोली मारकर हत्या करने के लिए दोषी पाया गया था. इसी दौरान मौत के चार साल बाद पेल्की ने कोर्ट में विक्टिम इम्पैक्ट स्टेटमेंट दिया. चौंकिए मत, ये स्टेटमेंट उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़रिया दिया. वे ग्रे बेसबॉल कैप, ग्रीन हुडी और दाढ़ी में आए और उन्होंने कोर्ट में मौजूद अपने हत्यारे और वहां मौजूद लोगों को अपना मैसेज दिया. पेल्की को इस तरह देखकर लोग दंग रह गए और उन्होंने उसकी बात ध्यान से सुनी.

ऑफिस में उड़ा मजाक, फिल्मी विलेन से हुई तुलना महिला ने कर दिया केस, मिला 34 लाख का मुआवजा!

ऑफिस में सहकर्मी अक्सर हंसी-मजाक करते हैं. हालांकि, ऑफिस के हंसी-मजाक वैसे नहीं हो सकते, जैसे आप दोस्तों से करेंगे. हमेशा एक दायरा बनाकर रखना पड़ता है. हाल ही में इंग्लैंड की एक महिला कर्मी के साथ उसके सहकर्मी ने मजाक किया. वो इतनी आहत हो गई कि उसने नौकरी छोड़ दी और कंपनी पर केस किया, जिसके बाद उसे मुआवजे में 34 लाख रुपये मिले. आप सोचेंगे कि उसने ऐसा क्या मजाक किया होगा...शख्स ने उस महिला की तुलना एक फिल्मी विलेन से कर दी थी! न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन की लॉर्ना रूक साल 2021 में नेशनल हेल्थ सर्विस के ब्लड और ट्रांसप्लांट सेक्टर में, ट्रेनिंग और प्रैक्टिस सुपरवाइजर के पद पर काम किया करती थीं. कंपनी में एक टीम बिल्डिंग एक्सरसाइज होनी थी, जिसमें उन्हें स्टार वॉर्स थीम का साइकोलॉजिकल टेस्ट लेना था. स्टार वॉर्स हॉलीवुड की बेहद चर्चित साइंस फिक्शन मूवी है. इस फिल्म के विलेन का नाम था डार्थ वेडर. वो दुनिया को खत्म करना चाहता था और उन लोगों को मार डालता था जो उसके ऑर्डर को नहीं मानते थे.

ऑफिस में हुआ अजीबोगरीब क्विज

इस टेस्ट के सवालों के जरिए प्रतिभागियों से ये जानना था कि वो कितने अंतर्मुखी हैं, उनका इंट्यूशन यानी अंतर्ज्ञान कैसा है, वो विचारों या भावनाओं पर ज्यादा निर्भर करते हैं और वो अपनी आसपास की दुनिया को कैसे देखते हैं. इन सवालों के जवाब देने पर उनकी तुलना स्टार वॉर फिल्म के 16 किरदारों में से किसी एक किरदार से की जानी थी. आसान शब्दों में कहें तो कंपनी पहले कर्मियों से उनके बारे में जानना चाह रही थी, फिर उनकी खूबियों को स्टार वॉर्स के किरदार की खूबी से मिलाकर उन्हें कोई एक किरदार का टाइटल देना चाह रही थी. बस फिर क्या था, महिला ने कोर्ट में केस किया और कहा कि इस तुलना से उनकी मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा है और उनकी छवि को धूमिल किया गया है. कोर्ट ने भी इस बात को माना, हालांकि, कोर्ट ने ये नहीं माना कि इस वजह से ही उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी. कोर्ट ने माना कि महिला को मानसिक हानि हुई है. इस वजह से अब जाकर कोर्ट ने कंपनी द्वारा महिला को 40 हजार डॉलर (34 लाख रुपये से ज्यादा) का मुआवजा देने का आदेश पास किया.

सौ सालों तक कबाड़ में पड़ा था डिब्बा, राजा-महाराजों के घर की था शान, खोलते ही हैरान रह गए लोग

आज के समय में घर-घर में आपको फ्रिज नजर आ जाएगा. गर्मियों में जहां फ्रिज का इस्तेमाल ठंडे पानी के लिए किया जाता है वहीं बाकी के मौसम में ये सब्जियां, फल और बचा हुआ खाना लंबे समय तक स्टोर करने के लिए यूज किया जाता है. आज के टाइम में फ्रिज हर घर की जरूरत बन चुका है. इसे ध्यान में रखते हुए कई कंपनियों ने भी जरुरत के हिसाब से फ्रिज बनाकर मार्केट में उतार दिया है. कुछ सालों पहले सिंगल डोर फ्रिज आते थे. लेकिन अब तो डबल और ट्रिपल डोर भी आ चुके हैं. फ्रिज इतने स्मार्ट हो चुके हैं कि बस पानी डालो और आपको आइस क्यूब्स मिल जायेंगे. इसके अलावा कई फ्रिज में आपको दही जमाने का भी ऑप्शन मिल जाएगा. भारतीय घरों में फ्रिज दूध को लंबे समय तक बचा कर रखने के लिए भी यूज किया जाता है. ये फ्रिज बिजली से चलते हैं. लेकिन क्या आपने कभी मिट्टी के तेल से चलने वाला फ्रिज देखा है?

सोशल मीडिया पर एक शख्स ने सालों पहले इस्तेमाल होने वाले फ्रिज की झलक दिखाई. ये फ्रिज ना बिजली से चलता था ना ही बैटरी से. इसे चलाने के लिए मिट्टी के तेल यानी किरोसिन का इस्तेमाल किया जाता था. इसकी तकनीक देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे. आज जिस फ्रिज को हम मात्र एक स्विच ऑन कर चला लेते हैं वहीं सालों पहले इसे चलाने के लिए फ्रिज के अंदर बने एक बॉक्स में मिट्टी का तेल भरना पड़ता था. फ्रिज में लगभग दस लीटर तेल भरना पड़ता था. इसे हिमलॉक्स कंपनी द्वारा बनाया जाता था. वीडियो में दावा किया गया है कि ये फ्रिज सौ साल पुराना है.

गंगोत्री-यमुनोत्री दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में दिखा ऐसा उत्साह, बारिश में भी कम नहीं हुई आस्था

उत्तरकाशी, 12 मई (एजेंसियां)। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में बारिश के बावजूद भी श्रद्धालुओं में गंगा और यमुना के दर्शन को लेकर उत्साह देखने को मिला। यात्री बारिश के बावजूद भी लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। वहीं 11 मई तक प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार दो लाख से अधिक श्रद्धालु गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं।

जनपद मुख्यालय और निचले इलाकों में दोपहर बाद बारिश हुई। लेकिन गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में सुबह से ही बारिश जारी रही। गंगा पुरोहित सभा के सचिव माधव सेमवाल और राजेश सेमवाल ने बताया कि बारिश के कारण गंगोत्री धाम में तामपान में गिरावट आने के कारण ठंड बढ़ गई थी। लेकिन उसके बाद भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई और गंगा स्नान के बाद गंगा जी के दर्शन के लिए बारिश के बीच अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

राजेश सेमवाल ने बताया कि पिछले दो तीन दिनों से धाम में यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। वहीं दूसरी ओर यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर भी श्रद्धालु पांच किमी की पैदल यात्रा पर पूरे जोश के साथ पूरी कर रहे हैं। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार 11 मई तक यमुनोत्री धाम में कुल 112507 और गंगोत्री धाम में 94251 सहित कुल 206758 यात्री दर्शन कर चुके हैं।

'गिरीश महाजन की छवि खराब करने की कोशिश'

हाईकोर्ट का यूट्यूबर्स को वीडियो हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरीश महाजन के खिलाफ दो यूट्यूबर्स द्वारा अपलोड किए गए छह वीडियो हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इन वीडियो को प्रथम दृष्टया मानहानिपूर्ण बताया है। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की एकल पीठ ने 8 मई को दिए आदेश में कहा कि वीडियो देखने और उनके ट्रांसक्रिप्ट्स पढ़ने के बाद यह स्पष्ट होता है कि इसमें किए गए बयान मानहानिपूर्ण हैं। अदालत ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि वे तुरंत यूट्यूब से ये छह वीडियो हटा दें और आगे ऐसा कोई वीडियो या पोस्ट न डालें, जो महाजन के खिलाफ मानहानिपूर्ण हो। अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 जून को होगी।

महाजन ने लगाया मानहानि का आरोप

गिरीश महाजन ने यूट्यूबर अनिल ठट्टे और एक अन्य के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूट्यूबर्स ने उनके खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाए हैं। मंत्री महाजन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवि कदम ने कोर्ट में कहा कि इन वीडियो में महाजन और एक महिला आईएएस अधिकारी से संबंधित पूरी तरह झूठी और निराधार बातें कही गई हैं, जो सीधे तौर पर उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली हैं। इन छह वीडियो में से पांच 'अनिल गगनभेदी ठट्टे' नामक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए हैं, जिसे यूट्यूबर और पत्रकार अनिल ठट्टे संचालित करते हैं। वहीं एक वीडियो 'मुद्दा भारत का' नामक चैनल पर पोस्ट किया गया है, जिसे श्याम गिरी चलाते हैं।

पाक गोलाबारी से 100 से ज्यादा घर तबाह

लोग बोले-हमारा तो सपना धमाकों से उड़ गया, कैसे लौटें घर

श्रीनगर, 12 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने तंगधार में मंगलवार रात से ही कहर ढा रखा था। चार रोज तक हर रात भारी गोलाबारी की गई। इन चार दिनों में त्रिबुनि, शमसपोरा, बागबेला, दिलदार, भटपोरा, नवगाबरा गांव में 100 से ज्यादा घर तबाह हो गए। करीब 50 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि, अभी सरकार की ओर से आकलन शुरू नहीं हुआ है, लेकिन लोगों के अनुसार यहां काफी नुकसान हुआ है।त्रिबुनि में गोलाबारी से कई मकानों में आग लग गई थी, जिससे वह पूरी तरह जल गए हैं।

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं

हमलों में कुछ लोग घायल भी हुए थे। यहां से 90 प्रतिशत लोग सुरक्षित ठिकानों पर शरण लिए हुए हैं। बाकी के दिन-रात बंकरों में कट रहे थे। लोग अभी यहां वापस लौटने से घबरा रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान का कोई भरोसा नहीं है। पता नहीं कब फिर से हमला कर दे। इस संघर्ष में उनका मकान, दुकानें और वाहन तक नष्ट हो गए हैं। मवेशी भी मारे गए, पाकिस्तान को ऐसे ही छोड़ देना लोगों को गवारा नहीं है।

धमाकों ने तोड़ा सपना, घर फिर से बनाना चुनौती

कुपवाड़ा के शहरी इलाके में शरण लिए एजाज बट कहते हैं, सबकुछ खोने के बाद अब घर कैसे लौटें। घर बनाना एक सपने की तरह होता है। मेरा तो सपना ही धमाकों के साथ टूट गया। अब दोबारा से घर बनाना बहुत मुश्किल है। सरकार मदद करे तो कुछ राहत मिल सकती है।

बड़ी मेहनत से बनाए हुए घर इन कायरों ने तबाह कर दिया

कायरों ने हमें बर्बाद कर दियास्थानीय निवासी अफरोज बताते हैं, कई वर्षों से हम यहां रह रहे थे। नागरिकों पर किए गए पाकिस्तान के कायराना हमलों से हमारा आशियाना तबाह हो गया। बड़ी मेहनत से घर बनाया था। कायरों ने हमें बर्बाद कर दिया। पाकिस्तान का कोई भरोसा नहीं है। पाकिस्तान को ढंग से सबक सिखाना जरूरी था।

'सेना ने अदम्य साहस के साथ आतंकियों को मिट्टी में मिलाया'

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने भारतीय सशस्त्र बलों को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि सेना अदम्य साहस दिखाया। सेना ने आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया।

सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तानाबूद कर दिया। सांसद संबित पात्रा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कहा, 'आज भाजपा, उसके कार्यकर्ता और देश के नागरिक सुरक्षाबलों का धन्यवाद करते हैं जिनकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर सफल हो पाया है।' पात्रा ने कहा कि भारत गर्व के साथ कह सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर ने अपने लक्ष्य को 100 प्रतिशत पूरा किया और सशस्त्र बलों की कार्रवाई के पीछे राष्ट्रीय एकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि हम 26 लोगों की मौत का बदला लेंगे।

हिमाचल कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुनेंगे राहुल गांधी

कैबिनेट विस्तार का फैसला भी करेंगे, सीएम समेत सभी बड़े नेता दिल्ली मीटिंग में होंगे शामिल

शिमला, 12 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश में पार्टी का नया अध्यक्ष चुनेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ कैबिनेट विस्तार भी राहुल गांधी की सलाह पर होगा। राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस की गुटबाजी और कांग्रेस हाईकमान की नाकामी पर संज्ञान लिया है, क्योंकि पार्टी हाईकमान 6 महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी हिमाचल में पार्टी का नया संगठन नहीं बना पाया।

इसे देखते हुए राहुल गांधी इसी सप्ताह हिमाचल के सीएम समेत तमाम शीर्ष नेताओं को दिल्ली तलब करने वाले हैं। बीते 8 मई को भी राहुल ने कांग्रेस नेताओं को दिल्ली तलब किया था। मगर तब भारत-पाक के बीच तनाव की वजह से मीटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था।

दिल्ली में मीटिंग लेंगे राहुल

पार्टी सूत्रों का कहना हैं कि इसी सप्ताह दिल्ली में राहुल गांधी मीटिंग लेंगे। इसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रहे सभी नेताओं और सभी कैबिनेट मंत्रियों को बुलाया जाएगा। इस दौरान नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) के साथ साथ कैबिनेट विस्तार को लेकर भी चर्चा होगी।

प्रतिभा सिंह को हटाने की तैयारी पीसीसी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह का 3 साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। होली लॉज विरोधी खेमा उन्हें हटाना चाह रहा है, लेकिन पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह समर्थक प्रतिभा सिंह को हटाने का विरोध कर रहे हैं। इस वजह से पार्टी हाईकमान नए अध्यक्ष को लेकर फैसला नहीं कर पा रहा। अध्यक्ष के साथ साथ कांग्रेस की राज्य, जिला और ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन भी 6 महीने 6 दिन से लटका हुआ है। दिल्ली से कांग्रेस नेता एक बार नहीं बल्कि कई बार शिमला आकर जल्दी नया संगठन बनाने के दावे कर चुके हैं। मगर यह दावे झूठे साबित हुए है।

ये नाम अध्यक्ष की रेस में शामिल

अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदले जाने की चर्चाएं तेज हो गई है। नए अध्यक्ष के लिए मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक कुलदीप राठौर, पूर्व विधायक आशा कुमारी, विधायक संजय अवस्थी, सुरेश कुमार और विनोद सुल्तानपुरी का नाम चर्चा में है। अब किसके नाम पर सहमति बनती है। यह राहुल गांधी से मीटिंग के बाद तय होगा।

ये विधायक बनाए जा सकते हैं मंत्री

वहीं प्रदेश में कैबिनेट विस्तार भी होना है। सुक्खू कैबिनेट में मंत्री का एक पद खाली है। इसकी रेस में कुल्लू से विधायक सुंदर सिंह ठाकुर का नाम सबसे पहले लिया जा रहा है। सुंदर सिंह ठाकुर की ताजपोशी से मंडी संसदीय क्षेत्र को भी मंत्री पद मिलेगा, क्योंकि सुक्खू कैबिनेट में मंडी संसदीय क्षेत्र से मंत्री नहीं है। जगत सिंह नेगी मंडी संसदीय क्षेत्र से जरूर आते है, लेकिन वह ट्राइबल कोटे से मंत्री है। सुंदर सिंह ठाकुर के बाद विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, संजय रत्न और आशीष बुटेल के भी मंत्री बनने की चर्चाएं हैं।

आतंकवादी और उनके आका हमें उकसाते हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा : अब्बास नकवी

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आतंकवादी और उनके आका हमें उकसाते हैं, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हमें अपनी सेना की वीरता और उपलब्धियों तथा हमारी सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व पर बहुत गर्व है। हमारे नेतृत्व द्वारा दिखाए गए दृढ़ संकल्प पर पूरे देश को गर्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत स्पष्ट और जोरदार संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी और उनके आका हमें उकसाते हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अगर वे गोली चलाते हैं, तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। यह आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति का प्रमाण है और इसके परिणाम स्पष्ट हैं क्योंकि आतंकवादी और उनके आका अब चिल्ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक एक भी आतंकी जिंदा रहेगा, भारत की लड़ाई जारी रहेगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हमें अपनी सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व है। हमारा जो नेतृत्व है, उस पर देशवासियों को गर्व है।

सुविचार हमेशा अपने विचारों की शक्ति को महसूस करो और उसे मज़बूत बनाने पर कार्य करो।

वाणिज्यिक कर विभाग ने अपने लक्ष्य हासिल किए : भट्टी

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में वाणिज्यिक कर विभाग ने कुल मिलाकर 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिसे उन्होंने सकारात्मक विकास बताया। उन्होंने कहा कि मार्च में विभाग ने सीएसटी और वैट के माध्यम से 600 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा था और लगभग 500 करोड़ रुपये की वसूली की गई। भट्टी विक्रमार्क ने आगे बढ़ने के लिए एक अच्छी तरह से संरचित योजना की आवश्यकता पर जोर दिया और अधिकारियों को तदनुसार सलाह दी। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां सचिवालय में संसाधन जुटाने पर कैबिनेट उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में समिति के सदस्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, दुदिल्ला श्रीधर बाबू और जुपल्ली कृष्ण राव ने भाग लिया। बैठक के दौरान भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को आबकारी विभाग में किसी भी तरह के राजस्व रिसाव की पहचान करने और उसे सुधारने का निर्देश दिया, ताकि आय में वृद्धि हो सके। हालांकि अपार्टमेंट और फ्लैटों की बिक्री में अच्छी प्रगति देखी गई है, लेकिन कृषि भूमि और खुले भूखंडों की बिक्री में अपेक्षित गति की कमी है। मंत्रियों के समूह ने अधिकारियों को स्थिति का विश्लेषण करने और उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। परिवहन विभाग के संबंध में, मंत्रियों ने निर्देश दिया कि बड़े पैमाने पर निरीक्षण करने के लिए विभिन्न विभागों में नई शुरू की गई स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) प्रणाली को व्यापक रूप से लागू किया जाए। उन्होंने आदिवासी कल्याण विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आदिवासी क्षेत्रों में रेत की बिक्री आदिवासी समाजों के माध्यम से की जाए, वास्तविक लाभार्थियों की पहचान की जाए और उन्हें सदस्य के रूप में नामांकित किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभाग को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और वास्तविक आदिवासी सदस्यों को आय सुनिश्चित करने के लिए इसे सावधानीपूर्वक लागू करना चाहिए। मंत्रियों के समूह ने राजस्व अधिकारियों को जिला केंद्रों में मूल्यवान सरकारी भूमि की पहचान करने और उनकी सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का भी निर्देश दिया। एचएमडीए (हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण) को निर्माण परमिट जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की सलाह दी गई।

जनता की शिकायतों का जिम्मेदारी से समाधान किया जाए : आयुक्त

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों पर विशेष ध्यान देने तथा उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक एवं शीघ्रता से निपटाने की सलाह दी है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त ने शहर के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों की शिकायतें प्राप्त कीं। जनता से प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को भेज दिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी प्रजावाणी में प्राप्त प्रत्येक शिकायत की जिम्मेदारी से जांच करें तथा उसके समाधान के लिए उचित कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि हर शिकायत की गहनता से जांच की जानी चाहिए तथा समस्या के समाधान के प्रयास किए जाने चाहिए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान कुल 62 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 40 शिकायतें नगर नियोजन विभाग को, 6 कर अनुभाग को, 3 प्रशासन को, 2-2 इंजीनियरिंग, विद्युत और एफए विभागों को तथा एक-एक भूमि अधिग्रहण और स्वास्थ्य विभागों को प्राप्त हुईं। फोन कॉल के माध्यम से पांच शिकायतें प्राप्त हुईं। जीएचएमसी के अंतर्गत छह क्षेत्रों में कुल 111 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली जोन में 37 आरजी, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 18, एलबी नगर जोन में 7, सिकंदराबाद जोन में 34, चारमीनार जोन में 14 और खैरताबाद जोन में एक आरजी प्राप्त हुए।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से 2 मनरेगा मजदूरों की मौत

सिद्दीपेट, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह अकबरपेट-भुमपल्ली मंडल के पोथारेड्डीपेट में काम पर जाते समय एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो मनरेगा मजदूरों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी पहचान देवव्वा और रामव्वा के रूप में हुई। सड़क दुर्घटना का कारण तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना बताया गया है। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

सरकार ने चार आरटीआई आयुक्तों की नियुक्ति की

पी.वी. श्रीनिवास राव

मोहसिना परवीन

बोरड्डी अयोध्या रेड्डी

देशला भूपाल

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत राज्य सूचना आयोग में चार नए आयुक्तों की नियुक्ति की। मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने इस संबंध में आदेश जारी किए। राज्य सूचना आयुक्तों के रूप में नियुक्त किए गए लोगों में पी.वी. श्रीनिवास राव, मोहसिना परवीन, देशला भूपाल और बोरड्डी अयोध्या रेड्डी शामिल हैं। नवनियुक्त आयुक्त अपने पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे।

साइबराबाद पुलिस ने 310 चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए

मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी क्राइम एल.सी. नाइक की देखरेख में साइबराबाद पुलिस की सीसीएस, आईटी सेल और सोशल मीडिया टीमों ने मोबाइल फोन रिकवरी का 7वां चरण सफलतापूर्वक पूरा किया। पिछले 30 दिनों में, उन्होंने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके 310 चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाया और उन्हें बरामद किया। बरामद किए गए फोन, जिनकी कीमत 95 लाख है। 12 मई को साइबराबाद कमिश्नर ऑफिस में उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए। डीसीपी ने खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की तुरंत रिपोर्ट करने के महत्व पर जोर दिया, या तो निकटतम पुलिस स्टेशन पर या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मोबाइल फोन संवेदनशील जानकारी और यादों को संग्रहीत करते हैं, इसलिए उनकी रिकवरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीईआईआर पोर्टल न केवल त्वरित रिकवरी की सुविधा देता है बल्कि चोरी हुए उपकरणों के दुरूपयोग को रोकने में भी मदद करता है। उन्होंने लोगों से साइबर धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने और संदिग्ध या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचने का आग्रह किया। बढ़ती जागरूकता के बावजूद, कई लोगों में अभी भी चोरी के बाद अपने मोबाइल डेटा की सुरक्षा के बारे में जानकारी का अभाव है। डीसीपी ने आवासीय कॉलोनियों और सामुदायिक स्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की सिफारिश की। कार्यक्रम के दौरान, डीसीपी क्राइम ने जोनवार वसूली का विवरण साझा किया। सीसीएस माधापुर ने 80 फोन, सीसीएस बालानगर ने 65, सीसीएस मेडचल ने 55, सीसीएस राजेंद्रनगर ने 55 और सीसीएस शमशाबाद ने 55 फोन बरामद किए। प्राप्तकर्ताओं ने पुलिस को उनकी त्वरित और कुशल कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया। एक प्राप्तकर्ता ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, छह महीने पहले, मैंने पहली बार अपना मोबाइल फोन खोया था और पुलिस ने इसे सफलतापूर्वक बरामद किया। फिर, दो महीने पहले, मेरा फोन फिर से चोरी हो गया। मुझे यकीन था कि इस बार मुझे यह वापस नहीं मिलेगा। हालांकि, मैंने निकटतम पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, और मेरे आश्चर्य की बात यह है कि साइबराबाद पुलिस ने एक बार फिर इसे जल्दी से बरामद किया और मुझे वापस कर दिया। मैं उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए साइबराबाद पुलिस का आभारी हूं। डीसीपी क्राइम एल.सी. नाइक ने सीसीएस एसीपी के. शशांक रेड्डी, आईटी सेल इंस्पेक्टर अंजनेयुलु, माधापुर सीसीएस इंस्पेक्टर संजीव, शमशाबाद सीसीएस इंस्पेक्टर पवन, बालानगर सीसीएस इंस्पेक्टर राजू, मेडचल सीसीएस इंस्पेक्टर दलिनायडू, सोशल मीडिया एसआई शशिधर के साथ-साथ एएसआई, हेड कांस्टेबल, महिला पुलिस कांस्टेबल, आईटी सेल टीम और सीसीएस टीम के प्रयासों की भी सराहना की।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों का नागार्जुन सागर स्थित बुद्ध वनम में भव्य स्वागत

22 देशों की मिस वर्ल्ड प्रतियोगी बुद्धवनम पहुंचीं

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिस वर्ल्ड-2025 प्रतियोगिता में एशिया-ओशिनिया ग्रुप-4 के 22 देश भाग लेंगे। प्रतिभागियों ने बुद्ध पूर्णिमा मनाने के लिए आज नागार्जुन सागर में बुद्धवनम का दौरा किया। भारत, बांग्लादेश, कंबोडिया, म्यांमार, वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लेबनान, मंगोलिया, नेपाल, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, तुर्की, चीन, थाईलैंड और आर्मेनिया के मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों ने एक बौद्ध थीम पार्क में स्तूप में बुद्ध की प्रतिमा के पास ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लिया। इससे पहले प्रतियोगियों ने विजय विहार पर्यटन संस्थान में कुछ देर आराम करने के बाद फोटो शूट में हिस्सा लिया।

पोचमपल्ली में धान खरीद केंद्र पर किसान की मौत

केटीआर ने कहा- यह राज्य की हत्या

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व महबूबनगर जिले के एक धान खरीद केंद्र पर भीषण गर्मी के कारण 51 वर्षीय किसान गुगुलोथ किशन की मौत हो गई। इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया और इसे राज्य सरकार की हत्या बताया। पेड्डावंगारा मंडल के पोचमपल्ली गांव के किशन की धान खरीदे जाने का इंतजार करते हुए खरीद केंद्र पर मौत हो गई। रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री सौंदर्य प्रतियोगिताओं में व्यस्त हैं, किसान धूप में बेहाल हैं और सरकार कहीं नज़र नहीं आ रही है। यह लापरवाही नहीं, बल्कि राज्य की हत्या है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार को बेमौसम बारिश में धान सड़ने और किसानों को खराब खरीद केंद्रों पर जानलेवा गर्मी में रहने के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी सरकार है जिसने रायतु भरोसा निवेश सहायता से परहेज किया है, कर्ज माफी के मामले में किसानों को धोखा दिया है और अब उनकी मेहनत की कमाई को खरीदने में विफल रही है।

स्थिति को चिंताजनक बताते हुए उन्होंने शोक संतप्त परिवार को तत्काल मुआवजा देने और लंबित धान के स्टॉक को खाली करने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह सरकार अपनी उदासीनता जारी रखती है, तो उसे तेलंगाना के किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा।

बाचुपल्ली में छात्रा के साथ उसके दोस्त समेत दो लोगों ने किया बलात्कार

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली में एक छात्रा के साथ उसके दोस्त समेत दो युवकों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। चेन्नई की 20 वर्षीय बायोमेडिकल अंतिम वर्ष की छात्रा को उसका मित्र अजय यहां एक फार्मा कंपनी में इंटर्नशिप कराने का वादा कर लाया था। जानकारी के अनुसार, कुकटपल्ली में एक महिला छात्रावास में उसके रहने की व्यवस्था की गई थी। हाल ही में, 4 मई को अजय ने उसे निज़ामपेट में राजीव गृहकल्प में अपने दोस्त हरि के फ्लैट में पार्टी के लिए बुलाया था। युवती कमरे में गई, जहां उसे कथित तौर पर शराब परोसी गई और जब वह बेहोश हो गई तो अजय और हरि ने उसके साथ बलात्कार किया। महिला की शिकायत के आधार पर बाचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

सरकार वक्फ के गार्डन व्यू मॉल को पट्टे पर देने के लिए नए सिरे से निविदाएं आमंत्रित करेगी

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने नामपल्ली में हज हाउस से सटे वक्फ के स्वामित्व वाले वाणिज्यिक परिसर गार्डन व्यू मॉल को पट्टे पर देने के लिए नए सिरे से निविदाएं आमंत्रित करने का फैसला किया है। यह निर्णय सोमवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। दो बेसमेंट स्तरों और 1.65 लाख वर्ग फीट के कुल निर्मित क्षेत्र के साथ निर्मित सात मंजिला संरचना का निर्माण पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान किया गया था। वक्फ बोर्ड द्वारा 22 करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद, परिसर बीआरएस सरकार के तहत अप्रयुक्त और अधूरा रहा, जिससे इसकी जीर्णता बढ़ गई। शब्बीर अली, जिन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री के रूप में इस परियोजना की देखरेख की थी, ने कहा कि परिसर का उद्देश्य वक्फ बोर्ड के लिए एक प्रमुख राजस्व-उत्पादक संपत्ति होना था। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और वक्फ विकास के लिए हज हाउस से सटी दो अतिरिक्त संपत्तियों को काफी लागत पर खरीदा था। हालांकि, पिछले कई वर्षों में अनुवर्ती कार्रवाई की कमी के कारण उपेक्षा हुई और संभावित आय में कमी आई। वैश्विक निविदाएं पहली बार 2017 में आमंत्रित की गई थीं, लेकिन शराब और अवैध गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध और हज सीजन के दौरान दो मंजिलों को खाली रखने की आवश्यकता जैसी कठोर शर्तों ने प्रक्रिया को धीमा कर दिया। सोमवार की बैठक में अधिकारियों ने समान नैतिक और सांस्कृतिक सुरक्षा उपायों के साथ निविदाएं फिर से जारी करने पर सहमति व्यक्त की। सरकार के सचिव तफ़सीर इकबाल, वक्फ बोर्ड के सीईओ मोहम्मद असदुल्लाह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया, जिसमें आगामी हज यात्रा की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। शब्बीर अली ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी 16 मई को हज हाउस से हज यात्रियों के जत्थे को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। तीर्थयात्रियों के लिए आवास, परिवहन और अन्य सुविधाओं सहित निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुहर्रम जुलूस आयोजकों द्वारा हाथी की अनुपलब्धता के बारे में उठाई गई लंबे समय से चली आ रही चिंता पर भी चर्चा की गई, जो कि निज़ाम ट्रस्ट द्वारा ऐतिहासिक रूप से निभाई जाने वाली परंपरा है। इससे पहले, हाथी को हैदराबाद चिड़ियाघर में रखा जाता था और धार्मिक जुलूसों के दौरान इसका इस्तेमाल किया जाता था। इसकी मृत्यु के बाद, आयोजकों को इस परंपरा को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। बैठक में हाथी की संभावित खरीद सहित सरकारी हस्तक्षेप की संभावना का पता लगाया गया। यह मुद्दा अब वन विभाग, चिड़ियाघर के अधिकारियों और वन्यजीव अधिकारियों के साथ चर्चा में है। वक्फ बोर्ड के सीईओ को स्थायी समाधान खोजने के लिए बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया है।

महबूबाबाद में खरीद केंद्र पर किसान की मौत

महबूबाबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पोचमपल्ली गांव में धान खरीद केंद्र पर सोमवार दोपहर को 51 वर्षीय किसान की अचानक मौत हो गई। सब्बीस्कुंटा थांडा निवासी जी सतीश सुबह-सुबह अपना स्टॉक बेचने के लिए खरीद केंद्र पर पहुंचे थे। जब वह फसल बेचने के लिए तैयार हो रहा था, तभी अचानक किसान धान के ढेर पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि लू लगने से उसकी मौत हो गई।

इस बीच, जोगुलम्बा गडवाल में किसानों ने धान की खरीद में देरी को लेकर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए, चिलचिलाती धूप की परवाह किए बिना किसान कलेक्टर कार्यालय के सामने बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक से आने वाले स्टॉक को प्राथमिकता के आधार पर खरीदा जा रहा है और स्थानीय किसानों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों ने यह भी शिकायत की कि बारदाने की भारी कमी है। किसानों ने आरोप लगाया कि अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए स्टॉक तौलते समय हर क्विंटल पर करीब दो से तीन किलो धान की कटौती की जा रही है, जिससे काफी नुकसान हो रहा है।

टीपीसीसी प्रमुख ने सीएम रेवंत के खिलाफ टिप्पणी को लेकर इटेला राजेंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र को कड़ी चेतावनी दी। महेश कुमार गौड़ ने इस बात पर जोर दिया कि अगर भाजपा अपने दृष्टिकोण में बदलाव नहीं करती है तो कांग्रेस सदस्य अपनी आवाज उठाएंगे। सोमवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, टीपीसीसी ने भाजपा से राजेंद्र की जाति का खुलासा करने का आह्वान किया और सवाल किया कि वह मुदिराजू या रेड्डी समुदाय से हैं। महेश कुमार गौड़ ने टिप्पणी की, इटेला राजेंद्र की टिप्पणी तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किए जाने पर उनकी निराशा से उपजी है। वह खुद को अपनी पार्टी के भीतर अलग-थलग पाते हैं, जहां उनका अब कोई खास प्रभाव नहीं है, जिसके कारण वह गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं जो संसद सदस्य के रूप में उनकी भूमिका की अवहेलना करते हैं। टीपीसीसी प्रमुख ने इटेला राजेंद्र पर आरोप लगाया कि वे बीआरएस सरकार में वित्त मंत्री थे और उन्होंने तेलंगाना के वित्तीय पतन में योगदान दिया। उन्होंने दावा किया कि इटेला और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव दोनों ही बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त थे, जिसके कारण राज्य दिवालिया हो गया। महेश कुमार गौड़ ने आगे बताया कि लोग इटेला राजेंद्र और केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के रूप में पहचानने को तैयार नहीं हैं, उन्होंने इस भावना का कारण संसद में बीसी आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने में केंद्र सरकार की विफलता को बताया।

महेश बाबू ईडी के सामने पेश होने की उम्मीद

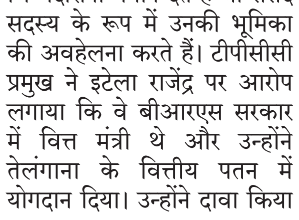

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू अभिनेता महेश बाबू हैदराबाद स्थित रियल एस्टेट फर्म साई सूर्या डेवलपर्स और सुराना ग्रुप से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के समक्ष पेश हो सकते हैं। ईडी इन आरोपों की जांच कर रहा है कि इन कंपनियों ने अनधिकृत भूखंड बेचकर तथा वादा किए गए प्रोजेक्ट पूरे न करके घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी की है। महेश बाबू, जो उनके ब्रांड एंबेसडर हैं, ने उनके कई उपक्रमों का समर्थन किया था और जिसके लिए उन्हें अपने प्रचार कार्य के लिए कथित तौर पर 5.9 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला था। आरोप है कि भुगतान में से 2.5 करोड़ रुपये नकद दिए गए थे, जिसकी अब ईडी जांच कर रही है। ईडी ने पहले भी अभिनेता को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए बुलाया था। हालांकि, अभिनेता ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण पेश होने के लिए और समय मांगा था।

कोरे डिवाइडर से टकराने से 42 वर्षीय पोस्ट मास्टर की मौत

आसिफाबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम को आसिफाबाद मंडल के बुरुगुगुडा गांव के निकट एक जिनिंग मिल के पास एक कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे 42 वर्षीय शाखा पोस्टमास्टर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आसिफाबाद कस्बे के अब्दुल बिन साल्हे को उस समय गंभीर चोटें आईं जब उनकी कार गांव के बाहरी इलाके में एनएच 363 पर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाते समय उनकी मौत हो गई। वह अडा गांव में शाखा डाकपाल थे। दुर्घटना के समय वह कागजनगर से आसिफाबाद लौट रहे थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और बेटा है। उनकी पत्नी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

एजेंसी क्षेत्रों के विकास में योगदान दें युवा

कोत्तागुडेम, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुडाला पुलिस ने जिले के गुडाला मंडल में आदिवासी युवाओं के लिए तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। येलंडू डीएसपी एन चंद्रभानु ने सोमवार को वॉलीबॉल टूर्नामेंट के समापन समारोह में भाग लिया और विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। एसपी बी रोहित राजू के आदेश के बाद आयोजित इस टूर्नामेंट में गुंडाला, अल्लापल्ली और कोमारम पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत 40 टीमों ने भाग लिया।

दमारतोगु और चिन्ना वेंकटपुरम की टीमें फाइनल में पहुंचीं। विजेता बनी दमारतोगु टीम को 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई। उपविजेता चिन्ना वेंकटपुरम टीम को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई, जबकि मामाकन्नु टीम को 6,000 रुपये का नकद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई। सभा को संबोधित करते हुए चंद्रबानू ने एजेंसी के युवाओं को सलाह दी कि वे असामाजिक ताकतों का साथ न दें, बल्कि पढ़ाई और खेलकूद पर ध्यान दें।

यूपी के 50 जिलों में बारिश का अलर्ट

42.2°C के साथ वाराणसी सबसे गर्म; 14 मई से लू चलने की संभावना

वाराणसी, 12 मई (एजेंसियां)। यूपी में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के 50 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। वहीं, पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में तापमान 40 के पार चला गया। वाराणसी का तापमान 42.2°C के साथ सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन से चार दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी के संकेत हैं।

वहीं रविवार को प्रयागराज में शाम को अचानक घने बादल छाए। तेज आंधी के साथ बारिश हुई। लखनऊ और बहराइच में भी आंधी के साथ बरसात हुई। झांसी में रविवार दोपहर बाद घने बादल छाए। दिन में अंधेरा छा गया। 60 की रफ्तार से हवाएं चलीं। शहर में कई होर्डिंग और पेड़ उखड़ गए। शिवाजी नगर में एक घर की दीवार गिर गई।

दरिंदों को जानती थीं सहेलियां पहले भी साथ गईं थी दोनों

> बुलंदशहर गैंगरेप और हत्याकांड में बड़ा खुलासा

ग्रेटर नोएडा, 12 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली किशोरियों को नौकरी का झांसा देकर सामूहिक दुष्कर्म और चलती कार से फेंकने के मामले में बुलंदशहर की पुलिस ने सेंट्रल नोएडा जोन के सूरजपुर कोतवाली पुलिस से संपर्क साधा है। मामले में आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी मांगी है। किशोरियों को कार में बैठाने वाली जगह की सीसीटीवी भी खंगाली है। पूर्व में भी किशोरियां आरोपियों के साथ नौकरी के नाम पर जा चुकी थीं।

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले संदीप और अमित प्रापर्टी डीलर हैं। संदीप के भाई की कस्बा सूरजपुर में मोबाइल की दुकान है। वहीं गौरव दोनों आरोपियों का रिश्तेदार है। हत्या की शिकार हुई किशोरी की जान पहचान करीब दो माह पहले नौकरी लगवाने के सिलसिले में आरोपी अमित से हुई थी। अमित ने अपने साथी संदीप से किशोरियों को मिलवाया था। बाद में दोनों ने झांसे में लेकर पूर्व में एक जगह ले जाकर नौकरी लगवाने की बात भी की थी, लेकिन किशोरियों की नौकरी नहीं लग पाई थी। इसी कारण दोनों किशोरियां आरोपियों के झांसे में आई थी। विश्वास करते हुए 6 मई की शाम आरोपियों के साथ आसानी से चली गई थी। घटना के दिन आरोपियों ने जगत फार्म के पास से बियर और शराब खरीदी थी। फिर आरोपियों ने अपने अन्य साथी गौरव को साथ लेकर वारदात को अंजाम दिया था।

काम के सिलसिले में देर रात तक रहती थीं बाहर

मृतका शादी मंडप और पार्टी में पार्ट टाइम काम करती थी। वह सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रहती थीं। साथ में बड़ा भाई भी रहता हैं। भाई की शादी हो चुकी है। मृतक करीब पिछले दस साल से इलाके में रह रही थी। जबकि दूसरी किशोरी के पिता की मौत हो चुकी है। वह अपने मां, बहन और भाई के साथ किराये के मकान में रहती है। दोनों अक्सर काम के सिलसिले में देर रात तक बाहर रहती थी। यही कारण था कि परिजन को लगता था कि किसी काम से बाहर गईं होंगी। देर रात या अगले दिन सुबह आ जाएंगी। घटना वाले दिन यही सोचकर परिजन ने फोन नहीं किया था, लेकिन जब अगले दिन किशोरियों को फोन नहीं मिला तो परिजन चिंतित होने लगे थे। घटना के बाद से पड़ोसियों को भी यकीन नहीं हो रहा है। वहीं परिजन भी लोक लाज के डर से कारण बोलने को तैयार नहीं है।

कोर्ट और शराब दुकान के पास सीसीटीवी की मदद से जांच

मामले में शनिवार को बुलंदशहर पुलिस की टीम ने सूरजपुर कोर्ट परिसर के आसपास की फुटेज खंगाली थी। आरोप है कि कोर्ट के गेट नंबर-3 के पास से आरोपियों ने किशोरी और उसकी सहेली को बैठाया था। पुलिस ने घटना स्थल के दिन प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर घटना से संबंधित जानकारी जुटाई है।

एल्विश यादव को हाईकोर्ट से झटका

सांप से जहर निकालने के मामले में दर्ज एफआईआर नहीं होगी रद्द

प्रयागराज, 12 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया एंफ्लुएंसर और यू-ट्यूबर एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने एल्विश यादव की रेव पार्टी में ड्रग्स-सांप के जहर के इस्तेमाल मामले में चार्जशीट-समन रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया है।

इस मामले में की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने की। सोमवार को जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने इस मामले में फैसला सुनाया। इस मामले में तीन नवंबर 2023 को नोएडा के सेक्टर 49 में यू-ट्यूबर एल्विश यादव समेत कई लोगों पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पीएफए आर्गेनाइजेशन के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता ने सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। सभी पर रेव पार्टी में ड्रग्स, स्नेक वेनम के प्रयोग व जिंदा सांपों के साथ वीडियो बनाने का आरोप लगा था।

अलग-अलग कई धाराओं में दर्ज है एफआईआर

एल्विश यादव के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और आईपीसी व एनडीपीएस अधिनियम की कई धाराओं में मामला दर्ज है। इसी मामले में नोएटा सेक्टर-49 में एक थाने में दर्ज एफआईआर में एल्विश के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई है। साथ ही अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा समन भी जारी किया गया है।

एल्विश ने किया ये दावा

एल्विश की ओर से इस चार्जशीट और कार्यवाही को यह कहते हुए चुनौती दी गई है कि एल्विश के खिलाफ जानकारी देने वाला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए सक्षम नहीं था। यह दलील दी गई है कि आवेदक यानी कि एल्विश के पास से कोई सांप या नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ है। वहीं एल्विश और अन्य सह-अभियुक्तों के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ है। एल्विश की ओर से ये भी कहा गया है कि सूचना देने वाला व्यक्ति अब पशु कल्याण अधिकारी नहीं है, लेकिन उसने खुद को पशु कल्याण अधिकारी बताते हुए एफआईआर दर्ज कराई है।

एल्विश का दावा-आरोपों को साबित करने में फेल रही पुलिस

एल्विश की ओर से कोर्ट में यह भी दलील दी गई कि आवेदक एक प्रभावशाली व्यक्ति है और टेलीविजन पर कई रियलिटी शो में दिखाई देता है। ऐसे में एफआईआर में एल्विश का नाम होने से मीडिया का इस ओर बहुत ध्यान गया। मीडिया की खबरों के चलते ही पुलिस अधिकारियों ने आवेदक को गिरफ्तार करने के तुरंत बाद धारा 27 और 27 ए एनडीपीएस अधिनियम को लागू करके मामले को और अधिक संवेदनशील बनाने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस अतिरिक्त आरोपों को साबित करने में फेल रही है। जिसके बाद उन्हें हटा दिया गया।

हेयर ट्रांसप्लांट से चेहरा सूजा, आंखें बाहर आईं

> इंजीनियर की पत्नी बोली-सरप्राइज देना चाहते थे

> महिला डॉक्टर ने जान ले ली

कानपुर, 12 मई (एजेंसियां)। 'होली पर बच्चों को लेकर मायके गई थी। मेरे पति घर पर थे। उन्होंने मुझसे फोन पर कहा - घर आओगी तो सरप्राइज दूंगा। इस पर मैंने कहा - मुझे आपके सरप्राइज का इंतजार रहेगा। फिर उन्होंने मुझे बिना बताए हेयर ट्रांसप्लांट करवा लिया। 14 मार्च को फोन आया कि पति अस्पताल में एडमिट हैं। मैं मायके से अस्पताल पहुंची। विनीत बार-बार बेहोश हो रहे थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बाद में पता चला कि ट्रांसप्लांट के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई थी। हेयर ट्रांसप्लांट के बाद उनके चेहरे पर इतनी सूजन आ गई थी कि चेहरा गुब्बारे की तरह हो गया था। उनकी आंखें बाहर आ गई थीं। वे पहचान में नहीं आ रहे थे। पुलिस ने 54 दिन बाद एफआईआर दर्ज की। वह भी तब, जब मैंने सीएम पोर्टल पर शिकायत की।

यह कहना है इंजीनियर विनीत की पत्नी जया का। विनीत कानपुर के पनकी पावर प्लांट में एई थे। हेयर ट्रांसप्लांट की दौरान उनकी मौत हो गई थी। दैनिक भास्कर टीम पहले हेयर ट्रांसप्लांट क्लिनिक, फिर इंजीनियर के घर पहुंची। हमने महिला डॉक्टर, इंजीनियर की पत्नी और उनके चचिया ससुर से बातचीत की। पत्नी ने कहा - डॉक्टर ने इलाज में लापरवाही की है, जिस वजह से जान गई।

क्या है पूरा मामला?

पनकी पावर प्लांट में इंजीनियर विनीत कुमार दुबे (37) ने 13 मार्च को एम्पायर वाराही क्लिनिक में हेयर ट्रांसप्लांट कराया। ट्रांसप्लांट के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई। रिश्तेदारों ने उन्हें रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान 14 मार्च को उनकी मौत हो गई। इसका पता चलते ही वाराही क्लिनिक की डॉ. अनुष्का तिवारी क्लिनिक बंद करके और फोन स्विच ऑफ कर फरार हो गईं। इंजीनियर की पत्नी जया मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाना, चौकी, एसीपी और डीसीपी के दफ्तर से लेकर पुलिस कमिश्नर तक के चक्कर काटती रहीं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ सभी ऑडियो-वीडियो और अन्य साक्ष्यों के साथ सीएम पोर्टल पर शिकायत की। तब जाकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इंजीनियर विनीत की पत्नी जया ने बताया - पति विनीत पढ़ने में होनहार थे। नौकरी करने के साथ-साथ कानपुर की प्रतिष्ठित हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) से पीएचडी कर रहे थे।

काला जादू-नीम के पेड़ पर लटका सुई से भेदा गुड्डा

नीचे पड़ी दो लाशें, ऐसी मौत देख कांप उठा कलेजा

फिरोजाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में तंत्र-मंत्र से धनवान बनने के लालच में आपस में दूर के रिश्तेदार दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस मृतकों के मोबाइल की काल डिटेल खंगाल रही है। ताकि यह पता चल सके कि घर के निकलने के बाद वे कहां-कहां गए और किससे बात की थी। पुलिस मामले में तीन संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की लेकिन अभी तक कुछ खास जानकारी नहीं मिली है। इसके अलावा पुलिस लड्डू, गिलास की जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला आगरा भेजा है। मक्खनपुर के नगला मवासी में शुक्रवार सुबह आठ बजे एका के गांव गोकुल का नगला निवासी रामनाथ (55) और थाना उत्तर में रहना इंदिरानगर निवासी पूरन सिंह (45) का शव मिला था।

घर में दंपती और दो बेटियों के शव मिलने से सनसनी

> मुंह दबाकर हत्या की आशंका > जांच में जुटी पुलिस

उन्नाव, 12 मई (एजेंसियां)। एक गांव में घर के अंदर युवक का शव फंदे से तो पत्नी और दो बेटियों के शव चारपाई पर पड़े मिले। पत्नी के सीने पर तकिया होने से तीनों का मुंह दबाकर हत्या का अनुमान है। थानाक्षेत्र के साहबखेड़ा गांव निवासी अमित (35) पुत्र उमेशचंद्र यादव खेती कर परिवार का पालन पोषण करते थे। रविवार को पड़ोसी गांव रामबक्श खेड़ा में रहने वाली मृतक की बुआ के लड़के की शादी थी। रायबरेली जिले के डलमऊ बरात गई थी, मृतक के माता-पिता और अन्य चार भाई परिवार के साथ उसी में शामिल होने गए थे। अमित पत्नी गीता (30), निधि (6) और खुशी (10) के साथ घर पर था। सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे मृतक का छोटा भाई अजीत घर आया लेकिन सभी का अलग-अलग घर होने से वह अपने घर चला गया। कुछ देर बाद टिकरी गांव निवासी गल्ला व्यापारी बागड़ गांव में ही गेहूं खरीदने के लिए आया। मृतक अमित के घर के पास पेड़ होने से वह उसी के नीचे रुककर आराम करने लगा। तभी उसकी नजर अमित के घर में लगे जिंगले में गई तो देखा लाल गमछा और उसमें बाल दिख रहे थे। उसने अजीत को बताया, दरवाजा खटखटाना पर जब नहीं खुला तो अजीत छत के रास्ते घर के अंदर पहुंचा और नजारा देख चीख पड़ा। अजीत के मुताबिक भाई अमित का शव गमछे के फंदे से लटक रहा था। गीता चारपाई पर थी, एक तरफ बड़ी बेटी और दूसरी ओर छोटी बेटी का शव पड़ा था। मृतका गीता के सीने पर तकिया पड़ी थी। दर्दनाक घटना की खबर सुन ग्रामीणों की भीड़ लग गई। थानाध्यक्ष फोर्स और फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के पिता उमेशचंद्र ने गांव के दूसरे यादव परिवार से चल रही मुकदमे बाजी में हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिक्षक ने छात्र को दी तालिबानी सजा

गाजीपुर, 12 मई (एजेंसियां)। गाजीपुर जिले में प्रोनाउन के बारे में न बताने पर कक्षा चार के एक छात्र को निजी स्कूल के शिक्षक ने तालीबानी सजा दी है। डंडे से पीटकर प्राइवेट पार्ट को घायल कर दिया है। स्थिति यह है कि जगह- जगह खून जमने से नीले रंग के चकत्ते पड़े गए हैं। आरोप है कि दर्द से कराह रहे छात्र को देख जब परिजन शिकायत लेकर प्रधानाध्यापक के पास पहुंचे तो उन्हें भगा दिया और धमकी भी दी। पीड़ित छात्र के पिता ने शिक्षक और प्रधानाध्यापक के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज कराया गया।

फिलहाल पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। दुर्खुशी गांव निवासी अशोक सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र अंश सिंह डंडापुर स्थित निजी स्कूल में कक्षा चार का छात्र है। वह बीते 10 मई की सुबह करीब 9.45 बजे कक्षा में पढ़ रहा था। प्रताप घुघवा रुपनगर कानपुर निवासी शिक्षक जितेंद्र सिंह प्रोनाउन और उसके तहत आने वाले शब्दों के बारे में पूछने लगा। छात्र अंश सिंह नहीं बता पाया।

15 मई को बिहार आएंगे राहुल गांधी

पटना के थिएटर में देखेंगे फिल्म, दरभंगा में जनसभा को करेंगे संबोधित, ईबीसी वोट बैंक को साधने की रणनीति

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 15 मई को बिहार पहुंच रहे हैं। बिहार में पटना और दरभंगा दोनों जगहों पर उनका अलग-अलग कार्यक्रम तय किया गया है। राहुल गांधी पटना में ईबीसी समाज के विचारक ज्योतिराव फुले पर बनी फिल्म 'फुले' देखेंगे। इस दौरान सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों और दलित वर्ग के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रहेगी। कांग्रेस इस पहल को दलित वोट बैंक को साधने की रणनीति के तौर पर देख रही है। इससे पहले पार्टी ने राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे।

दरभंगा में जनसभा, जनता से सीधा संवाद

पटना के कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी दरभंगा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वो जनता से सीधे संवाद करेंगे। इस जनसभा के जरिए राहुल गांधी राज्य की आम जनता से सीधे संवाद करेंगे और कांग्रेस पार्टी की चुनावी प्राथमिकताओं, मुद्दों और विजन को साझा करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस जनसभा में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति और भाजपा की नीतियों पर भी राहुल गांधी जनता के सामने कांग्रेस का पक्ष रखेंगे।

कांग्रेस 15 मई को एक बड़े प्रदेशव्यापी शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रही है। दिल्ली से कई वरिष्ठ नेता बिहार पहुंचेंगे। पूरे राज्य में लगभग 60 जगहों पर जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है। पार्टी का मुख्य फोकस दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने पर है। बिहार में इस बार कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है और राहुल गांधी का यह दौरा उसी रणनीति की अहम कड़ी है।

अचानक एटीएम से 100 की जगह निकलने लगे 500 के नोट

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। तकनीकी खामी से अक्सर नुकसान ही होता हुआ दिखता है, लेकिन राजधानी पटना में तकनीकी खामी से एक शख्स को ऐसा फायदा हुआ कि उसे देखकर हर कोई दंग रह गया। हालाँकि उसने अपनी इमानदारी का परिचय देते हुए सरकार की मदद भी की, जिसे लोगों ने ख़ूब सराहा। मामला शास्त्री नगर थाना क्षेत्र का है। एक शख्स अपने किसी परिजन का इलाज कराने आईजीआईएमएस आया था। उसे रुपयों की जरुरत थी, इसीलिए वह रुपया निकालने पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में पहुंचा। लेकिन रुपया निकालते वक्त उसके साथ अजीब घटना हुई। उसके द्वारा निकाले गये रुपयों में 100 की जगह 500 के नोट और 500 की जगह 100 रुपये के नोट निकलने लगे। यह देखकर वह थोडा परेशान हुआ, लेकिन तुरंत उसने अपनी इमानदारी का परिचय देते हुए इस मामले की जानकारी शास्त्री नगर थाना को दी। सूचना मिलते ही शास्त्री नगर थाना के थानाध्यक्ष अमर कुमार तुरंत वहां पहुंचे और एटीएम को बंद करवाया।

घटना के संबंध में शास्त्री नगर थाना के थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी तुरंत पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक को भी दी गई। जानकारी मिलते ही शाखा प्रबंधक भी वहां पहुंचे और उन्होंने इस गड़बड़ी की जांच की। जांच करने पर मामला सही पाया गया। फिर उन्होंने बैंक की तकनीकी टीम को भी बुलाया, जिन्होंने एटीएम में आई गड़बड़ी की जांच की, जिसके बाद उन्होंने तुरंत उस एटीएम को लॉक करवाया। शाखा प्रबंधक ने बताया कि इस बात की जांच करवाई जाएगी कि आखिर ऐसा किस तरह हो गया। लापरवाही बरतने वाले की जांच करने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। हालाँकि युवक की सुझबुझ और उसकी इमानदारी से पंजाब नेशनल बैंक को लाखों रुपये के संभावित नुकसान से बचा लिया गया।

जेई का काला चिट्ठा : फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर युवाओं से 30 लाख की ठगी

> आठ माह बाद पुलिस को मिला सुराग

संभल, 12 मई (एजेंसियां)। नौकरी के नाम पर 30 लाख की ठगी करने वाला विद्युत निगम के जेई विजयपाल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। करीब आठ माह बाद कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़े जेई की गिरफ्तारी के मामले में एएसपी (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा ने प्रेसवार्ता कर खुलासा किया। एएसपी ने बताया कि 30 अगस्त 2024 को गांव लहरावन निवासी महावीर यादव की ओर से दर्ज कराए गए मामले में कहा गया था कि नौकरी लगवाने के नाम पर विद्युत निगम में तैनात जेई की ओर से 30 लाख रुपये की ठगी की गई है। जेई कई लोगों से नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी कर चुका है।

इसके अलावा जेई घरेलू बिजली समेत नलकूप के कनेक्शन तथा ऑनलाइन विद्युत बिल जमा करने के नाम पर भी ठगी करता है। जेई गांव नरौदा निवासी है और फिलहाल चंदौसी की आवास विकास कॉलोनी में रहता है।

एएसपी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपी जेई को गिरफ्तार करने में जुटी हुई थी। रविवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे प्रभारी इंस्पेक्टर हरीश कुमार ने मय पुलिस टीम के साथ आरोपी जेई को बेहटा जयसिंह के निकट से गिरफ्तार किया है। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जेई को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया। एएसपी अनुकृति शर्मा ने बताया कि आरोपी विद्युत जेई विजयपाल सिंह के खिलाफ अलग-अलग थानों में चार मामले दर्ज हैं। इनमें कोतवाली बहजोई समेत थाना जुनावई, रजपुरा व चंदौसी में भी एक-एक मामला दर्ज है।

20 लाख नौकरी के नाम पर व 10 लाख जमीन के नाम पर ठगे थे

गांव लहरावन निवासी महावीर यादव ने एसपी को दी तहरीर में कहा था कि आरोपी जेई के नाम पर उसने व उसके पिता चरन सिंह ने तीन बार तहरीर दी थी। आठ मई को एसई विद्युत को भी शिकायतीपत्र दिया था। इसमें बताया था कि विजयपाल सिंह ने उसकी व भाइयों की बिजली निगम में टीजी-2 पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर 20 लाख रुपये ले लिए थे। बाद में नौकरी नहीं लगवाई, तो उसने विजयपाल सिंह से 20 लाख रुपये वापस करने को कहा। इस पर विजयपाल सिंह ने कहा कि मेरी खेती की जमीन खरीद लो। हामी भरने पर 10 लाख रुपये लेकर जमीन की रजिस्ट्री उसने पिता के नाम करा दी थी। बाद में वह जमीन भी दूसरे की निकली। विजयपाल सिंह उस जमीन की रजिस्ट्री पहले किसी को कर चुका था।

एएसपी अनुकृति शर्मा ने प्रेसवार्ता में बताया कि जानकारी जुटाने के बाद सामने आया कि आरोपी जेई विजयपाल सिंह नौकरी लगवाने समेत घरेलू बिजली व नलकूप का कनेक्शन कराने तथा ऑनलाइन बिल जमा कराने के नाम पर कई लोगों से रुपयों की ठगी कर चुका है।

ट्रक के गुप्त केबिन में 1.80 करोड़ का माल

फटी रह गई पुलिस की आंखें...एटा का युवक हुआ गिरफ्तार

फिरोजाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के थाना रसूलपुर पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस के सहयोग से गांजा तस्कर को गिरफ्तार एक ट्रक से 178.26 किलोग्राम गांजा बरामद किया। ट्रक में गुप्त केबिन बनाकर 11 बोरियों में गांजा छुपाया गया था। बरामद गांजे की कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री करने वाले गिरोह की पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी। रविवार को रसूलपुर पुलिस को सूचना मिली कि प्रेम नगर डाक बंगले पर रेलवे की खाली पड़ी जमीन से एक ट्रक गुजरने वाला है, जिससे गांजे की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी अरुण कुमार चौरसिया के नेतृत्व में थाना प्रभारी अनुज कुमार राना, एसओजी प्रभारी अमित तोमर ने घेराबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस ने एक ट्रक को रुकवाकर जब उसकी तलाशी ली तो कुछ हाथ नहीं लगा। ट्रक खाली था लेकिन अंदर घुसकर देखा तो एक गुप्त केबिन बना हुआ था। जांच करने पर गुप्त केबिन से 11 बोरियों में 178 किलो गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम दिनेश बघेल निवासी भील नगर, थाना सकरौली जनपद एटा बताया है।

घर के पीछे बोरे में बंद मिला नवविवाहिता का शव

वैशाली, 12 मई (एजेंसियां)। वैशाली के वैशाली थाना क्षेत्र के अर्थौली गांव में एक 21 वर्षीय नवविवाहिता की दहेज के लिए हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान अखिलेश कुमार की पत्नी निधि कुमारी के रूप में हुई है। महज चार महीने पहले ही उसकी शादी हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुई थी, लेकिन ससुरालवालों के लालच ने उसकी जिंदगी को खत्म कर दिया।

घर के पीछे बोरे में मिला शव ससुराल वाले फरार

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो निधि का शव घर के पीछे बांसवाड़ी में एक बोरे में बंद हालत में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जब मायकेवालों को सूचना दी गई और वे ससुराल पहुंचे, तो देखा कि घर पर ताला लगा हुआ है और ससुराल के सभी सदस्य फरार हैं। इससे हत्या की योजना और साजिश की गंभीरता साफ झलकती है।

दहेज में दिए गए थे पांच लाख रुपये और बाइक

मृतका के पिता परशुराम राय लालगंज थाना क्षेत्र के बलुआ बसंत गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने 10 जुलाई 2024 को अपनी बेटी की शादी धूमधाम से की थी। शादी के वक्त पांच लाख रुपये नकदी और एक मोटरसाइकिल भी दहेज स्वरूप दिया गया था। इसके बावजूद उनकी बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। परिवारवालों का आरोप है कि ससुराल वाले लगातार निधि से मायके से दो लाख रुपये मंगवाने का दबाव बना रहे थे। निधि के भाई ने बताया कि बीते दो महीनों से उसे मारा-पीटा जा रहा था और उसे धमकी दी जा रही थी कि अगर उसने पैसे नहीं मंगवाए तो उसकी जान ले ली जाएगी।

पहलगाम हमले में पति ने गंवाई थी जान

अब केंद्र ने बांग्लादेशी महिला को दी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में कोलकाता के रहने वाले बितान अधिकारी ने अपनी जान गवां दी थी। अब गृह मंत्रालय ने उनकी पत्नी सोहिनी रॉय को भारत की नागरिकता दे दी है। अपने पति की मृत्यु के बाद बितान अधिकारी के परिवार के सदस्यों के एक वर्ग ने सोहिनी की नेशनेलिटी को लेकर सवाल खड़े किए थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत सोहेनी रॉय के सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन को सोशल मीडिया पर शेयर किया।

इस डॉक्यूमेंट में बताया गया है कि सोहिनी का जन्म नारायणगंज बांग्लादेश में हुआ था और वह जनवरी 1997 में देश में आई थीं। मजूमदार ने कहा कि सोहिनी ने काफी समय पहले बितान अधिकारी से शादी के बाद भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया था। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुकांत मजूमदार ने कहा, 'भारत सरकार ने नागरिकता के इस आवेदन को स्वीकार कर लिया है। मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रगुजार हूं। पहलगाम में बितन बाबू की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। केंद्र सरकार ने नागरिकता देकर सोहिनी को जीवन की नई राह दी है। बता दें कि फ्लोरिडा, यूएसए में काम करने वाले आईटी कर्मचारी बितान अधिकारी की 22 अप्रैल को पहलगाम में उनकी पत्नी के सामने हत्या कर दी गई थी। बितन अधिकारी के परिवार के सदस्य उनके बुजुर्ग माता-पिता सहित कोलकाता के पटुली में रहते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा की है और मृतक के माता-पिता और पत्नी के बीच मुआवजे की राशि बांट दी जाएगी। सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष दोनों के कई राजनेताओं ने त्रासदी के बाद अधिकारी परिवार से मुलाकात की और समर्थन का भरोसा दिया है।

कर्नाटक कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया

बाद में सोशल मीडिया पोस्ट हटाया; डिप्टी सीएम बोले-किसी ने शरारत की थी

बेंगलुरु, 12 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा था। कन्नड़ में किए गए इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और सरकार की आलोचना की गई थी क्योंकि वे पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाले लोन को रोकने में नाकामयाब रहे।

हालांकि यह पोस्ट अब X से हटा दी गई है। जब इस बारे में पूछा गया तो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा, यह गलत है। एक छोटी सी गलती थी। हमने सब कुछ हटा दिया है। किसी ने शरारत की थी। पार्टी के सोशल

मीडिया हैंडल पर बार-बार होने वाली गड़बड़ियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, पोस्ट के लिए जिम्मेदार लोगों को हटा दिया गया है।

भाजपा बोली-कांग्रेस आईटी सेल आतंकवादियों का स्लीपर सेल

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा ट्वीट करके कर्नाटक कांग्रेस ने एक बार फिर पापी पाकिस्तान के लिए अपना लगाव दिखाया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कर्नाटक कांग्रेस पार्टी का आईटी सेल पाकिस्तानी आतंकवादियों का स्लीपर सेल है। अशोक ने ऑपरेशन सिंदूर से पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की युद्ध की कोई जरूरत नहीं, वाली टिप्पणी की ओर भी इशारा किया और कहा, पाकिस्तान के पक्ष में वकालत करने वाले मुख्यमंत्री ने जनता के आक्रोश के बाद अपना रुख बदल दिया।

'पति की वापसी के प्रयास का आश्वासन दिया'

ममता से मिलने के बाद पाक में फंसे बीएसएफ जवान की पत्नी ने कहा

कोलकाता, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान रेंजर्स की तरफ से हिरासत में लिए गए बीएसएफ कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनसे फोन पर बात की और सीमा सुरक्षा बल के जवान की रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार गए था बीएसएफ जवान

बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रविवार शाम को उन्हें फोन किया, जब उन्होंने अपने पति की रिहाई में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग करने के लिए सीएम ममता बनर्जी से मिलने की इच्छा जताई। पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनात चालीस वर्षीय पूर्णम कुमार साहू 23 अप्रैल को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए और बाद में उन्हें पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिशरा की निवासी रजनी ने बताया, मुख्यमंत्री ने मेरे स्वास्थ्य के बारे में भी पूछा और मुझे आश्वासन दिया कि यदि आवश्यक हुआ तो वे मेरे बुजुर्ग ससुराल वालों को चिकित्सा सहायता प्रदान करेंगी। उन्होंने मेरे पति की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का भी आश्वासन दिया।' रजनी ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए हुए समझौते के बाद उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की है, लेकिन उन्हें अभी तक कोई और अपडेट नहीं मिला है। बीएसएफ कर्मी की पत्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके पति को एक पाकिस्तानी रेंजर के साथ संभावित अदला-बदली के जरिए वापस लाया जा सकता है, जिसे 3 मई को राजस्थान में भारतीय बलों ने पकड़ा था।

मुंबई में रक्षा बलों और राज्य सरकार की उच्चस्तरीय बैठक

फडणवीस बोले - 'बेहतर समन्वय के साथ सुरक्षा हमारी प्राथमिकता'

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में वर्षा निवास पर रक्षा बलों और महाराष्ट्र सरकार के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार रक्षा बलों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर काम करेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में राज्य में सुरक्षा और तैयारियों को लेकर हुई इस बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार मौजूद थे। बैठक में मुख्य रूप से खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, तकनीक के अधिक उपयोग और बरती जाने वाली जरूरी सावधानियों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस मजबूती और सटीकता के साथ भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह अभूतपूर्व है। मैं रक्षा बलों को सलाम करता हूं। मुंबई जैसा शहर बहुत महत्वपूर्ण है।

यह देश की वित्तीय राजधानी है। जब पहले मुंबई पर हमला हुआ था, तो दुश्मन ने यह दिखाने की कोशिश की थी कि हमने भारत की वित्तीय राजधानी पर हमला किया है। आने वाले समय में हमें पूरी ताकत से काम करना होगा। इस स्थिति में, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है। सभी को साइबर सुरक्षा के बारे में अधिक सावधान रहना होगा। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा बलों के अधिकारी अधिक समन्वय के साथ मिलकर काम करें। बैठक में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल पवन चड्ढा, कर्नल संदीप सील, रियर एडमिरल अनिल जग्गी, नौसेना कमांडर नितेश गर्ग, वायु सेना के एयर वाइस मार्शल रजत मोहन मौजूद थे। रिजर्व बैंक, जेएनपीटी, बीपीटी, बीएसई, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एटीएस और होमगार्ड के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सीजफायर पर विदेश सचिव की ट्रोलिंग, सोशल मीडिया लॉक किया

ओवैसी बोले-विक्रम मिसरी मेहनती और ईमानदार, फैसले के लिए उन्हें दोष न दें

मुझे उम्मीद है हर भारतीय और राजनीतिक पार्टियां पिछले दो हफ्तों से सीख लेंगी। भारत तब मजबूत होता है जब एकजुट होता है; हमारे दुश्मनों को फायदा होता है जब हम आपस में लड़ते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी
लोकसभा सांसद, हैदराबाद

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी को लगातार सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। इस ट्रोलिंग को देखते हुए उन्होंने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर दिया है। विक्रम मिसरी को लेकर हैदराबाद से एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि विक्रम मिसरी हमारे देश के लिए बिना रुके-थके काम करने वाले ईमानदार डिप्लोमैट हैं।

ओवैसी ने यह भी कहा कि हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे सिविल सर्वेंट सरकार के अधीन काम करते हैं। शासन और राजनीतिक लीडरशिप की ओर से लिए गए फैसले के लिए मिसरी को दोषी नहीं ठहराना चाहिए। एक दिन पहले ओवैसी ने कहा था कि युद्ध विराम हो या न हो, भारत को पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदारों का पीछा करना जारी रखना चाहिए। जब तक पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करता रहेगा, तब तक शांति नहीं हो सकती। ओवैसी एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध विराम की घोषणा किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करनी चाहिए थी। ओवैसी ने यह भी कहा कि क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा।

ओवैसी ने सवाल भी किआ

हमारे प्रधानमंत्री ने किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय युद्ध विराम की घोषणा की होती। हम शिमला (1972) से हमेशा तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध करते रहे हैं। हमने अब इसे क्यों मान लिया है? मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह हमारा आंतरिक मामला है। हम न्यूट्रल एरिया पर बातचीत करने के लिए क्यों सहमत हो रहे हैं? इन बातचीतों का एजेंडा क्या होगा? क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं करेगा?

क्या हमने पाकिस्तान को भविष्य में आतंकी हमले करने से रोकने का अपना मकसद हासिल कर लिया है? क्या हमारा मकसद ट्रम्प की मध्यस्थता से युद्ध विराम करवाना था या पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में लाना था कि वह किसी और आतंकी हमले के बारे में सपने में भी न सोचे? हमें पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में डालने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान जारी रखना चाहिए। औवेसी ने कहा कि पाकिस्तान पूरी दुनिया के लिए खतरा है। किसी न किसी समय, दुनिया के नेताओं को यह तय करना होगा कि क्या इस देश को परमाणु हथियार रखने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं। इस देश में परमाणु हथियारों को नष्ट किया जाना चाहिए। दुर्भावना की पराकाष्ठा इतनी है कि उन्होंने श्रीनगर में हॉस्पिटल्स को निशाना बनाया। इस समय, हमें अपनी सेना के पीछे खड़ा होना चाहिए और पाकिस्तानी दुष्प्रचार को विफल करना चाहिए।

तीन जिलों में बनेंगे ड्रोन स्टेशन

कृषि और बागवानी क्षेत्र में तकनीक का किया जाएगा इस्तेमाल

शिमला, 12 मई (एजेंसियां)। कृषि और बागवानी क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए जिला हमीरपुर, मंडी और कांगड़ा में ड्रोन स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में देश को कुशल कार्यबल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हिमाचल सरकार ने पहल की है। प्रदेश सरकार राज्य में नवाचार को बढ़ावा दे रही है। इसी के मद्देनजर समग्र ड्रोन ईको सिस्टम की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। ड्रोन प्रौद्योगिकी कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाती है। ग्रीन हिमाचल विजन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश में ड्रोन प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करना समय की मांग है।

भारत-पाक डीजीएमओ मीटिंग से पहले वीरेश शांडिल्य की मांग

अंबाला में बोले-पहलगाम के आतंकियों को सौंपे पाकिस्तान, कटे सिर देखने तक शांत नहीं होगा देश

अंबाला, 12 मई (एजेंसियां)। अंबाला में एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने भारत सरकार से अपील करते हुए कहा है कि भारत-पाकिस्तान के डीजीएमओ स्तर की 12 मई को प्रस्तावित बैठक में सरकार की पहली शर्त यह होनी चाहिए कि पहलगाम में 26 निर्दोष भारतीयों की हत्या करने वाले दरिंदे आतंकियों को पाकिस्तान जिंदा या मुर्दा भारत के हवाले करें। शांडिल्य ने अपने बयान में स्पष्ट कहा जब तक इन दरिंदों के कटे हुए सिर भारतीय जनता नहीं देख लेती, तब तक देश का हृदय शांत नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, शहीदों की शहादत का बदला लिए बिना भारत को कोई मरहम नहीं लगेगा।

भारत शहीद की कुर्बानी का हिसाब लेगा

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारत अब हर शहीद की कुर्बानी का हिसाब लेगा। पहलगाम हमले में शहीद विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल के उन शब्दों को भी याद किया जो उन्होंने शांडिल्य से कहे थे कि मैं दरिंदे आतंकियों को जिंदगी की भीख मांगते हुए देखना चाहती हूं।

चर्चा में आतंकवाद के खिलाफ हो कड़ा रुख

एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संबंध में कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि भारत सरकार व पाकिस्तान के साथ होने वाली वार्ता में आतंकियों के खिलाफ भारत निर्णायक रुख अपनाए। शांडिल्य ने कहा भारत की तरक्की उनके लिए सर्वोपरि हैं और भारतीय सेना की पाकिस्तान के अंदर घुसकर की कार्रवाई भी सराहनीय हैं। शांडिल्य ने भारत-पाक की अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद प्रस्तावित वार्ता में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख़ अपनाने की अपील की। शांडिल्य ने कहा जैसे पाकिस्तान हाफिज सईद, मसूद अजहर को अब तक पनाह दे रहा था अब वह पहलगाम के दरिंदे आतंकियों को भी पनाह देगा। इसलिए पाकिस्तान से दो टूक इस बारे भारत बात करें। शांडिल्य ने बताया इसको लेकर उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री को पत्र भी भेज दिया है।

'पाकिस्तान शांत नहीं बैठेगा'

रक्षा विशेषज्ञ बोले-फिर से तैयार होने के लिए सीजफायर को बनाया ढाल

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में जो सीजफायर पर सहमति बनी है, वह फिलहाल एक अस्थायी राहत के रूप में देखी जा रही है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता और वह किसी भी वक्त फिर से आतंकी हरकतें शुरू कर सकता है। हाल के दिनों में भारत की ओर से सख्त जवाबी कार्रवाई और सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों को लेकर माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। खासकर जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकी हमला हुआ, तो भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कड़ी कार्रवाई की। इसके बावजूद पाकिस्तान की ओर से ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं सामने आईं, जिन्हें भारतीय सेना ने समय रहते मार गिराया। मगर इन घटनाओं ने साफ कर दिया कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इस बीच 10 मई को एक अहम घटनाक्रम तब सामने आया जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन करके सीजफायर की अपील की।

यमुना सफाई- 8372 करोड़ खर्च, फिर भी सबसे प्रदूषित नदी

> 37 में से 33 एसटीपी का ट्रीटेड पानी फिर नालों में मिल रहा > दिल्ली का यमुना प्रदूषण में 80% हिस्सा

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। यमुना नदी का महज 2% हिस्सा दिल्ली में पड़ता है और यमुना के प्रदूषण का 80% हिस्सा दिल्ली से मिलता है। यमुना को साफ करने के लिए अब तक 8372 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं और इतने खर्चे से दिल्ली में 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए और नतीजा है कि देश की राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी देश की सबसे प्रदूषित नदी है। विडंबना ये है कि दिल्ली सरकार का दावा है कि उसके पास पानी को साफ करने का इतना बड़ा बुनियादी ढांचा है कि वह दिल्ली में पैदा होने वाले गंदे पानी का 80% साफ कर सकता है और अगले दो महीने में यह क्षमता शत-प्रतिशत गंदे पानी को साफ करने की होगी। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) ने अपनी नई रिपोर्ट में पाया है कि यदि दिल्ली के एसटीपी के ट्रीटेड पानी को यदि यमुना में सीधे पहुंचाया जाता तो यमुना फिर से जीवंत हो जाती। लेकिन स्थिति यह है कि 37 में से 33 एसटीपी यमुना तटों से काफी दूर बने हैं। उनका ट्रीटेड पानी जिन 22 नालों के जरिए यमुना में पहुंचता है, उनमें पहले से गंदा पानी बह रहा होता है, इसलिए पानी को ट्रीट करने का कोई फायदा ही नहीं होता। दिल्ली के ट्रीटेड पानी का केवल 10 फीसदी ही बागवानी सरीखे काम में इस्तेमाल होता है। यमुना एक्शन प्लान-1 व 2 में यमुना की सफाई पर 1514.70 करोड़ रुपए खर्च हुए। दिल्ली सरकार ने यमुना की सफाई पर 2017 से 2022 के दौरान 6856.91 करोड़ रुपए खर्च किए। अब यमुना एक्शन प्लान-3 के तहत 2009.12 करोड़ रुपए दिल्ली में यमुना की सफाई के लिए 11 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

हिसार में 39 बांग्लादेशी पकड़े

हांसी, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बीच हरियाणा में पुलिस ने 39 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े हैं। ये सभी गैरकानूनी तरीके से हिसार के हांसी में रह रहे थे। पकड़े गए लोगों में 14 पुरुष, 11 महिलाएं और 14 बच्चे शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक ये तोशाम रोड पर ईंट भट्टे पर मजदूरी का काम कर रहे थे। जांच में इनके पास से किसी तरह के डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि यह बॉर्डर क्रॉस करके बांग्लादेश से आए थे। हालांकि इन्होंने यह नहीं बताया कि किसने इन्हें बॉर्डर क्रॉस कराया। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि इन्हें वापस बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। तब तक इन्हें दिल्ली स्थित बांग्लादेशी कैंप में डाला जाएगा। उधर, सीजफायर के बाद हालात सामान्य होने के बाद सिरसा से आज जम्मू, कटरा, अमृतसर जाने वाली हरियाणा रोडवेज की बस सेवा शुरू हो गई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सुरक्षा के मद्देनजर बस सेवा बंद की गई थी। कब से रह रहे, हांसी पुलिस जांच में जुटीः हांसी पुलिस इन बांग्लादेशियों को सदर थाने लेकर आई। जहां रविवार को इनके बारे में जानकारी जुटाई गई। पुलिस का कहना है कि अभी यह जांच चल रही है कि ये कितने लंबे समय से यहां रह रहे थे और इनके हांसी तक पहुंचने का जरिया क्या रहा। हांसी एसपी बोले-डिपोर्ट किए जाएंगे : हांसी के एसपी अमित यशवर्धन ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ड्रग मनी व हेरोइन की खेप के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, 12 मई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी और हवाला नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर में एक नार्को-हवाला गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह का संचालन तुर्की में रहने वाला नवप्रीत सिंह उर्फ नव भुल्लर कर रहा था। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 1.10 किलोग्राम हेरोइन, 1.06 करोड़ रुपये की हवाला राशि, एक नकदी गिनने की मशीन, और एक बिना नंबर प्लेट की कार बरामद की है।

गुरदीप सिंह उर्फ साब उम्र 35 साल निवासी अमृतसर जो पेशे से टैक्सी ड्राइवर है। दूसरे आरोपी की पहचान प्रदीप शर्मा उम्र 29 साल निवासी बीकानेर के तौर पर हुई है जो कपड़े का दुकानदार है। इसके अलावा एक अन्य आरोपी की पहचान मनी शर्मा उम्र 36 साल निवासी लुधियाना के तौर पर हुई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गुरदीप सिंह, नव भुल्लर के निर्देश पर अमृतसर में यह गिरोह संचालित था जो नशे की खेप की आपूर्ति और हवाला राशि के लेन-देन में शामिल था। नव भुल्लर पहले से ही विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा नशा तस्करी और हवाला मामलों में वांछित है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर सीआईए-1 के प्रभारी अमोलकदीप सिंह की टीम ने गुरदीप सिंह को गिरफ्तार किया।

यात्रियों को लेकर उड़ान भरते ही हेलीकॉप्टर ने खोया नियंत्रण, बड़ा हादसा होने से बचा

बदरीनाथ, 12 मई (एजेंसियां)। बदरीनाथ धाम में हेलीपैड पर एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यात्रियों को लेकर उड़ान भरते ही हेलीकॉप्टर ने नियंत्रण खो दिया। हालांकि इस समय रहते इसे संभाल लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, घटना दिन में 12.15 बजे की है। थंबी एविएशन का हेली फाटा से यात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम पहुंचा था। सवारी को उतारने के बाद दूसरी सवारी को लेकर जैसे ही हेली उड़ान भरने लगा तो नियंत्रण खो बैठा। हेली के पंखे वहां वाहन से टकरा गए। किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। थाना प्रभारी नवनीत भंडारी ने कहा कि हेली उड़ान भरने के दौरान डिसबैलेंस होने से हेलीकॉप्टर का पंखा हेलीपेड पर खड़े वाहन से टकराया। इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ है। सभी सुरक्षित है। चारधाम यात्रा में 12 दिन के भीतर साढ़े पांच लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

पाकिस्तान को करारी चोट

भारत की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवाद के खिलाफ उठाया गया अब तक का सबसे ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए न सिर्फ आतंकवादियों के ठिकानों को सटीक निशाने पर लिया गया, बल्कि पाकिस्तान की हेकड़ी भी निकाल दी गई है। भारत ने पाकिस्तान का घमंड चूर-चूर कर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी कडा संदेश दे दिया कि अब आतंक के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाया है। इनमें बहावलपुर, मुरिदके, मुजफ्फराबाद और कोटली जैसे ठिकाने शामिल थे, जो जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के मुख्यालय रहे हैं। भारत ने जिस तरह से आपरेशन सिंदूर के जरिए खुलकर पाकिस्तान के अंदर तक हमला किया उससे उसका दम ही निकल गया। भारत के हमले से पाकिस्तान सैकडों किसी भीतर तक कराह उठा। भारत ने पाकिस्तान के सबसे मजबूत गढ़ पंजाब प्रांत में भी आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत ने साफ कर दिया है कि अगर पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद फैलता है, तो उसका कोई भी हिस्सा बख्शा नहीं जाएगा। अपने हमलों से भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि पाकिस्तान का जर्रा-जर्रा उसकी पहुंच से बाहर नहीं है। भारत ने'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान के लिए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है। अब पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकता। अगर वह ऐसा करता है, तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। भारत ने इस धारणा को भी गलत साबित कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार के कुछ लोग बिना किसी डर के आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा को चकमा दिया या उसे जाम कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर महज 23 मिनट किया गया। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा में कितनी खामी है। भारत ने दुनिया को दिखाया कि मॉडर्न हवाई सुरक्षा कितनी जरूरी है। पाकिस्तान की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे चीनी डिफेंस सिस्टम को भी भारत ने भेद दिया। इससे पता चलता है कि सुरक्षा सिर्फ हथियार खरीदने से नहीं बल्कि उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करने से भी होती है। भारत के आकाश एयर डिफेंस सिस्टम ने सैकड़ों पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया है। अब इसे दुनिया भर में बेचने की तैयारी है। भारत ने शुरुआत में किसी भी सैन्य या नागरिक संपत्ति को निशाना नहीं बनाया, सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इससे भारत की मोस्ट वॉटेड लिस्ट में शामिल कई आतंकवादी कमांडर ढेर हो गए। भारत की सैन्य कार्रवाई में पहली बार किसी देश ने परमाणु हथियार वाले देश के एयर फोर्स कैंपों को नुकसान पहुंचाया। तीन घंटे के अंदर नूर खान, रफीकी, मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियान, सरगोधा, स्कारू, भोलारी और जैकोबाबाद सहित 11 बेस पर हमला किया गया। इससे पाकिस्तानी वायु सेना के 20 फीसदी ढांचे को नुकसान पहुंचा। भारत ने पाकिस्तान के भोलारी एयर बेस पर बमबारी की, जिसमें पाकिस्तान के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ, चार एयरमैन और अन्य सहित 50 से अधिक लोग मारे गए। इसके अलावा, पाकिस्तान के लड़ाकू विमान भी नष्ट हो गए। भारत ने दुनिया को दिखा दिया कि वह अपने लोगों की रक्षा के लिए किसी की इजाजत का इंतजार नहीं करेगा। आतंकवाद को कभी भी और कहीं भी सजा दी जा सकती है।

चार दिन में ही घुटने टेक दिए पाकिस्तान ने

अशोक भाटिया

भारत और पाकिस्तान के बीच बीते दिनों में सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंक के अड्डों पर सटीक और जबरदस्त प्रहार किए। यह ऑपरेशन 7 मई की सुबह प्रारंभ हुआ और 10 मई तक भारतीय वायुसेना और थलसेना ने पाकिस्तान में कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर व्यापक नुकसान पहुंचाया। अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्षविराम लागू किया गया, जिसने फिलहाल दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच टकराव को टाल दिया है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की युद्ध योजना सटीक थी कि चार दिन में ही घुटने टेक दिए पाकिस्तान ने । हालाँकि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों पर हमला नहीं किया। यह एक युद्ध था और पाकिस्तान युद्ध हार गया। ऐसा पहले भी साढ़े तीन बार हो चुका है, लेकिन अब कहना होगा कि यह ज्यादा प्रभावी और सटीक हमला था। मोदी की सटीक भविष्यवाणियां हैं जिसने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया । वास्तव में, यह युद्ध पारंपरिक अर्थों में नहीं था, बल्कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान को पाकिस्तान के नापाक इरादों को नष्ट करने के इरादे से सिखाया गया एक सबक था। पहलगाम में, पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पर्यटकों पर क्रूर हमले किए और उनमें से कई को उनके कपड़े उतारकर मार डाला। वे नहीं आए और उन्हें गोली मार दी गई। मोदी ने ठान लिया था कि इन आतंकियों को सबक सिखाएंगे और इसे लागू करेंगे। अगर इस जगह नेहरू या कांग्रेस की सरकार होती, तो वह विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला भेज रही होती। लेकिन यह मोदी और नेहरू या कांग्रेस के बीच एक गुणात्मक अंतर है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जानती है कि उसे क्या चाहिए और वह जानती भी है कि उसे क्या चाहिए। नतीजतन मोदी की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। लेकिन यहां मोदी की लोकप्रियता का कोई सवाल ही नहीं था। भारत की निर्दोष बहनों की हत्या का बदला लेना जरूरी था, जिन्होंने अपनी कुंवारी उम्र खो दी थी और मोदी ने यही किया। इसलिए, यह मोदी ही थे जिन्होंने इस ऑपरेशन को सही नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' दिया। विपक्ष अब भारत को ज्ञान सिखा रहा है कि भारत ने युद्ध क्यों नहीं किया और उसे पाकिस्तान को पूरी तरह से नष्ट कर देना चाहिए था। अगर ऐसा होता, तो वही विपक्ष कहता कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान के लोगों को मार दिया। इसलिए मोदी चुप रहे और उन्होंने अपना बदला भी दिया और महिलाओं को न्याय भी दिया। यह जानते हुए कि पाकिस्तान को पाकिस्तान की किसी भी गलती का शिकार नहीं होना चाहिए, मोदी ने अब पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया है। अगर लोग मारे गए होते, तो पाकिस्तान ने गंभीर शपथ ली होती। यह भौंरा होता। लेकिन अब उसके पास वह मौका नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह किया है। इस बीच मसूद अजहर के परिवार की हत्या कर दी गई है। यह मसूद अजहर वही है जिसने कंधार में विमान अपहरण मामले में भारतीयों को बंधक बनाकर रखा और उनकी सहिष्णुता का अंत देखा। उनके परिवार के नौ सदस्य मारे गए हैं, जबकि एक अन्य आतंकवादी अब्दुल रऊफ भी ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया है। यह युद्ध नहीं था, बल्कि पाकिस्तान को उसकी जबरदस्त आक्रामकता की सजा थी। आतंकवादी शायद यह सबक भूल गए होंगे। अब, यह भारत में कांग्रेस सरकार नहीं है, बल्कि मोदी की भाजपा की सरकार है और यह हमें थोड़ी सी गलती के लिए प्रायश्चित देती है। भारत को पाकिस्तान के युद्धविराम पर भरोसा नहीं है। पाकिस्तान को चेतावनी दी गई है कि अगर पाकिस्तान ने अब से कुछ भी गलत किया तो इसका मतलब होगा कि उसने भारत के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया है। इससे सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था पहले से ही हो चुकी है। मोदी ने सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था की है। इससे पाकिस्तान के नाक और मुंह में पानी चला गया है, जो पानी की कमी के कारण उसकी खेती को सुखा देगा। और कई आर्थिक उपाय किए गए हैं जो पाकिस्तान के जीवन को मुश्किल बना देंगे। गलत का एहसास करना जरूरी था और मोदी ने यह किया है। भारत ने इस ऑपरेशन में आतंकी कैंपों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया था। यह सफलता बहुत बड़ी है। भारत ने कहीं भी लोगों की रक्षा नहीं की है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने अपने ही लोगों को बचाकर भारतीय सेना पर हमला किया। लेकिन ये सभी हमले विफल रहे। अब पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखा दिया गया है कि वह कुछ सालों तक उससे मुंह नहीं मोड़ पाएगा। न सिर्फ पाकिस्तान की गतिविधियों पर रोक लगेगी, बल्कि भारत अब पहलगाम नरसंहार को अंजाम देने वाले आतंकियों को मारने पर ध्यान देगा। क्योंकि यह भारत का घाव है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी भाग गए हैं। जब तक उन्हें दंडित नहीं किया जाता तब तक भारत का बदला अपर्याप्त होगा। अब पाकिस्तान शांति की शिक्षाओं को याद कर रहा है। पाकिस्तान के दैनिक 'द डॉन' ने सलाह की खुराक दी है कि युद्ध कैसे गलत है। लेकिन किसने पहले शुरू किया और पाकिस्तान इतने लंबे समय से ऐसा ही कर रहा है। अब पाकिस्तान को भारत से वैसी ही या उससे भी कठोर प्रतिक्रिया मिल रही है। यदि आप शांति चाहते हैं, तो आपको मजबूत होना होगा। कमजोरों की पुकार पर कोई जवाब नहीं देता। भारत ने इसे साबित कर दिया है। हालांकि, पाकिस्तान ने बार-बार साबित किया है कि वह अभी भी नहीं सुधर रहा है। उसने संघर्ष विराम के बाद भी गोलीबारी जारी रखी है। पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र में आ रहा है और कई घरों को नुकसान पहुंचा है। कुछ जगहों पर लोगों की मौत भी हुई है। पाकिस्तान किसी भी सूरत में सुलह की बात नहीं समझता। वह बर्बादी की भाषा समझता है। अगर ऐसा होता है तो भारत अब उसी तरह से जवाब देगा। मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया है, लेकिन अगर पाकिस्तान इसे नहीं समझता है तो पाकिस्तान को व्यापक हमले की बात करनी पड़ेगी। पाकिस्तान का खनन कार्य अभी भी जारी है। अगर वो नहीं रुके तो भारत को आखिरी झटका भुगतना पड़ेगा। ये सच है कि दुनिया का कोई भी देश पाकिस्तान को नहीं बचा सकता। वैसे, डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे निस्वार्थ राष्ट्रपति हो सकते हैं जब यह अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की बात आती है। उन्हें देखना चाहिए उनके पसंदीदा शब्द हैं। फिर भी उन्होंने रूस और यूक्रेन के साथ-साथ इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम लाने के लिए पर्दे के सामने या पीछे से काम किया। उन्होंने शुरू में कहा था कि दोनों देश संघर्ष विराम की घोषणा से लगभग 48 घंटे पहले इसे जल्द से जल्द हल करेंगे₹। संघर्ष विराम की घोषणा सबसे पहले शनिवार शाम को की गई थी। असली अर्थ यह है कि वह पहली जगह में यह घोषणा कर रहा है। ट्रम्प के सभी कार्यों में नाटक है, जो यहां भी स्पष्ट था।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति वेंस युद्धविराम के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों, राज्य सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ निकट संपर्क में थे। सीएनएन और कई चैनलों ने बताया है कि उन्होंने अभी तक इनकार नहीं किया है कि उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गई है। ट्रंप परिणाम का श्रेय लेना चाहते थे। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि हमने उन्हें इसे लेने क्यों दिया। इजरायल-हमास, रूस-यूक्रेन संघर्ष अभी भी उग्र है। कम से कम भारत-पाकिस्तान के पहले कुछ घंटों में, संघर्ष विराम शाम 5 बजे से लागू हो गया, हमने शाम 6 बजे एक घोषणा की, लेकिन 7 बजे से हमारे पास जम्मू-काशीर और फिर पंजाब, राजस्थान, गुजरात के आसमान में पाकिस्तानी ड्रोन फिर से दिखाई दिए। जम्मू-कश्मीर बॉर्डर से भी पाकिस्तानी फायरिंग शुरू हो गई। हमें इस बात पर संदेह है कि क्या पाकिस्तान युद्धविराम के बारे में वास्तव में गंभीर है, और इस सभी भ्रम की व्याख्या करने से पहले, युद्धविराम पर भारत और पाकिस्तान की स्थिति की जांच करना आवश्यक है। भारत ने इसे उस तरह से नहीं किया है जिस तरह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रशंसा की है।

सत्य, भक्ति और संवाद के अग्रदूत देवर्षि नारद

योगेश कुमार गोयल

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 13 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है। जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी।

टेस्ट क्रिकेट में एक विराट विराम

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारतीय क्रिकेट के चमकते सितारे और आधुनिक क्रिकेट युग के महानतम बल्लेबाजों में शुमार विराट कोहली ने 12 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। ह घोषणा उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से की, जिसने न केवल भारतीय खेलजगत को चौंका दिया, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी एक भावनात्मक लहर दौड़ा दी। कोहली का टेस्ट क्रिकेट से जाना, क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक युग के अंत के समान है। वे टी 20 क्रिकेट से पहले ही सन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में 123 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 30 शानदार शतक और 31 अर्धशतक के माध्यम से 9230 रन बनाए। 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले विराट कोहली ने न केवल भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि टेस्ट क्रिकेट की गरिमा और गंभीरता को भी आधुनिक युग में बनाए रखा। विराट कोहली की टेस्ट यात्रा महज आंकड़ों की गाथा नहीं है, बल्कि यह जुनून, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व की एक प्रेरक कहानी है। जिस दौर में क्रिकेट का टी20 प्रारूप लोकप्रियता की ऊँचाइयों को छू रहा था, उस समय कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अपनी प्राथमिकता में रखा। उन्होंने साबित किया कि सफेद कपड़ों में भी क्रिकेट उतना ही भावनात्मक, चुनौतीपूर्ण और दर्शनीय हो सकता है जितना सीमित ओवरों के प्रारूप में। कोहली ने अपने बल्लेबाजी कौशल, फिटनेस, आक्रामक रुख और नेतृत्व क्षमता से टीम इंडिया को एक नई पहचान दी। 2014-15 में जब उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली, तब भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी। कोहली ने उस चुनौती को अवसर में बदलते हुए टीम इंडिया को आक्रामकता, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतीक बना दिया। उन्होंने विदेशी धरती पर जीत की जो भूख पैदा की, वह भारतीय क्रिकेट में एक क्रांतिकारी बदलाव था। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा, और घरेलू मैदान पर अपराजेय श्रृंखलाएं, ये सभी उनकी कप्तानी की उपलब्धियों की झलक मात्र हैं। कोहली ने न केवल एक बल्लेबाज के रूप में, बल्कि एक लीडर के रूप में टेस्ट क्रिकेट को अपनी पहचान दी। उन्होंने युवा खिलाड़ियों में जीत का जज्बा पैदा किया और टीम में फिटनेस और प्रोफेशनलिज़्म की नई संस्कृति विकसित की। 'यो-यो टेस्ट' के माध्यम से उन्होंने फिटनेस को चयन का मानक बनाया, जिसने भारतीय टीम की कार्यसंस्कृति को एकदम बदल दिया। इसके साथ ही उन्होंने 'पांच गेंदबाज़ी विकल्पों' की रणनीति अपनाकर टेस्ट मैचों को जीतने का आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया।विराट कोहली का बल्लेबाजी प्रदर्शन उनके कड़े संघर्ष और मानसिक दृढ़ता की मिसाल है। उनकी तकनीक क्लासिकल टेस्ट बल्लेबाजों जैसी नहीं थी, लेकिन उनकी इच्छा-शक्ति और प्रतिस्पर्धात्मकता उन्हें दूसरों से अलग बनाती थी। इंग्लैंड के खिलाफ 2014 में जब वे बुरी तरह फ्लॉप रहे थे, तब उन्हें खत्म मान लिया गया था। लेकिन उन्होंने 2018 में इंग्लैंड में ही अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब देते हुए शतक और बड़ी पारियों की झड़ी लगा दी। कोहली का यह पुनरुत्थान उनके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता थी, हार मानना उनके स्वभाव में नहीं था। टेस्ट क्रिकेट में कोहली के योगदान को केवल उनके शतकों या रनों के आधार पर आंकना गलत होगा। वे एक ऐसे खिलाड़ी रहे, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट के प्रति लोगों की धारणा को बदला। उन्होंने युवाओं के बीच यह संदेश दिया कि अगर क्रिकेट का कोई प्रारूप सबसे कठिन, सबसे सच्चा और सबसे सम्मानजनक है, तो वह टेस्ट क्रिकेट है। उन्होंने स्टेडियम में भीड़ को खींचा, दर्शकों को स्क्रीन से जोड़े रखा और टेस्ट मैचों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया। यह उपलब्धि किसी भी एक खिलाड़ी के लिए असाधारण मानी जाती है।

कोहली का संन्यास निश्चित रूप से भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका है। भले ही वे पिछले कुछ समय से टेस्ट मैचों में निरंतर नहीं खेले थे या कुछ समय के लिए ब्रेक पर थे, लेकिन उनके होने मात्र से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार होता था। कोहली मैदान पर केवल बल्लेबाज ही नहीं थे, वे रणनीतिकार, प्रेरणास्रोत और टीम के सबसे ऊर्जावान खिलाड़ी भी थे। उनकी गैरमौजूदगी टीम की मानसिकता और ऊर्जा को प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब विदेशी दौरों पर कठिन परिस्थितियां सामने हों। कोहली के संन्यास की टाइमिंग ने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने ऐसे समय पर यह फैसला लिया है जब भारत को आगामी महीनों में कई महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज खेलनी हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज शामिल हैं। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने की स्थिति में थे। उनकी फिटनेस, तकनीकी क्षमता और अनुभव आज भी दुनिया की किसी भी टीम के लिए अनमोल संपत्ति होती। हालांकि उनके व्यक्तिगत निर्णयों और प्राथमिकताओं का सम्मान करना जरूरी है, फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या उनका यह फैसला समय से पहले लिया गया? संन्यास की घोषणा के बाद कोहली ने एक भावनात्मक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने परिवार, कोच, साथी खिलाड़ियों, बीसीसीआई और करोड़ों फैन्स का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट ने उन्हें जीवन में अनुशासन, धैर्य और सम्मान सिखाया है और यह सफर हमेशा उनके दिल में रहेगा। इस वक्त उनका यह भावुक संदेश कई क्रिकेट प्रेमियों की आंखों को नम कर गया। कोहली की लोकप्रियता केवल उनके प्रदर्शन से नहीं, बल्कि उनके जज्बे, आत्मविश्वास और मैदान पर उनके जुनून से भी जुड़ी हुई है। कोहली का यह फैसला कई मायनों में भविष्य की पीढ़ी के लिए एक उदाहरण भी है। यह बताता है कि क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि एक यात्रा है, जिसमें खिलाड़ी अपने हिस्से की कहानी लिखते हैं और फिर समय आने पर मंच से विदा ले लेते हैं। कोहली ने इस विदाई को गरिमा के साथ स्वीकार किया और पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ी है, जो आने वाले वर्षों तक भारतीय क्रिकेट को दिशा देती रहेगी। क्रिकेट इतिहास में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो समय की सीमाओं से ऊपर उठ जाते हैं, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ जैसे महान खिलाड़ियों की श्रेणी में अब विराट कोहली का नाम भी स्थायी रूप से जुड़ गया है। उन्होंने अपने खेल और नेतृत्व से जो आदर्श स्थापित किए हैं, वे आने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा बने रहेंगे। भारतीय क्रिकेट को कोहली जैसा 'टेस्ट कप्तान' और 'विराट बल्लेबाज' शायद ही फिर जल्दी मिले। अब जबकि कोहली टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं, तो यह भी जरूरी है कि बीसीसीआई और चयनकर्ता उनकी जगह को भरने के लिए योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाएं। यह आसान काम नहीं होगा क्योंकि कोहली जैसी तीव्रता, अनुभव और करिश्मा शायद ही किसी अन्य खिलाड़ी में एकसाथ मिल पाना संभव हो।

स्मार्ट डिवाइसेज़ और मानसिक सुकून: क्या हम वास्तव में खुश हैं?

प्रो. आरके जैन

स्मार्ट डिवाइसेज़ की चमक ने हमारे जीवन को एक नई रोशनी से नहला दिया है। गूगल होम, एलेक्सा और सिरी जैसे यंत्र हमारे घरों में नहीं, बल्कि हमारे दिलों में बस गए हैं। एक आवाज़ के इशारे पर ये हमारे लिए गीत गाते हैं, खाना बनाने की विधियाँ सुझाते हैं, और यहाँ तक कि हमारी दिनचर्या को संवारते हैं। मगर इस तकनीकी जादू की चकाचौंध में एक गहरा सवाल छिपा है, जो हमारे मन के कोनों को झकझोरता है—क्या ये यंत्र, जो हमारी ज़िंदगी को सरल बनाते हैं, हमारे मानसिक स्वास्थ्य को चुपके से प्रभावित कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारे युग की सबसे ज़रूरी और अनछुई बहस का आह्वान है।

आज स्मार्ट डिवाइसेज़ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का ऐसा हिस्सा बन चुके हैं कि उनके बिना समय अधूरा-सा लगता है। ये यंत्र तुरंत जानकारी देते हैं, घरेलू कार्यों को स्वचालित करते हैं, और हमें मनोरंजन के अनगिनत रास्ते खोलते हैं। मगर क्या हमने कभी सोचा कि इनके निरंतर उपयोग का हमारे मन पर क्या असर पड़ रहा है? एक ओर, ये डिवाइसेज़ तनाव से राहत दे सकते हैं। जब हम अकेलेपन में डूबे होते हैं और किसी से बात करने का मन नहीं करता, तो हम अपने स्मार्ट स्पीकर से संवाद करते हैं। ये उपकरण हमें तुरंत जवाब देते हैं, जिससे हमें क्षणिक सुकून मिलता है। कुछ अध्ययनों का दावा है कि ऐसे यंत्रों से बातचीत एकाकीपन को कम कर सकती है, खासकर उन लोगों में जो सामाजिक रूप से कटे हुए हैं। मगर क्या यह सुकून सच्चा है? इन डिवाइसेज़ के साथ संवाद करते समय हम एक कृत्रिम भावनात्मक रिश्ता जोड़ लेते हैं। हम उन्हें केवल मशीन नहीं, बल्कि एक सहायक या साथी मानने लगते हैं। यह रिश्ता हमें तात्कालिक राहत देता है, मगर लंबे समय में यह हमें वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर ले जाता है। हम दोस्तों या परिवार से बात करने के बजाय अपने स्मार्ट डिवाइस से सवाल पूछना ज़्यादा आसान समझते हैं। यह प्रवृत्ति सामाजिक दूरी को बढ़ाती है और एकाकीपन को और गहरा करती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि मानवीय संपर्क—चाहे वह आमने-सामने हो या दूरभाष पर—हमारे मानसिक कल्याण की रीढ़ है। स्मार्ट डिवाइसेज़, चाहे कितने भी बुद्धिमान हों, इस संपर्क की गहराई और भावनात्मक तृप्ति नहीं दे सकते। इसके साथ ही, स्मार्ट डिवाइसेज़ का अत्यधिक उपयोग हमारी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को कमज़ोर कर सकता है। जब हर सवाल का जवाब एक आवाज़ के आदेश पर उपलब्ध हो, तो हम खुद सोचने और समस्याएँ हल करने की कला भूलने लगते हैं। यह खासकर बच्चों और युवाओं के लिए खतरनाक है, जिनका मस्तिष्क अभी विकसित हो रहा है। यदि वे हर जानकारी के लिए स्मार्ट डिवाइसेज़ पर निर्भर रहेंगे, तो उनकी संज्ञानात्मक क्षमताएँ सिकुड़ सकती हैं। उदाहरण के लिए, पहले लोग नक्शे पढ़कर रास्ता ढूंढते थे, जिससे उनकी स्थानिक बुद्धि पुष्ट होती थी। आज हम जीपीएस और स्मार्ट डिवाइसेज़ के भरोसे हैं, जिससे यह क्षमता धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। स्मार्ट डिवाइसेज़ हमारी गोपनीयता को भी खतरे में डालते हैं, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालता है। ये यंत्र हमारी बातचीत को रिकॉर्ड करते हैं और हमारी रुचियों का विश्लेषण करते हैं। कई लोगों को यह डर सताता है कि उनकी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ सकती है। यह चिंता तनाव और अविश्वास को जन्म देती है, जो हमारे मन की शांति को भंग करती है। हालाँकि कंपनियाँ डेटा सुरक्षा का दावा करती हैं, मगर डेटा उल्लंघन की घटनाएँ इस विश्वास को कमज़ोर करती हैं। दूसरी ओर, स्मार्ट डिवाइसेज़ कुछ मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी हो सकते हैं। कई स्मार्ट स्पीकर्स में ध्यान और माइंडफुलनेस के लिए गाइडेड सत्र उपलब्ध हैं, जो तनाव प्रबंधन और नींद में सुधार में सहायक हैं। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े ऐप्स और सेवाएँ, जो इन डिवाइसेज़ के ज़रिए मिलती हैं, उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती हैं जो पेशेवर मदद लेने से हिचकते हैं। मगर यहाँ संतुलन की ज़रूरत है। इन सुविधाओं को सहायक के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए, न कि मानवीय संपर्क या चिकित्सा का विकल्प बनाना चाहिए। स्मार्ट डिवाइसेज़ का प्रभाव हमारी जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यदि हम इनका उपयोग जागरूकता और संयम के साथ करें, तो ये हमारे जीवन को समृद्ध बना सकते हैं। मगर अगर हम इन पर अंधाधुंध निर्भर हो जाएँ, तो ये हमारी भावनात्मक और संज्ञानात्मक शक्तियों को कमज़ोर कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि तकनीक हमारी सेवक है, न कि हमारी स्वामिनी। अपने मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए, हमें वास्तविक दुनिया से जुड़े रहना होगा—चाहे वह प्रकृति की गोद में समय बिताना हो, अपनों से दिल की बातें साझा करना हो, या स्वतंत्र रूप से चिंतन करना हो।

नाम एक .. काम दो

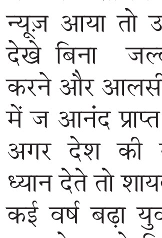

डॉ टी महादेव राव

क्यों छोटू! बैठे बैठे अरस्तु की तरह गाल के नीचे हाथ धरे गहनता से क्या सोच रहा है? क्या फिर से संन्यास लेने की सोच रहा है ममता कुलकर्णी की तरह? या रूपा से अच्छी खासी संसद जैसा हंगामा भरा झगड़ा हो गया? बॉस का हेडेक तो नहीं? वैसे हम लोग बैठे बैठे सोचने में, कोई फेक न्यूज आया तो उसे आगा पीछा देखे बिना जल्दी से फॉरवर्ड करने और आलसी जैसे पड़े रहने में ज आनंद प्राप्त करते हैं उतना अगर देश की समस्याओं पर ध्यान देते तो शायद विकास आज कई वर्ष बढ़ा युवक होता। खैर सुनाओ अपने दिमाग की दही। भैया। यह सब नहीं। मैं आजकल लोकल से हटकर नेशनल सोचने लगा हूं। आजकल विकास, बदलाव, परिवर्तन, नवोन्मेष के चर्चे महंगाई के बाद ज्यादा लोकप्रिय विषय हो गए हैं। इसी के बारे में चिंतन कर रहा था। क्या क्या और कितना बदलेगा छोटू? आजादी को सड़सठ साल आगे का मान रहे हो। क्या आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में बड़े भैया को घोषित करने का इरादा तो नहीं? भैया! मैं सोचता हूं पद्म पुरस्कार अजी वही पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्मविभूषण को 1954 में शुरू किया गया था यानी 2014 में नहीं। होंगे भी कैसे? हमने नया और नवीन के नाम पर न पुरस्कार घोषित किए हैं और न नए क्षेत्रों की तरफ झाँका है। लल्लू को उल्लू और निठल्लू जैसे नाम देकर अपने कर्तव्य के इतिश्री कर ली है। तथाकथित स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी के बाद नहीं। तो मेरा ख्याल है भैया! जिस तरह कई स्थानों, नगरों, स्टेडियमों और पुरस्कारों के नाम हमने अपनी खुशी और आत्मन्यूनता के चलते बदल लिए हैं, उसी तरह इन पद्म पुरस्कारों के नाम भी बदले जाएं तो पुरस्कारों में ताजगी और नवोन्मेष का भरपूर आनंद आएगा भैया! तुम्हें तो छोटू! संसद में अग्रिम पंक्ति में बैठाया जाना चाहिए केंद्र मंत्री बनाकर। भारतीय वर्तमान मानसिकता वाली परंपरा के तुम अग्रणी नागरिक बनते जा रहे हो। समझ और सोच अच्छी जा रही हैं। लेकिन प्रश्न यह कि इन पुरस्कारों का नाम स्टेडियम के बदले नाम की तरह बड़े भैया के नाम पर तो नहीं रखने की सोच रहे हो? जमेगा नहीं। आजकल अपने संसद के दोनों पक्षों के नेताओं की तरह आप बड़े बेसब्र हुए जा रहे हो। थोड़ा सब्र करें। बताता हूं मैं अपनी सोच, फिर आप अपनी विशेषज्ञता भरी पोस्टमार्टम वाली टिप्पणियां दीजिए। लो। चुप हो गया छोटू ज्ञानी! बोलो। पद्म मतलब जलज, नीरज, पंकज, सरोज, अंबुज, नलिन, उत्पल, पुंडरीक, कुवलय, राजीव, शतदल, सारंग, शतपत्र, इंदीवर, सरसिज, अब्ज आदि हैं जो कि उतने उपयुक्त और लोकप्रिय नहीं होंगे।

महाभारत: वो सुंदरी जिसने बाबा पर डोरे डाले और पोते अर्जुन पर भी, किससे रचाई थी शादी

महाभारत में एक सुंदरी थी, जो उम्र की सीमा से बंधी नहीं थी। वह सदाबहार जवां, हसीं और बला की खूबसूरत थी। बड़े बड़े ऋषि उसे देखकर डोल जाते थे। उसका दिल जबरदस्त तरीके से अर्जुन पर आया। यही सुंदरी महान धनुर्धर अर्जुन के बाबा के महल में भी उन्हें रिझाने जा पहुंची थी। मजे की बात ये भी है कि इसी सुंदरी ने पांडवों – कौरवों के वंश में एक राजा से शादी भी की थी। एक बेटा भी पैदा किया था।

आप सोच रहे होंगे कि ये सुंदरी कौन थी, जो पीढ़ियां गुजरने के बाद भी ना केवल हसीं और जवां बनी रही बल्कि जिसकी कातिल अदाएं हर दौर में बिजलियां गिराती थीं। जब वह नृत्य करती थी तो लोग मुग्ध होकर देखते रह जाते थे। बड़े बड़े राजा और देवता उसके प्रेम में पागल थे लेकिन उसने सबके प्रेम निवेदन को खारिज कर दिया।

स्वर्ग की सभा में जब अप्सराएं नृत्य करतीं, तो उनमें सबसे अनूठी थी वह। उसके सौंदर्य की तुलना चंद्रमा की शीतलता और सूरज की तेजस्विता से की जाती थी। उसकी चाल, आंखों की मादकता, उसकी मुस्कान से देवता क्या हर कोई मोहित हो जाता था।

जिन पर मोहित हुई, उन्होंने ठुकराया

उसने कभी नहीं सोचा कि महाभारत के जिन दो दिग्गजों पर वह मोहित हो गई है, वो उसको ठुकरा देंगे। एक बार वह गुस्से में पागल होकर अर्जुन को श्राप भी दे डाला। हालांकि फिर इस शाप को उसने हल्का किया। अब क्या आप अंदाज लगा पा रहे हैं कि वो सुंदरी कौन है। कौन थे अर्जुन के वो बाबा, जिनके प्यार में भी वह पागल हो गई थी।

किससे रचाई शादी

इस सुंदरी ने महाभारत के किस प्रतापी राजा से प्रेम करके उनसे शादी रचाई थी। एक बेटा भी पैदा किया था। अब हम बताते हैं कि ये सुंदरी एक अप्सरा थी, जिसका नाम था उर्वशी। देवराज इंद्र के दरबार की सबसे प्रमुख अप्सरा। ब्रह्मा जी ने अप्सराओं की रचना की थी, जो स्वर्ग में देवराज इंद्र की सभा में नृत्य और गायन करती थीं।

कैसे हुआ था उसका जन्म

पौराणिक कथा कहती है कि नारायण और नरा ऋषि बद्रीनाथ में घोर तपस्या कर रहे थे। उनकी तपस्था को तोड़ने के लिए इंद्र ने कुछ अप्सराएं भेजीं। नारायण ने ध्यान भंग नहीं होने दिया बल्कि अपनी जांघ (उरु) से एक स्त्री उत्पन्न कर दी, यही उर्वशी कहलाई। उर्वशी का अर्थ है 'उरु' (जांघ) से उत्पन्न हुई स्त्री।

अर्जुन पर कैसे मोहित हुई और प्यार कर बैठी

जब अर्जुन स्वर्ग में इंद्र से दिव्य अस्त्र-शस्त्र प्राप्त करने के लिए इंद्रलोक गए, तो उर्वशी ने उन पर मोहित हो गई। उनके पास जा पहुंची। उनसे प्रेम निवेदन करने लगी। अर्जुन ने उर्वशी को 'माता तुल्य' कहकर इंकार कर दिया, क्योंकि वह उनके वंश के पूर्व राजा की संगिनी रही थीं। इससे उर्वशी ने खुद को अपमानित फील किया। तब उसने क्रोधित होकर अर्जुन को नपुंसकता का शाप दे दिया। हालांकि बाद में इस शाप को उसने एक साल के लिए सीमित किया, जिससे अर्जुन का भला ही हुआ।

क्योंकि अर्जुन ने इस शाप का उपयोग वनवास के दौरान एक वर्ष के अज्ञातवास में किया। तब वह बृहन्नला बनकर विराट प्रदेश के राजा की बेटी उत्तरा को नृत्य सिखाने लगे।

तब इस पुरुष ने भी प्रेम निवेदन ठुकरा दिया

क्या आपको अंदाज है कि अर्जुन के कौन से बाबा को उर्वशी ने रिझाने की कोशिश की थी। उनके महल तक पहुंच गई थी लेकिन वहां भी उसकी दाल नहीं गली। वो भीष्म थे, जिन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का प्रण लिया हुआ था। भीष्म के महल में पहुंचकर उर्वशी ने तरह तरह से उनके ऊपर डोरे डाले। अदाओं की बिजलियां चलाईं लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। अपने ब्रह्मचर्य व्रत के उन्होंने बहुत विनम्रता से उर्वशी को ठुकरा दिया।

आज ज्येष्ठ का पहला बड़ा मंगल, कर लें ये 4 उपाय

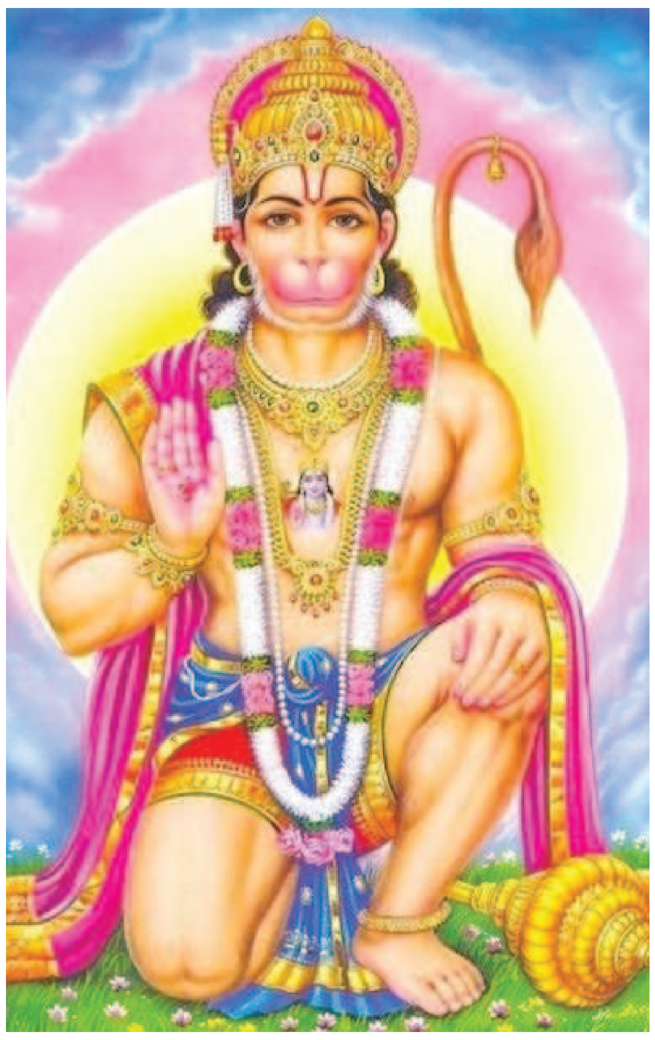

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ माह को सबसे बड़ा महीना माना गया है। इसलिए इसका नाम ज्येष्ठ यानी बड़ा है। वहीं, ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार को भी बेहद शुभ माना जाता है। महीने में पड़ने वाले प्रत्येक मंगल पर हनुमानजी की उपासना परम पुण्यकारी बताई गई है। इस महीने आने वाले प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है। मान्यता है कि ज्येष्ठ के मंगलवार को ही भगवान राम से हनुमानजी की मुलाकात हुई थी। भक्त और भगवान के इसी मिलन की तिथि को उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा है। यह परंपरा त्रेतायुग से जुड़ी हुई है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज ने बताया कि बड़ा मंगल 13 मई यानी कल से शुरू हो रहे हैं। बड़ा मंगल पर कुछ उपाय करने से घर में बरकत होती है। जानें सब...

बड़े मंगल का महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, ज्येष्ठ माह में मंगलवार के दिन भगवान श्रीराम और हनुमान जी का मिलन हुआ था। इसी वजह से ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार के दौरान प्रभु राम अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूर्ण करते हैं।

हनुमान चालीसा: बुढ़वा मंगल के दिन बजरंगबली की कृपा पाने के लिए लाल रंग के आसन पर बैठकर हनुमान चालीसा का 7 बार पाठ करें। मान्यता है कि इससे हनुमानजी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

घी का दान: बड़ा मंगल के दिन घी का दान करने से कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलती है। धन-दौलत में कभी कमी नहीं होती है। इसके अलावा यह उपाय जॉब-बिजनेस में सफलता के लिए भी कारगर होता है।

इससे नौकरी या व्यापार में बनेगा कामरः बहुत प्रयास के बाद भी आपको नौकरी और व्यापार में तरक्की नहीं मिल रही तो पहले बड़े मंगल पर हनुमानजी की पूजा करें और पान का बीड़ा उन्हें अर्पित करें। व्यापार में वृद्धि के लिए हनुमानजी की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें बेसन या बूंदी के लड्डू का भोग अर्पित करें। इससे परेशनी दूर होगी।

सुंदरकांड का पाठ, गुड़ का दान: बड़े मंगल से मंगलवार का व्रत शुरू करें और नियमित रूप से सुंदरकांड का पाठ करें। बड़े मंगल के दिन गुड़ का दान करने से हनुमानजी की विशेष कृपा मिलती है। मन शांत रहता है, साथ ही व्यापार में भी आर्थिक वृद्धि भी होगी।

जेठ महीने में तुलसी पौधा सूख जाए तो क्या करें?

हिंदू धर्म में तुलसी का बेहद खास महत्व है। तुलसी को साक्षात माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि जो जातक तुलसी की पूजा करते हैं, उनके घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। साथ ही घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। हालांकि, माह के अनुसार तुलसी पूजा का विधान भी बदलता है। वैशाख माह खत्म होने को है और इसी के बाद ज्येष्ठ माह की शुरुआत होगी। इस महीने में भीषण गर्मी के कारण तुलसी सूख जाती हैं। ऐसे में उनके पूजन का विधान भी बदल जाता है। देवघर के आचार्य ने बताया कि जेठ में तुलसी पूजन से कैसे लक्ष्मी की कृपा पाई जा सकती है।

ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित इसके साथ ही 13 मई से जेठ महीने की शुरुआत होने जा रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार, जेठ सबसे बड़ा महीना है। इस महीने में गंगा दशहरा, वट सावित्री व्रत और बड़ा मंगला जैसे प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। वहीं, जेठ महीने में तुलसी पूजन का भी विशेष महत्व है। क्योंकि, इस महीने में तुलसी का पेड़ सूख जाता है। उस सूखे पेड़ की जड़ से कुछ खास उपाय कर सकते हैं। इससे माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होंगी और घर में हमेशा धन की वर्षा करेंगी।

जेठ माह में ऐसे करें पूजा

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि जेठ महीने में हर रोज तुलसी के पौधे में जल अर्पण अवश्य करना चाहिए। उस जल में दूध मिला लें। लाल चुनरी अवश्य अर्पण करें। साथ ही, हर संध्या का दीपक तुलसी पेड़ के नीचे जरूर जलाएं। इससे माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती हैं। घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं, जेठ महीने में अगर तुलसी के पेड़ सूख जाते हैं तो उसकी जड़ को एक पीले कपड़े में बांधकर अपने घर के मुख्य द्वार पर लटका दें। इससे हमेशा घर में लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

जीवन में हर कदम पर हमें मार्गदर्शक चाहिए और वह हमारा गुरु हो सकता है

हमें अध्यात्म की यात्रा से आनंद, ऊर्जा, शक्ति और सामर्थ्य मिलता है। इस यात्रा के लिए कोई मार्गदर्शक चाहिए, जो हमें बता सके कि हमारी यात्रा सही दिशा में और सही गति के साथ आगे बढ़ रही है या नहीं। मार्गदर्शक बताता है कि कोई प्रलोभन हमारी यात्रा को बाधित तो नहीं कर रहा है। जीवन में हर कदम पर, हम कहीं भी जाएं, हमें मार्गदर्शक चाहिए, दिशाबोधक चाहिए और वह हमारा गुरु हो सकता है।

पारिवारिक शांति और सुख के लिए अपनाएं ये वास्तु उपाय

वास्तु शास्त्र न केवल घर की सजावट और निर्माण से जुड़ा है, बल्कि यह हमारे परिवार के सदस्यों के बीच शांति, समृद्धि और प्रेम को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घर में वास्तु दोषों के कारण कभी-कभी पारिवारिक कलह और तनाव उत्पन्न हो जाता है, जिससे रिश्तों में दरार और अशांति का माहौल बन सकता है। ऐसे में कुछ सरल और प्रभावी वास्तु उपायों को अपनाकर हम अपने घर में शांति और खुशहाली ला सकते हैं। इस लेख में हम साझा करेंगे कुछ खास वास्तु टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं और पारिवारिक संबंधों को बेहतर बना सकते हैं।

वास्तु शास्त्र के महत्वपूर्ण उपाय:

अग्नि कोण में शौचालय का होना:

वास्तु के अनुसार, यदि घर के अग्नि कोण (दक्षिण-पूर्व) में शौचालय है, तो यह न केवल घर में नकारात्मक ऊर्जा को जन्म देता है, बल्कि परिवार के बीच तनाव और विवादों का कारण बनता है। इस दोष को दूर करने के लिए शौचालय को स्थानांतरित करना चाहिए, या फिर किसी वास्तु विशेषज्ञ से उपाय करवाने चाहिए।

मुख्य द्वार का गलत स्थान:

घर का मुख्य द्वार यदि नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम) कोण में हो, तो यह एक अशुभ संकेत है। ऐसे घरों में रहने वाले लोग अक्सर मानसिक तनाव और दुख का सामना करते हैं। इस दिशा में द्वार नहीं होना चाहिए।

कमरे का रंग:

सोने के कमरे में नारंगी रंग का प्रयोग वास्तु के अनुसार शुभ नहीं माना जाता। यह रंग घर में अशांति और असंतुलन ला सकता है। बेहतर होगा कि इसे हल्का क्रीम या आसमानी रंग में बदला जाए, जिससे घर में शांति और सुख बढ़े।

लिविंग रूम में फर्नीचर का सही स्थान:

लिविंग रूम में फर्नीचर को इस तरह से व्यवस्थित करना चाहिए कि परिवार के सदस्य एकसाथ बैठ सकें और संवाद कर सकें। खासतौर पर उत्तर-पूर्व दिशा में बैठने से पारिवारिक प्रेम और समझ बढ़ती है।

मुख्य द्वार की सफाई:

घर के मुख्य द्वार को हमेशा स्वच्छ और साफ रखना चाहिए। द्वार के सामने किसी प्रकार का अवरोध नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। साथ ही, नेम प्लेट और शुभ चिन्ह लगाने से घर में खुशियों का वास होता है।

इन सरल वास्तु उपायों को अपनाकर आप अपने घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना सकते हैं, जिससे पारिवारिक जीवन में सामंजस्य और प्रेम बढ़ेगा।

नारद जयंती : पत्रकारिता के आदर्शों की पुनर्स्थापना का पर्व

सुरेश गांधी

हाथों में वीणा लिए जब कोई नारायण-नारायण के शब्द निकालता है तो तुरंत ही देवर्षि नारद की छवि लोगों के मन में उभर आती है। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करते हुए एक लोक के समाचार दूसरे लोक में पहुंचाते थे, इसीलिए नारद जी को आदि पत्रकार भी कहा जाता है। प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा के दिन 14 मई को उनकी जयंती मनाई जायेगी। शास्त्रों की मानें तो देवर्षि नारद जी को ब्रह्मा जी के सात मानस पुत्रों में से एक माना गया है। वह जगत के पालनहार भगवान विष्णु के परम भक्त थे। उनको तीनों लोकों में वायु मार्ग के द्वारा आने जाने का वरदान मिला हुआ था। इसलिए वह विष्णु जी की महिमा का बखान तीन लोकों में किया करते थे। इसी कारण उन्हें तीनों लोकों को खबर रहती थी। यही वजह है कि उन्हें सृष्टि का पहला पत्रकार भी माना जाता है। उन्होंने कठिन तपस्या के द्वारा ब्रह्मर्षि पद प्राप्त किया था। वे न केवल देवताओं और असुरों के बीच संवाद स्थापित करते थे, बल्कि तीनों लोकों में घूमकर सूचना के आदान-प्रदान का कार्य करते थे।

इसीलिए उन्हें ब्रह्मांड का संदेशवाहक भी कहा जाता है। उनका उद्देश्य केवल समाचार देना नहीं था, बल्कि सत्य को उजागर कर समाज में संतुलन और चेतना बनाए रखना था। नारद जयंती केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि पत्रकारिता के धर्म की स्मृति है। अगर पत्रकार नारद मुनि के आदर्शों को अपनाएं, तो वे समाज को न केवल सूचित करेंगे, बल्कि जागृत और सशक्त भी बनाएंगे। कहते है इस दिन आप अगर दान-पुण्य करते हैं तो आपको इसका विशेष लाभ आपको प्राप्त होगा। माना जाता है इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना फलदायी होता है। साथ ही इस दिन जरूरतमंदों को दान-दक्षिणा भी करना चाहिए, इसे इससे जीवन में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है। मान्यता है कि नारद जयंती के दिन देवर्षि नारद जी आराधना करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और जीवन सदैव सुखमय रहता है। मान्यता है कि नारद जयंती पर भगवान नारद की पूजा करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं चेतना प्रवाह' के प्रबंध संपादक एवं 'प्रांत जागरण पत्रिका, प्रमुख' नागेन्द्र द्विवेदी ने नारद जयंजी की पूर्व संध्या पर सीनियर पत्रकार सुरेश गांधी से बातचीत के दौरान वर्तमान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में कहा कि पत्रकार का काम केवल समाचार देना नहीं, बल्कि लोकमत का निर्माण भी करना है। सत्ता से सवाल पूछना और जनता की समस्याओं को उजागर करना पत्रकारों की नैतिक जिम्मेदारी है। जब समाज में अज्ञान, अराजकता और अन्याय फैलता है, तब पत्रकार की कलम मशाल बनकर सच्चाई का रास्ता दिखाती है। नारद जयंती हमें यह अवसर देती है कि हम पत्रकारिता के मूल मूल्यों पर विचार करें - सत्य, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर गहन मंत्रणा करें। इस दिन पत्रकारों को न केवल अपने कार्यों की समीक्षा करनी चाहिए, बल्कि यह भी संकल्प लेना चाहिए कि वे सूचना को एक सशक्त औजार के रूप में समाज के कल्याण के लिए प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आज जब सूचना का संसार चौबीसों घंटे सक्रिय है, तब पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। आज के संदर्भ में यदि हम पत्रकारों की भूमिका की बात करें, तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण हो गई है। पत्रकार केवल समाचार देने वाला नहीं, बल्कि समाज का दिशा निर्देशक, जनता की आवाज, और लोकतंत्र का प्रहरी होता है। पत्रकार का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि जागरूकता फैलाना और सत्य की खोज करना भी है। सही अर्थों में पत्रकार ही वह सेतु है, जो जनता और सत्ता के बीच संवाद स्थापित करता है। परंतु साथ ही यह भी स्वीकार करना होगा कि आज पत्रकारिता कई चुनौतियों से घिरी हुई है। फेक न्यूज़, पेड न्यूज़, टीआरपी की होड़, और कई बार सच्चाई को दबाने का दबाव। ऐसे में देवर्षि नारद का आदर्श हमें यह सिखाता है कि संवाद का आधार सत्य, निष्पक्षता और लोकहित होना चाहिए।

नागेन्द्रजी ने कहा पत्रकारिता को केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि धर्म, सेवा और सत्य के प्रचार का माध्यम बनाएंगे। हम बिना भय के, बिना पक्षपात के, समाज को सच्चाई से अवगत कराते रहेंगे। पत्रकारिता का धर्म वही है, जो नारद मुनि का था। निडर संवाद, सत्य का संचार और समाज का जागरण। उनकी संवाद शैली में तथ्य, स्पष्टता, और उद्देश्यपरकता प्रमुख थी। नारद जयंती पत्रकारों को रचनात्मक आलोचना और समाज के कल्याण हेतु संवाद करने की प्रेरणा मिलती है। नारद जयंती पर इन चुनौतियों पर मंथन कर पत्रकारिता को सत्य, सेवा और समाज के मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है। पत्रकारों को चाहिए कि वे बिना किसी भय या पक्षपात के, निर्भीक और सत्य पर आधारित पत्रकारिता करें। नागेन्द्रजी ने कहा, देवर्षि नारद जी आद्य पत्रकार थे, नारायण- नारायण का जाप करते थे, लेकिन उन्होंने कभी अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया,। देवर्षि नारद जी वैश्विक पत्रकार थे। नारायण नारायण उनकी टेग लाइन थी। हमे संचार का निर्वहन और वाणी का संयम नारद जी ने सीखना चाहिए। नारद भक्ति सूत्र से सीखने की जरूरत है। अफसोस है कि आज के पत्रकार खबरों में खुद पार्टी बन जाते हैं। इससे पत्रकारिता दूषित हो गई है। जबकि नारद ने कभी सत्य से समझौता नहीं किया। पत्रकारों की ताकत पाठकों का भरोसा है।

नागेन्द्रजी ने कहा, देश-काल-परिस्थिति और समाज के प्रति सकारात्मक भाव रखते हुए सत्यनिष्ठ उत्तरदायित्वपूर्ण पत्रकारिता आज कह की जरूरत है। देवर्षि नारद मूलतः त्रिलोक के पत्रकार थे। वे लोकहित में कार्य करते थे। मौजूदा दौर की अनेक चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प शक्ति से इस पेशे में हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर जुटे रहें, यही आज की आवश्यकता है। तटस्थ होकर सत्य के साथ खड़े रहना ही पत्रकारिता का मूल मंत्र है। पत्रकार बनना आसान है पर बने रहना मुश्किल हैं। एक उदाहरण देकर उन्होंने कहाकि, 'जूते के अंदर का कंकड़' ही पत्रकारों की चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डॉक्टर व्यक्ति के जीवन की रक्षा करता है, उसी तरह से पत्रकार समाज को नया रूप देता है। उन्होंने पत्रकारों से देश को सही दिशा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की अनेक समस्याओं के निराकरण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने काम को करते हुए पत्रकारों के सामने कई कठिन परिस्थितियां आती हैं, लेकिन कलम के सिपाही अपने कर्तव्य पथ से कभी विमुख नहीं होते।

शाहरुख के प्रोडक्शन हाउस की कर्मचारी के परिवार को 62 लाख का मुआवजा, हाईकोर्ट ने दी मंजूरी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेता शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस की एक कर्मचारी के परिवार को दिए गए 62 लाख रुपये को बरकरार रखा। वह हिट-एंड-रन में घायल हो गई थीं, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। पीठ ने न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती देने वाली चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सही मुआवजा मिलना मुश्किल है, लेकिन उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

क्या कहा पीठ ने?

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और अद्वैत सेठना की पीठ ने 9 मई को कहा कि उसे ट्रिब्यूनल द्वारा नवंबर 2020 में पारित आदेश में कोई अनियमितता नहीं मिली और पीठ ने इसे रद्द करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम एक लाभकारी कानून है। अदालत अनुच्छेद 21 के तहत नागरिक को दिए गए मौलिक अधिकार की अनदेखी नहीं कर सकती, जिसमें सम्मान के साथ स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए, हाईकोर्ट ने कहा कि पैसा जान के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता, लेकिन मुआवजा देने का प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे पैसे से हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

उचित मुआवजा मिलना चाहिए

कोर्ट ने आगे कहा, 'सही मुआवजा मिलना मुश्किल है, लेकिन उचित मुआवजा आदर्श होना चाहिए।' अदालत ने कहा कि न्याय के उद्देश्य को पूरा करने के लिए कम से कम इतना तो किया ही जा सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की एनिमेटर चारू खंडाल के परिवार को 62 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।

'रा-वन' का हिस्सा थीं चारू

शाहरुख खान की फिल्म 'रा-वन' में वीएफएक्स पर काम करने वाली चारू खंडाल की मृत्यु साल 2017 में हुई थी। पांच साल पहले एक तेज रफ्तार कार की टक्कर में लकवाग्रस्त होने के बाद उनकी मृत्यु हो गई थी। चारू खंडाल 28 साल की थीं, जब वह अपनी टीम को फिल्म के लिए पुरस्कार जीतने का जश्न मनाने के लिए एक पार्टी से लौट रही थीं।

दुर्घटना के बाद खंडाल के परिवार ने जून 2014 में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के समक्ष मुआवजे के लिए दावा दायर किया था। इसके बाद न्यायाधिकरण ने नवंबर 2020 में 62 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। जिसे लेकर बीमा कंपनी ने दावा किया था कि उनकी मौत सेप्टीसीमिया की वजह से हुआ था, जिसे कोर्ट ने मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि खंडाल के परिवार को चिकित्सा बिलों में 18 लाख रुपये का खर्च आया था।

प्रियंका चोपड़ा ने सैफ अली खान के लाडले को दी क्या सलाह? इब्राहिम ने किया खुलासा

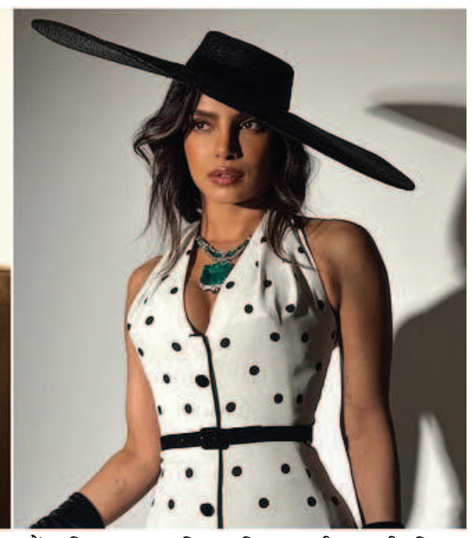

फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले एक्टर इब्राहिम अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के बाद इब्राहिम को मिले-जुले रिएक्शन्स मिले। इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकारों ने इब्राहिम को सलाह दी। ऐसा ही एक संदेश ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा की तरफ से भी सैफ के लाडले को मिला। इब्राहिम ने अब एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया है।

इब्राहिम को प्रियंका चोपड़ा की सलाह

एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए इब्राहिम ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म देखने के बाद उन्हें एक मैसेज भेजा। इब्राहिम ने कहा, 'प्रियंका ने मैसेज भेजा कि उन्हें मेरी फिल्म पसंद आई है और मेरा भविष्य काफी ब्राइट है।' आगे बात करते हुए इब्राहिम ने कहा, 'उन्होंने मुझे कहा कि बस ऐसे ही मेहनत करते रहो और हमेशा ऐसे ही आगे बढ़ते रहना। प्रियंका जैसी सुपरस्टार से ये बात सुनना मेरे लिए काफी प्रेरणादायक था। इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला।'

एक्टिंग को करियर क्यों चुना?

इस इंटरव्यू में इब्राहिम ने बताया कि उन्हें बहुत कम उम्र से ही फिल्मों की दुनिया को करीब से देखा है। वो अक्सर अपने पिता के साथ सेट पर जाया करते थे और वहीं से उनके दिल में अभिनय का बीज पड़ा।

हालांकि, एक्टिंग को करियर के रूप में लेने का फैसला उन्होंने खुद की इच्छा से लिया और इस पर कोई बाहरी दबाव नहीं था।

'नादानियां' इब्राहिम ने की बात

फिल्म 'नादानियां' के प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी पहली फिल्म वैसी नहीं निकली जैसी वह चाहते थे। उन्होंने कहा, "मैं इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा हूं और अपने प्रदर्शन को लेकर ईमानदार हूं। मैं अपनी गलतियों को सुधारने और आगे बेहतर करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं।'

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

बोलीं- 'मुझमें नहीं थी आगे बढ़ने की हिम्मत'

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनेत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, "मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।"

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया'

सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, "मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए, कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।"

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेलः हनी बनी' में देखा गया था।

इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

मौनी को लुक पर झेलनी पड़ी ट्रोलिंग

फैंस बोले- प्लास्टिक क्यों पहना-क्या उर्फी ने किया डिजाइन

मौनी रॉय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द भूतनी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच मौनी ने अपना लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे लेकर उन्हें अब ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। नेटिजेंस लगातार मौनी से सवाल कर रहे हैं और पूछ रहे हैं। एक नेटिजेन ने कहा- ओवर एक्टिंग की दुकान, तो किसी ने कहा उर्फी ने डिजाइन किया है क्या?, तो किसी ने कहा यह प्लास्टिक बैग क्यों पहना है।

मौनी रॉय का इंस्टाग्राम पोस्ट

मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम पर ग्रीन

रंग की शाइनिंग सिंगल ड्रेस में अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया है, जिसमें वह पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी का लुक उनके फैंस को पसंद आ रहा है, लेकिन यह लुक नेटिजेंस को कुछ खास लुभा नहीं रहा है। इस लुक के साथ मौनी ने कैप्शन में लिखा, 'हरे रंग की इस छाया के साथ एक चेतावनी लेवल आना चाहिए।'

फैंस की प्रतिक्रिया

मौनी के इस लुक को उनके फैस जहां बढ़-चढ़कर पसंद कर रहे हैं। कुछ फैंस उनके इस लुक को सुंदर बता रहे हैं तो वहीं कुछ उन्हें इस लुक के लिए ट्रोल करते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'सर्जरी क्वीन', एक और यूजर ने लिखा, 'प्लास्टिक के कपड़े', एक और यूजर ने लिखा, 'उर्फी ने डिजाइन किया है क्या', एक और यूजर ने 'बहुत अजीब लग रहा है....ऐसा लग रहा है, कार जा सीट कवर फाड़ के पहन लिया', एक और यूजर ने लिखा, 'ये छतरी वाले रेशेदार कपड़े पहनने के लिए नहीं मिलते हैं', एक और यूजर ने लिखा, 'तुमने इतना बड़ा प्लास्टिक बैग क्यों पहना हुआ है'।

मौनी रॉय का करियर

मौनी रॉय की फिल्म 'द भूतनी' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में मौनी के अलावा संजय दत्त, पलक तिवारी और सनी सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। बहरहाल, फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कोई खास सफलता हासिल नहीं हुई है।

जब मौत से जूझ रहे थे सैफ तब कहां थे इब्राहिम?

फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाले इब्राहिम अली खान ने अपने पिता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर बात की। साथ ही उस घटना को याद करते हुए बताया कि उस वक्त वो कहां थे। इब्राहिम ने बताया कि इस घटना ने इन्हें रुला दिया था।

इब्राहिम ने पिता सैफ अली खान के साथ हुई घटना के बारे में बात करते हुए बताया कि उस वक्त वो शूटिंग कर रहे थे। इब्राहिम ने बताया, "यह घटना देर रात 2 बजकर 30 मिनट पर हुई थी। उस वक्त मैं शूटिंग कर रहा था। मुझे घटना के बारे में तीन घंटे बाद पता चला और मैं तुरंत ही पापा से मिलने निकला। वो सर्जरी के बाद आईसीयू से बाहर ही आए थे। उन्होंने अपनी आंखें खोलीं, सारा से थोड़ी देर बात की और मेरे बारे में पूछा। मैं बहुत खुश था। मैंने कहा पापा मैं यहीं हूं।"

घटना के बाद सैफ और इब्राहिम के रिश्ते में आया बदलाव

घटना के बारे में आगे बात करते हुए इब्राहिम ने बताया कि जब सैफ ने उनसे कहा कि अगर वह घटना के दौरान मौजूद होते तो वह उस लड़के को पीट देते। इस बात ने मुझे रुला दिया कि काश मैं वहां पर होता। इब्राहिम ने कहा, "मैंने घटना के सबसे बुरे नतीजे को सोचा, जिसे यादकर मैं सहम गया। यह बहुत डरावना था। इस घटना के बाद मेरे और पापा के रिश्ते में काफी बदलाव आया है। मैं खुद को उनके और करीब महसूस करता हूं। यदि आपके परिवार में किसी को मौत का अनुभव होता है, तो आप उन्हें हल्के में नहीं लेते हैं। आप रिश्ते में और अधिक मौजूद हो जाते हैं।"

अकेले अस्पताल गए थे सैफ

इब्राहिम ने उन रिपोर्ट्स का भी खंडन किया जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने छोटे भाई तैमूर के साथ सैफ को अस्पताल पहुंचाया था।

इब्राहिम ने बताया कि सैफ हमले के बाद अकेले अस्पताल गए और मदद मांगी। जाहिर है कि 16 जनवरी को सैफ पर उनके घर में एक अंजान व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया था।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर बेहोश हुए साउथ अभिनेता विशाल, अस्पताल में भर्ती

तमिल अभिनेता विशाल 11 मई को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंच पर अचानक गिर पड़े। इसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अब उनकी हालत स्थिर है। अभिनेता के अचानक बिगड़े स्वास्थ्य ने प्रशंसकों को चिंतित कर दिया। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई।

मंच पर बेहोश हुए अभिनेता

साउथ अभिनेता विशाल कूवगम गांव में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। दरअसल, रविवार की रात को ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'मिस कूवगम 2025' सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें हिस्सा लेने पहुंचे अभिनेता अचानक बेहोश हो गए और मंच पर ही गिर पड़े। वहां मौजूद पूर्व मंत्री के. पोनमुडी ने विशाल तुरंत अस्पताल ले जाने का आश्वासन दिया।

पुराना वीडियो हो रहा वायरल

इस घटना ने अभिनेता के प्रशंसकों को चिंता में डाल दिया। अभिनेता को इस साल जनवरी में डेंगू से ठीक होने के बाद से स्वास्थ्य समस्या का सामना करते हुए देखा गया। एक वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि 'माधा गज राजा' के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान, विशाल की तबीयत प्रशंसकों को ठीक नहीं लगी। बुखार से पीड़ित होने के बाद भी वह प्री-रिलीज इवेंट में शामिल हुए, उन्हें खड़े होने में भी दिक्कत महसूस हुई।

विशाल का वर्क फ्रंट

अभिनेता के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में 'माधा गज राजा' में नजर जाए। इसका निर्देशन सुंदर सी ने किया है। इसमें विशाल के साथ अंजलि और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी थीं। यह फिल्म पहले 2013 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं हो पाई। बाद में यह 12 जनवरी, 2025 को रिलीज हुई।

सनी देओल ने बेटे राजवीर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, चाचा बॉबी ने लगाया गले, किया विश

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल के बेटे राजवीर का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर सनी ने अपने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है और साथ ही राजवीर के चाचा

बॉबी देओल ने भी लगे लगातार उन्हें जन्मदिश की बधाई दी है।

राजवीर देओल का आज है जन्मदिन

राजवीर आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इसी खास मौके पर अपने पापा और बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और चाचा बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर बेहद ही शानदार तस्वीरों के साथ भावुक नोट शेयर किया है। राजवीर ने निर्देशक अवनीश बड़जात्या की फिल्म "दोनों से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में राजवीर के अलावा पलोमा ढिल्लन और गरिमा अग्रवाल ने अभिनय किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई।

सनी देओल का इंस्टाग्राम पोस्ट

सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर दो शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में राजवीर ब्लैक गॉगल में नजर आ रहे हैं और दूसरी तस्वीर में राजवीर अपने पिता सनी के साथ मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इन दोनों तस्वीरों के साथ सनी ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे मेरे बेटे' इस पोस्ट को सबसे पहले बॉबी देओल ने लाइक किया। बॉबी ने सनी की इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए।

बॉबी देओल का राजवीर के लिए इंस्टाग्राम पोस्ट

बॉबी ने इंस्टाग्राम पर राजवीर के साथ तीन तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में राजवीर के साथ उनके दादा और अभिनेता धर्मेंद्र, उनके भाई करण देओल और चाचा बॉबी नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में चाचा-भतीजे की बॉन्डिंग साफ नजर आ रही है। वहीं तीसरी तस्वीर में बॉबी भतीजे राजवीर को गले लगाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ बॉबी ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे राजवीर बेटा, लव यू'। बॉबी की इस पोस्ट पर उनके बड़े भाई सनी ने लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं।

कहीं बार-बार सिरदर्द होना ब्रेन ट्यूमर का संकेत तो नहीं? न्यूरोसर्जन ने किया सावधान

सिरदर्द की समस्या बहुत आम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सिरदर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। जीवनशैली-तनाव, कुछ प्रकार की अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियां और यहां तक कि पर्यावरणीय कारक सिरदर्द बढ़ाने वाले हो सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ सामान्य सी स्थितियां जैसे निर्जलीकरण, नींद की कमी, तनाव होना या बहुत अधिक कैफीन जैसे आहार भी सिरदर्द का कारण बन सकते हैं।

आमतौर पर कुछ आसान से उपायों और दवाओं की मदद से सिरदर्द में आराम पाया जा सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि लगातार या लंबे समय तक बने रहना वाला सिरदर्द कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का एक लक्षण भी हो सकता है, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना और इससे बचाव के उपाय करते रहना जरूरी है। अक्सर बना रहने वाला तेज सिरदर्द कई बार ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क से संबंधित गंभीर बीमारियों का भी संकेत हो सकता है।

सिरदर्द की पहचान जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सिरदर्द कई प्रकार का हो सकता है। प्राथमिक सिरदर्द, वो सिरदर्द होते हैं जिनका कोई अन्य रोग कारण नहीं होता। आमतौर पर ये लाइफस्टाइल की गड़बड़ी के कारण होते हैं। तनाव- थकान, नींद की कमी, गलत पोस्चर में सोने के कारण आपको इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

दूसरा माइग्रेन, जिसमें सिर के एक ओर तेज दर्द होता है। इसके साथ आपको उल्टी, रोशनी या आवाज के प्रति संवेदनशीलता भी हो सकती है। माइग्रेन न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसका समय पर इलाज कराना जरूरी है। पर अगर आपको अक्सर सिर में दर्द होता रहता है तो इसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। समय रहते इसकी जांच कराएं।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

वैसे तो सिरदर्द आम समस्या है, लेकिन कुछ तरह के सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर का संकेत भी हो सकते हैं। इसलिए अक्सर बने रहने वाली इस समस्या को बिल्कुल अनदेखा नहीं करना चाहिए। हर बार पेनकिलर लेना सही समाधान नहीं है, इसकी जांच कराना और समस्या के कारणों को समझना जरूरी है।

सिरदर्द के साथ ऐसी दिक्कतें तो नहीं?

सिरदर्द अगर सामान्य दवाओं और उपचार से ठीक नहीं हो रहा है और आपके लिए दिक्कतें बढ़ाता जा रहा है तो सावधान हो जाइए। सिरदर्द के साथ इन लक्षणों का मतलब ये ब्रेन कैंसर का खतरा हो सकता है।

दृष्टि में बदलाव- धुंधलापन, दोहरी दृष्टि या अचानक आंखों की रोशनी कम होना।

शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या सुन्नपन, खासकर एक तरफ।

बोलने में कठिनाई या याददाश्त में बदलाव।

संतुलन या चलने में दिक्कत आना।

मूड या व्यवहार में अचानक बदलाव।

सिरदर्द जो खांसने, झुकने या ज़ोर लगाने पर बढ़ता है।

स्ट्रोक जैसे लक्षण – जैसे चेहरा टेढ़ा होना या हाथ-पैर हिलना बंद होना।

बार-बार दौरे आना।

समस्या का पता लगाने में न करें देरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सिरदर्द के अधिकांश कारण सामान्य होते हैं और जीवनशैली, नींद, तनाव व पोषण से संबंधित होते हैं। लेकिन कुछ सिरदर्द गंभीर बीमारियों के लक्षण भी हो सकते हैं। यदि सिरदर्द असामान्य लग रही हो या बार-बार हो रही हो, तो न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेना जरूरी है। समय पर इसके कारणों का पता लगाना और इलाज प्राप्त करना जरूरी है। ब्रेन ट्यूमर का समय रहते पता चल जाए और इसका इलाज हो जाए तो गंभीर खतरे को कम किया जा सकता है।

शरीर में हमेशा रहती है सुस्ती और थकान? हो सकता है इन गंभीर बीमारियों का खतरा

भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान और सुस्ती महसूस करना आम परेशानी हो गया है। लेकिन अगर आप हर समय थके हुए और कमजोर महसूस करते हैं, तो यह सिर्फ काम का दबाव या नींद की कमी का नतीजा नहीं हो सकता। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार थकान कुछ गंभीर बीमारियों, जैसे एनीमिया, थायराइड डिसऑर्डर, डायबिटीज या क्रोनिक फटीग सिंड्रोम का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति को नजरअंदाज करना सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यह थकान शरीर में पोषक तत्वों की कमी, हार्मोनल असंतुलन या मानसिक तनाव का भी परिणाम हो सकती है।

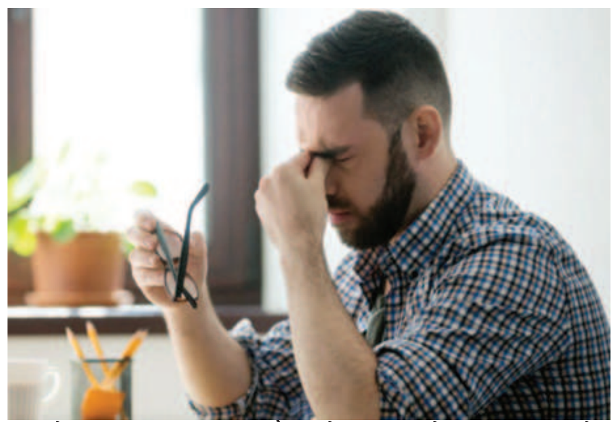

एनीमिया (खून की कमी)

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं या हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होती है, जिसके कारण थकान, कमजोरी, सांस फूलना और चक्कर आना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। महिलाओं में मासिक धर्म, आयरन की कमी या असंतुलित आहार के कारण यह समस्या आम है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह पर आयरन की जांच करानी चाहिए।

थायराइड डिसऑर्डर

थायराइड ग्रंथि के असंतुलन के कारण शरीर में एनर्जी लेवल कम हो सकता है। हाइपोथायरायडिज्म के स्थिति में थायराइड हार्मोन कम बनता है, जिससे थकान, वजन बढ़ना, त्वचा का रूखापन और ठंड सहन न होने जैसे लक्षण दिखते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से सलाह लेकर जांच करवाएं और साथ ही आयोडीन युक्त नमक और बैलेंस डाइट लें।

डायबिटीज

लगातार थकान और सुस्ती डायबिटीज का शुरुआती लक्षण हो सकता है। डायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित हो जाता है, जिससे शरीर को ऊर्जा प्राप्त करने में दिक्कत होती है। इसके साथ ही बार-बार प्यास लगता है, वजन कम होने लगता है साथ ही थोड़ा ही काम करने पर थकान महसूस होने लगता है। ये लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह से डायबिटीज की जांच कराएं। साथ ही कम चीनी और कम फैट वाला आहार अपने डेली लाइफ में शामिल करें।

क्रोनिक फटीग सिंड्रोम

क्रोनिक फटीग सिंड्रोम एक जटिल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी स्पष्ट कारण के गंभीर थकान होती है, जो आराम करने से भी ठीक नहीं होती। इसके साथ मांसपेशियों में दर्द, नींद की समस्या और एकाग्रता में कमी जैसे लक्षण हो सकते हैं। ये लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लें। इससे बचने के लिए मानसिक तनाव से बचें, संतुलित दिनचर्या रखें और दिन में कम से कम आधे घंटे योग जरूर करें।

क्या फैटी लिवर के कारण लिवर कैंसर होने का भी खतरा रहता है?

फैटी लिवर यानी लिवर में सामान्य से अधिक मात्रा में फैट जमा होने की समस्या सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती है। ये समस्या अब कम उम्र के लोगों को भी अपना शिकार बना रही है। विशेषतौर पर भारतीय लोगों में फैटी लिवर की दिक्कत तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण 20 की उम्र में भी लोगों को फैटी लिवर बीमारी हो रही है। पर क्या आप जानते हैं कि फैटी लिवर की समस्या आपमें कैंसर के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है?

फैटी लिवर और इसके कारण होने वाली समस्याएं

आप इस बारे में शायद ही कभी सोचते होंगे, लेकिन आपका लिवर शरीर को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर काम करता रहता है। लिवर भोजन को पचाने से लेकर शरीर से अपशिष्टों को बाहर निकालने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि आपका लिवर ही अगर अस्वस्थ हो जाए तो फिर क्या होगा?

फैटी लिवर की समस्या हमारे लिवर को बीमार कर रही है। नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज (एनएएफएलडी) की समस्या उन लोगों को प्रभावित कर रही है जो बहुत कम या कभी भी शराब नहीं पीते थे।

डॉक्टर कहते हैं, अगर फैटी लिवर का समय पर इलाज न हो पाए या फिर ये गंभीर रूप ले ले तो इसके कारण लिवर में कैंसर होने का जोखिम भी बढ़ सकता है।

फाइब्रोसिस या सिरोसिस और कैंसर का खतरा

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में इंटरनल मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर जेसिका ह्वांग कहती हैं, फैटी लिवर की शुरुआती स्थिति में ज्यादातर लोगों में कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं।

यही कारण है कि इसका समय पर पता नहीं चलता और इलाज नहीं हो पाता। अगर इस बीमारी को ऐसे ही छोड़ दिया जाए और इसका इलाज न हो पाए तो समय के साथ ये लिवर की कोशिकाओं में क्षति, लिवर फाइब्रोसिस या सिरोसिस और लिवर कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती है।

अध्ययनों से पता चलता है कि मोटापे से ग्रस्त 90% लोगों में फैटी लिवर का खतरा रहता है।

लिवर में फैट बढ़ने की स्थिति में आपके लिवर की खुद को विषाक्त पदार्थों से बचाने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। ये स्थिति लिवर में सूजन पैदा कर सकती है जिसके कारण सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। लिवर सिरोसिस एक गंभीर स्थिति है, जो लिवर में कैंसर होने के खतरे को बढ़ा देती है।

एनएएफएलडी के कारण लिवर कैंसर का जोखिम

साल 2022 में प्रकाशित एक स्वीडिश अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि एनएएफएलडी वाले लोगों में लिवर कैंसर का जोखिम सामान्य आबादी के लोगों की तुलना में 12 गुना अधिक था। इसके अतिरिक्त, ऐसे लोगों में किसी भी कैंसर के विकसित होने का जोखिम करीब दो गुना अधिक था।

भिंडी के पानी से बाल धोएंगे तो हों जाएंगे इतने सिल्की, क्लेचर और रबड़ भी टिक नहीं पाएगी

कौन नहीं चाहता कि उसके बाल रेशम से मुलायम, और कमर जितने लंबे हों। इसके लिए खासतौर महिलाएं तो तमाम नुस्खे भी आजमाती रहती हैं। लेकिन लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और बिगड़े हुए लाइफस्टाइल की वजह से लोगों के बाल काफी डल होते जा रहे हैं। ऐसे में बालों को पोषण प्रदान करने के लिए लोग महंगे-महंगे हेयर ट्रीटमेंट कराते हैं।

कैसे करें उपयोग

यदि आप भिंडी का उपयोग करना चाहते हैं तो सबसे पहले 4 से 5 भिंडी को लेकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसे दो कप पानी में डालकर 15 मिनट तक उबालें।

जब ये सही से उबल जाए और पानी गाढ़ा होने लगे तो गैस बंद करें और पानी को छान लें। इसके बाद इसे इसे ऐसे ही ठंडा होने दें। जब पानी ठंडा हो जाए तो आपको इसका इस्तेमाल करना है।

इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले तो अपने बालों को अच्छे शैंपू से धो लें। जब बाल पूरी तरह से साफ हो जाएं तो फिर कंडीशनर लगाने के लिए बालों में भिंडी का पानी लगाएं ।इसे अब कम से कम 15 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। 15 मिनट के बाद अपने बालों को सादा पानी से धो लें और फिर इसका असर देखें। आप हफ्ते में दो बार इस पानी के इस्तेमाल से अपने बालों को सिल्की बना सकती हैं।

क्या होंगे फायदे

यदि आप हफ्ते में दो बार नियमित रूप से यदि आप इस हेयर मास्क का इस्तेमाल करेंगे तो आपके बालों की कई परेशानियां अपने आप ही कम होंने लगेंगी। इन परेशानियों में सबसे पहले बालों का रूखापन शामिल है।

दरअसल, भिंडी में म्यूसिलेज नामक चिपचिपा पदार्थ पाया जाता है जो बालों को नरम और सिल्की बनाता है। इसके साथ-साथ इसके पोषक तत्व बालों की जड़ों को मज़बूती दे सकते हैं। इसलिए हफ्ते में कम से कम दो बार इस हेयर मास्क का इस्तेमाल करें।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट्स के बजाए खा सकते हैं विटामिन-सी से भरपूर ये फल

किसी भी प्रकार की बीमारियों से बचने के लिए इम्युनिटी सिस्टम का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इम्युनिटी सिस्टम कई तरह की बीमारियों से बचाने का काम करती है। आजकल कमजोर इम्युनिटी के कारण लोग बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। ऐसे में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए लोग अक्सर सप्लीमेंट्स की ओर रुख करते हैं, लेकिन प्रकृति ने हमें विटामिन-सी से भरपूर ऐसे फल दिए हैं, जो न केवल इम्युनिटी को मजबूत करते हैं, बल्कि वे बेहद स्वादिष्ट भी होते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, विटामिन-सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो शरीर को वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की ताकत देता है। रोजाना इन फलों का सेवन करने से कुछ ही दिनों में इम्युनिटी में सुधार देखा जा सकता है। आइए इस लेख में उन फलों और उनके फायदों के बारे में जानते हैं, जो आपकी सेहत को प्राकृतिक रूप से बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

आंवला

आंवला विटामिन-सी का सबसे समृद्ध स्रोत है। एक आंवले में संतरे से 20 गुना ज्यादा विटामिन-सी होता है। यह इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ त्वचा, बालों और पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रखता है।

सेवन का तरीकाः रोज सुबह 1-2 ताजा आंवले खाएं, आंवले का चटनी खाएं या आंवले का जूस पिएं।

संतरा

संतरा विटामिन-सी का स्वादिष्ट और आसानी से उपलब्ध स्रोत है। यह शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं (व्हाइट ब्लड सेल) के उत्पादन को बढ़ाता है, जो इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

सेवन का तरीकाः रोज 1-2 संतरे खाएं या ताजा संतरे का जूस पिएं।

अमरूद

अमरूद में संतरे से अधिक मात्रा विटामिन-सी होता है। यह इम्युनिटी को मजबूत करने के साथ-साथ कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है, जो त्वचा को स्वस्थ रखता है।

सेवन का तरीकाः रोज 1 अमरूद खाएं, खासकर सुबह खाली पेट।

कीवी

कीवी एक विदेशी फल है, जो विटामिन-सी और ई से भरपूर होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स का भंडार है और सर्दी-जुकाम से बचाव में मदद करता है।

सेवन का तरीकाः रोज 1-2 कीवी खाएं या कीवी का स्मूदी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने लगा है

प्रश्न : मेरी उम्र 72 वर्ष है। रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने लगा है। जिसके कारण चलने में थोड़ा झुक कर चलने लगा हूं। कृपा कर इससे बचने का उपाय और इलाज बताएं।

- सोमा रेड्डी,निजामाबाद

उत्तर : रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पूरे शरीर के वजन को ही नहीं उठाता बल्कि हमारे रोजाना के कामकाज में भी ज्यादा जोर इसी पर पड़ता है। आप बैठते उठते समय सही पोश्चर रखें। सही पोश्चर नहीं रहने पर कशेरुकाओं (वर्टीब्रे) पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बढ़ती उम्र के साथ मेरुदंड में ओस्टियोपोरोसिस, डिस्क डिजनरेशन, स्पाइन ओस्टियोआर्थराइटिस एवं स्पाइनल स्टेनोसिस आदि के होने की संभावना रहती है ।

भोजन में सुधा तत्व वाले खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, केला, गाजर आदि शामिल करें। धूम्रपान यदि करते हैं तो तुरंत बंद करें। शरीर का वजन बढ़ने ना दें। भारी वस्तुएं ना उठाएं ।

आयुर्वेद में सुधा तत्व की भरपाई के लिए ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस, ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस , अश्वगंधादि चूर्ण के साथ गाय के दूध से सुबह-शाम लेवें। मेरुदंड में दर्द की स्थिति में औरा रस रामेश्वर रस टिकिया और शल्लकी टिकिया या ऊंझा रास्नादी गुग्गुलु एवं त्रयोदशांग गुग्गुलु भोजन के बाद पानी से लेवें। फोम के बिस्तर पर नहीं सोएं। रुई की गद्दी पर सो सकते हैं । कोशिश करके सीधा बैठे या सीधा ही चले । झुकें नहीं। धीरे-धीरे इसमें अंतर अवश्य आएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 22 वर्ष है । सिर में बाल चकत्तो के रूप में तेजी से झड़ रहे हैं । झड़ने की तेजी से लगता है, जल्दी ही गंजा हो जाऊंगा । कृपा कर मुझे इसका इलाज बताएं।

- सतीश वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : बालों का चकत्तो के रूप में झड़ना आयुर्वेद में इंद्रलुप्त नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का फफूंद (फंगस) का संक्रमण है। इसे ही एलोपिसिया के नाम से पाश्चात्य जानते हैं। इलाज नहीं होने पर यह गंजापन का कारण बनता है।

इसका आयुर्वेद में सही इलाज है ऊंझा करंजादि तैल इंद्रलुप्त की कारगर दवा है। जहां बाल गिर गए हैं , उस स्थान में इस तेल से मालिश करें। ऐसा नित्य करते रहने से नए बाल उगने लगते हैं।

गुंजा बीज से सिद्ध किया हुआ तेल भी लगाने से बाल उगने लगते हैं। जपाकुसुम तेल का उपयोग भी लाभकारी है।

औषधि में महामंजिष्ठादिघन वटी, ऊंझा पंचतिक्तघृत गुग्गुलु व ऊंझा गंधक रसायन टिकिया लेवे। प्रशांत का एटरिन टैबलेट भी बेहद उपयोग की साबित हुआ है।भोजन के बाद रक्तशोधक सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुना जल मिलाकर पीने से फफूंद का संक्रमण समूल नष्ट हो जाता है। शिर स्नान के लिए प्रशांत का अर्नवेद हर्बल सत शैंपू इंद्रलुप्त में उपयोगी है।

चिकित्साकाल के दौरान नमक, नमकीन, खटाई, मिठाई व गरिष्ठ भोजन से बचें । मौसमी फल व सब्जियां जरूर खाएं । पानी उबालकर और छानकर पिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले 2 माह से छींके बहुत आती है। नाक से पानी भी बहने लगता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती सोनिया राव, करीमनगर

उत्तर : आपको अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय है। एलर्जिक कारणों से इसके बढ़ने की संभावना रहती है। अंग्रेजी एंटीहिस्टामिन्स के प्रयोग से उनींदापन, सिर चकराना, अत्यंत कमजोरी और रक्तचाप का गिरना जैसी समस्याएं आ सकती है। आयुर्वेद की औषधियां इस प्रकार के पार्श्व प्रभाव यानी साइड इफेक्ट से मुक्त रहती है।

ऋतु परिवर्तन जन्य एलर्जिक सर्दी - जुकाम में औरा एलेक्झी टिकिया काफी असरकारी है। इसे महालक्ष्मी विलास रस या लक्ष्मी विलास रस के साथ सुबह शाम लेने से अनूर्जताजन्य प्रतिश्याय शांत होता है। इसके साथ यदि खांसी हो तब औरा फ्रीलंझ सिरप का प्रयोग करें। यदि खांसी के साथ कफ या बलगम हो और श्वास लेने में कठिनाई हो तब ऊंझा कफकेशरी सिरप का प्रयोग उचित और हानि रहित है।

तेज नजले में नाक में षडबिंदु तेल का प्रयोग तुरंत नतीजे देता है एलर्जिक प्रतिश्याय में तेज सुगंध, इत्र - फुलेल, धूल -धूआं से एवं जहां प्रदूषित वातावरण हो वहां जाने से बचें ।

दही, केला, अमरूद, अन्नानास, आइसक्रीम, आदि से परहेज जरूरी है । घर का वातावरण साफ सुथरा रखें। सोने का कमरा हवादार एवं शांत हो।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

चीनी माल का नहीं दिखा कमाल...पाकिस्तान को पड़ा भारी

भारत के डिफेंस सिस्टम पर फिदा अमेरिकी एक्सपर्ट

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के घरेलू रक्षा तंत्र ने बड़ा संदेश दिया है। यह संदेश सिर्फ दुश्मनों के लिए नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए है। यह बात अमेरिका के रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर और डफिंस एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर ने कही। उन्होंने कहा कि भारत में बने हथियार काम कर रहे हैं, जबकि चीन के हथियार नहीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसमें पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश की। उसने जम्मू, पठानकोट और जैसलमेर जैसे इलाकों में नागरिक और रक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें भेजीं। लेकिन, एक भी मिसाइल अपने टारगेट तक नहीं पहुंची। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन सभी को नाकाम कर दिया। इस तरह पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिश विफल हो गई। जॉन स्पेंसर ने इसे लेकर भारत की जमकर तारीफ की है। स्पेंसर ने कहा कि भारत रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बन रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल से स्वदेशी उत्पादन में बड़ी तेजी आई है। 2014 में सेना की गोला-बारूद की जरूरत का 32% हिस्सा देश में बनता था। 2024 में यह बढ़कर 88% हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मिसाइलों जैसे ब्रह्मोस और पिनाका से लेकर रडार और आर्टिलरी सिस्टम तक भारत में बने उपकरणों ने लाइव कॉम्बैट में खुद को साबित किया। यह सिर्फ राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि आधुनिक खतरों का सामना करने वाले किसी भी देश के लिए सैन्य तत्परता का मॉडल है।' इसका मतलब है कि भारत ने दिखा दिया है कि वह अपने हथियारों से अपनी रक्षा कर सकता है। यह दूसरे देशों के लिए भी उदाहरण है। पाकिस्तान अभी भी चीन में बने सस्ते माल पर निर्भर है। इनमें एच क्यू-9पी, एलवाई-80 और एफएम-90 जैसे सिस्टम शामिल हैं। ये सिस्टम बार-बार सटीक हमलों को रोकने या पता लगाने में विफल रहे हैं। अमेरिकी डिफेंस एक्सपर्ट ने कहा, 'असली लड़ाई में खरीदारी के सौदों से ज्यादा प्रदर्शन मायने रखता है।' मतलब, हथियार खरीदने से ज्यादा जरूरी है कि वे ठीक से काम करें। पाकिस्तान की नापाक कोशिश के बाद भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने पाकिस्तान की सेना के चीन में बने एयर डिफेंस सिस्टम को लाहौर और चकराला में नष्ट कर दिया। आकाश एसएएम, डीआरडीओ के एंटी-ड्रोन सिस्टम और इंटीग्रेटेड काउंटर-यूएएस ग्रिड ने मिलकर हर खतरे को रोका। अधिकारियों के अनुसार, 'उन सभी मिसाइलों को या तो रोक दिया गया या बेअसर कर दिया गया। कोई भी अपने इच्छित लक्ष्य तक नहीं पहुंचा।'

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर से बाजार में बंपर बढ़त; सेंसेक्स 2975 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 पार

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की खबरों के बाद सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक आसमान छू गए। बाजार की बढ़त को अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध के नरम पड़ने का भी फायदा मिला। दोनों देश इस समझौते पर पहुंचे हैं कि वे 90 दिनों की शुरुआती अवधि के लिए अपने पहले से घोषित पारस्परिक शुल्क और काउंटर टैरिफ वापस ले लेंगे। इस बीच - चीन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाएगा, और अमेरिका चीनी वस्तुओं पर लगभग 30 प्रतिशत कर लगाएगा।

2975 अंक उछला सेंसेक्स

सोमवार को सेंसेक्स 2,975.43 अंक या 3.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,429.90 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 916.70 अंक या 3.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,924.70 अंक पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम ने बाजार में तेज उछाल का मार्ग प्रशस्त किया है। विजयकुमार ने कहा, उच्च जीडीपी वृद्धि और वित्त वर्ष 26 में आय वृद्धि के पुनरुद्धार तथा मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में गिरावट जैसी घरेलू मैक्रोज़ बाजार में उछाल के फिर से शुरू होने के लिए शुभ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निरंतर खरीदारी भी आज की तेजी का मुख्य कारण है। हालांकि, व्यापक सूचकांकों में उछाल के बीच, फार्मा क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को अपेक्षाकृत झटका लगा है। फार्मा शेयरों ने इस खबर से संकेत लिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज दिन में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसका उद्देश्य प्रिसक्रिप्शन दवाओं की लागत को 30-80 प्रतिशत तक कम करना है।

निफ्टी फार्मा सबसे कम बढ़त, बाकी सूचकांक 2 से 4 फीसदी उछले

निफ्टी फार्मा इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि अन्य क्षेत्रीय सूचकांक 2-4 प्रतिशत तक उछले। भारतीय शेयर बाजार में फार्मा सेक्टर के शेयरों ने अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में कटौती करने के उद्देश्य से ट्रम्प द्वारा प्रत्याशित कार्यकारी आदेश के कारण शुरुआती दबाव के बावजूद मजबूत लचीलापन दिखाया। विजयकुमार ने कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से अमेरिका में दवाओं की कीमतों में कमी करने की नवीनतम घोषणा से फार्मा शेयरों पर निकट भविष्य में दबाव पड़ सकता है। विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका-चीन टैरिफ डील भारतीय दृष्टिकोण से थोड़ी निराशाजनक होगी क्योंकि भारत अन्य देशों से पहले अमेरिका के साथ जल्दी डील की उम्मीद कर रहा था।

टैरिफ प्रकरण में अब तक क्या-क्या हुआ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दर्जनों ऐसे देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाए थे जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है। बाद में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई देशों की ओर से व्यापार सौदे के लिए अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत शुरू करने के बाद 90 दिनों के लिए टैरिफ को रोकने का फैसला किया। 9 अप्रैल से शुरू होने वाले इन 90 दिनों में, राष्ट्रपति ट्रम्प सभी देशों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ लगा रहे हैं। चीन के लिए, ट्रम्प ने संकेत दिया था कि टैरिफ 245 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। अमेरिका के लिए, चीनी ने 125 प्रतिशत टैरिफ का एलान किया था।

सोना 2,023 गिरकर 94,393 पर आया

चांदी 191 बढ़कर 95,917 किलो बिक रही, आगे और गिर सकते हैं सोने के दाम

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 12 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,023 घटकर 94,393 पर आ गया है। कल सोने की कीमत 96,416 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव 191 बढ़कर 95,917 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 95,726 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। बीते दिनों सोने-चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद अब निवेशक अपना गोल्ड बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में शॉर्ट टर्म में सोने-चांदी में और गिरावट देखने को मिल सकती है। हालांकि इसके बाद सोने में फिर तेजी आएगी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,930 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,030 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,880 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 88,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 96,880 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,880 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,930 रुपए है।

निवेशक गोल्ड में प्रोफिट बुक कर रहे

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार सोने ने इस साल अब तक करीब 24% का रिटर्न दिया है, ऐसे में निवेशक गोल्ड में प्रोफिट बुक कर रहे हैं। इसके चलते सोने में बिकवाली आई है जो कुछ दिनों तक जारी रह सकती है। इससे आने वाले दिनों में सोना और नीचे आ सकता है। हालांकि जियो पॉलिटिकल टेंशन अभी भी बनी हुई हैं इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-48
सूर्यास्त 18-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	04-10 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	वृष---	05-56 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	07-56 बजे
बुध-	मेष	मे	कर्क---	10-08 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	12-19 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	14-26 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	16-32 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	18-41 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	20-56 बजे
			मकर...	23-02 बजे
			कुंभ....	00-50 बजे
			मीन....	02-30 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 00-35 तक उपरान्त द्वितीया
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , मंगलवार 13 May
नक्षत्र - विशाखा 09-09 तक उपरान्त अनुराधा
योग - वरियान 05-52 तक उप परिघ
करण- बालव 11-32 तक कौलव
विशेष:- जिनवर व्रत जैन
व्रत -त्योहार - श्रीवत्स योग

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:26 से 17:02 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:48 - 07:23	अशुभ	काल	18:36 - 20:02	अशुभ
उत्पात	07:23 - 08:59	अशुभ	लाभ	20:02 - 21:26	शुभ
चंचल	08:59 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:26 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13	शुभ	शुभ	22:49 - 00:12	शुभ
अमृत	12:13 - 13:49	शुभ	अमृत	00:12 - 01:36	शुभ
काल	13:49 - 15:26	अशुभ	चंचल.	01:36 - 02:59	शुभ
शुभ.	15:26 - 17:02	शुभ	रोग।	02:59 - 04:22	अशुभ
रोग.	17:02 - 18:36	अशुभ	काल	04:22 - 05:48	अशुभ

भारत-ईयू के बीच एफटीए पर 11वें-राउंड की बातचीत आज से,ये 16 मई तक चलेगी, साल के अंत तक पूरा हो सकता है फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। 1 मई को कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने एफटीए बातचीत की प्रोग्रेस का आकलन करने के लिए ब्रुसेल्स का दौरा किया था। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) आज यानी 12 मई से प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर 11वें राउंड की बातचीत शुरू करेंगे। इस बातचीत का उद्देश्य समझौते के पहले फेज को जल्द से जल्द पूरा करना है। एक सरकारी अधिकारी ने समाचार एजेंसी को इस बात की जानकारी दी है। यूरोपीय यूनियन की टीम 11वें राउंड की बातचीत के लिए दिल्ली आएगी। यह बातचीत 16 मई तक चलेगी। दोनों पक्षों ने इस एग्रीमेंट को दो फेज में अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की है। एग्रीमेंट के शुरुआती फेज में उन क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, जहां पहले से ही सहमति है। दूसरे फेज को इस साल के आखिरी तक पूरा करने का टारगेट रखा गया है।

10 राउंड की बातचीत में गुड्स-सर्विसेज जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई

पिछले 10 राउंड की बातचीत में गुड्स, सर्विसेज, इन्वेस्टमेंट और सरकारी खरीद में बाजार की पहुंच जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी ट्रेड डील में इसी तरह की टू-फेज बातचीत की स्ट्रेटेजी अपनाई है और अमेरिका के साथ बातचीत में भी यही अप्रोच अपना रहा है।

ऑटोमोबाइल-मेडिकल डिवाइसेज पर टैक्स कटौती चाहता है ईयू

यूरोपीय यूनियन इस एफटीए के तहत ऑटोमोबाइल और मेडिकल डिवाइसेज पर टैक्स में भारी कटौती की मांग कर रहा है। साथ ही वाइन, स्पिरिट्स, मीट और पोल्ट्री जैसे प्रोडक्ट्स पर भी टैक्स में कटौती की डिमांड कर रहा है। साथ ही ईयू टेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स रिजीम की भी वकालत कर रहा है।अगर एफटीए सक्सेसफुली पूरा हो जाता है, तो रेडीमेड गारमेंट्स, फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और इलेक्ट्रिकल मशीनरी जैसे भारतीय एक्सपोर्ट्स यूरोपीय यूनियन के मार्केट में ज्यादा कॉम्पिटेटिव बन जाएंगे।

1 मई को एफटीए को लेकर पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स का दौरा किया था

1 मई को कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने एफटीए बातचीत की प्रोग्रेस का आकलन करने के लिए ब्रुसेल्स का दौरा किया था। भारत और 27 मेंबर यूरोपीय यूनियन के बीच आठ साल के विराम के बाद जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू हुई।मार्केट लिब्रलाइजेशन यानी बाजार उदारीकरण की सीमा पर असहमति के कारण 2013 में वार्ता रुक गई थी। 28 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय कमीशन के प्रेसिडेंट ने 2025 के आखिरी तक ट्रेड एग्रिमेंट को पूरा करने की बात कही थी।

भारत और यूरोपीय यूनियन की एफटीए बातचीत में 23 चैप्टर शामिल

भारत और यूरोपीय यूनियन की एफटीए बातचीत में 23 चैप्टर शामिल किया है। जिनमें गुड्स ट्रेड, सर्विस ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, सेनेटरी एंड फाइटोसेनिटरी, ट्रेड में टेक्निकल बैरियर्स, ट्रेड रेमेडीज, रूल्स ऑफ ओरिजिन, कस्टम्स एंड ट्रेड फैसिलिटेशन, कॉम्पिटिशन, ट्रेड डिफेंस, गवर्नमेंट प्रोक्योरमेंट, डिस्प्यूट सेटलमेंट, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, जियोग्राफिकल इंडिकेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट भी शामिल है।2023-24 में बायलेटरल ट्रेड 137.41 बिलियन डॉलर का रहा

2023-24 में यूरोपीय यूनियन के साथ गुड्स में भारत का बायलेटरल ट्रेड यानी द्विपक्षीय व्यापार 137.41 बिलियन डॉलर (एक्सपोर्टः 75.92 बिलियन डॉलर; इंपोर्टः 61.48 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया। जिससे यूरोपीय यूनियन भारत का गुड्स में सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बन गया।

भारत के टोटल एक्सपोर्ट्स में ईयू का हिस्सा करीब 17% है

भारत के टोटल एक्सपोर्ट्स में यूरोपीय यूनियन का हिस्सा करीब 17% है। वहीं यूरोपीय यूनियन के टोटल एक्सपोर्ट्स में भारत का हिस्सा करीब 9% है। दोनों देशों के बीच सर्विसेज का बायलेटरल ट्रेड 2023 में 51.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।एफटीए के अलावा भारत और यूरोपीय यूनियन एक इन्वेस्टमेंट प्रोटेक्शन एग्रीमेंट और जियोग्राफिकल इंडिकेशन पर एक एग्रीमेंट पर भी बातचीत कर रहे हैं। वहीं 6 मई को भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत के समापन की घोषणा की थी।

जलवायु संरक्षण में भारत की भूमिका अहम, दुनिया ने माना- एशिया का लीडर

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। जलवायु संरक्षण की दिशा में भारत द्वारा किए जा रहे कामों को पूरी दुनिया में मान्यता मिल रही है। एक वैश्विक मंच ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की है और कहा कि भारत ऊर्जा परिवर्तन के मामले में एशिया का नेता बनकर उभर रहा है। क्लाइमेट ग्रुप की सीईओ हेलेन क्लार्कसन ने सिंगापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'एशिया में ऊर्जा परिवर्तन में भारत की अग्रणी भूमिका है। यह अपने जलवायु लक्ष्यों में लगातार प्रगति कर रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा पर खासा फोकस किया जा रहा है। यह उत्साहजनक है।'

सौर ऊर्जा पर खासा फोकस

हेलेन क्लार्कसन ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में देखी गई प्रगति के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति शानदार है।' उन्होंने भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 तक भारत की कुल अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता 220 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान है। यह कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का करीब 48 प्रतिशत है।

'एशिया ही आर्थिक और जलवायु संकट से निपटने की राह दिखा सकता है'

क्लार्कसन ने कहा, 'एशिया एक ही बार में दो बड़े संकटों - आर्थिक और जलवायु - से निपट सकता है, अगर इसके उद्योग और सरकारें स्वच्छ तकनीक, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बोनाइज्ड आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ आगे बढ़ें। एशिया ही वह जगह है जहां बदलाव की जीत होगी या हार होगी।' 8 मई को आयोजित क्लाइमेट ग्रुप एशिया एक्शन समिट में एशिया भर के व्यापारिक नेता और नीति निर्माता एक साथ आए। क्लार्कसन ने कहा कि 'हमें साहसिक नेतृत्व, अभिनव समाधान, रणनीतिक स्वच्छ निवेश और सरकारों की दीर्घकालिक सोच की जरूरत है।'

जिस काम के लिए माइक्रोसॉफ्ट को 44 साल लगे थे

वह फेसबुक ने 17 साल में ही कर दिया

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसका मार्केट कैप 3.260 ट्रिलियन डॉलर है जो कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है। इस कंपनी की स्थापना बिल गेट्स ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर की थी लेकिन इसे 1 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यू तक पहुंचने में 44 साल का लंबा समय लगा था। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल ने यह मुकाम 42 साल में हासिल किया था। जेफ बेजोस की कंपनी ऐमजॉन ने 24 साल में यह उपलब्धि हासिल की थी जबकि गूगल को 21 साल, एलन मस्क की टेस्ला को 18 साल लगे थे। लेकिन फेसबुक ने यह मुकाम 17 साल में पा लिया था। इस कंपनी की स्थापना 2004 में हुई थी और 2021 में यह ट्रिलियन डॉलर कंपनी बनी थी। दुनिया के टॉप रईसों में शामिल मार्क जकरबर्ग की कंपनी फेसबुक का मार्केट कैप 1.489 ट्रिलियन डॉलर है। यह दुनिया की सातवीं वैल्यूएबल कंपनी है। फेसबुक दुनिया के सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी है। इसकी पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के पास वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम का भी मालिकाना हक है। मेटा प्लेटफॉर्म्स से आगे माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, एनवीडिया, ऐमजॉन, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट और सऊदी अरामको है। जकरबर्ग ने साल 2004 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हॉस्टल रूम में अपने तीन दोस्तों के साथ फेसबुक की स्थापना की थी। साल 2004 में जकरबर्ग ने वेंचर कैपिटेलिस्ट पीटर थील से 500,000 डॉलर का एंजल इनवेस्टमेंट हासिल किया। साल 2005 में आधिकारिक रूप से उन्होंने अपनी कंपनी का नाम फेसबुक रखा। उसी साल याहू ने कंपनी को एक अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी जिसे जकरबर्ग ने ठुकरा दिया था। साल 2012 कंपनी के लिए खास रहा। उसी साल फेसबुक ने डिजिटल फोटो कंपनी इंस्टाग्राम का एक अरब डॉलर में अधिग्रहण किया। उसी साल कंपनी आईपीओ लेकर आई और इसके यूजर्स की संख्या एक अरब के पार पहुंची। जकरबर्ग साल 2007 में 23 साल की उम्र में दुनिया में सबसे कम उम्र के बिलिनेयर बने थे।

जैतून के तेल से सूखे मेवे तक, भारत में बिकते हैं तुर्की के ये सामान

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है. लेकिन कुछ दिन तक चली दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई में ये तो पता चल गया कि भारत का नंबर 1 दुश्मन और दोस्त कौन से देश हैं. इसमें साफ तौर से दिख रहा था कि तुर्की पाकिस्तान को सबसे ज्यादा सपोर्ट कर रहा है. उसने भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हथियार से लेकर तमाम मदद पहुंचाई है और पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए तुर्की के ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था. ऐसे में अब भारत में तुर्की को लेकर विरोध शुरू हो गए हैं.भारत में तुर्की, अजरबैजान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों की बॉयकॉट शुरू हो गया है. आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि हर साल भारत से लाखों की संख्या में पर्यटक तुर्की और अजरबैजान हर साल जाते हैं. इतना ही नहीं, भारत में तुर्की के बहुत सारे सामान भी आते हैं. जिसकी ब्रिकी भी यहां काफी ज्यादा होती है. लेकिन आने वाले समय में इसकी मांग घटने की भी उम्मीद है. आज हम आपको इस खबर के माध्यम से ये बताने जा रहे हैं कि भारत में तुर्की का क्या-क्या समान आता है. बता दें, भारत में तुर्की से तुर्की कालीन, फर्नीचर, टर्किश कालीन, मोज़ेक आर्ट और पारंपरिक टाइल्स, हाथ से बनी सजावटी वस्तुएं भी भारत में आयात की जाती हैं. फैब्रिक, सिल्क, लिनन, जैतून का तेल, सूखे मेवे (जैसे बादाम, अखरोट), चेरी, मसाले और हर्बल और कुछ विशेष पेय पदार्थ भी आते हैं, जिनकी मांग खासकर शहरी इलाकों में अधिक है. तुर्की से भारत में कई प्रकार की इंडसट्रियल मशीन, निर्माण इक्विपमेंट और कृषि उपकरण आयात किए जाते हैं. इनका इस्तेमाल निर्माण, उत्पादन और कृषि में होता है.आपको बता दें, वित्त वर्ष 2023-24 में तुर्की के साथ भारत का व्यापार कुल 10.43 अरब डॉलर था, जिसमें निर्यात कुल 6.65 अरब डॉलर और आयात 3.78 अरब डॉलर रहा है. तुर्की को भारत द्वारा किए जाने वाले निर्यात में मशीनरी, पत्थर, प्लास्टर, लोहे और स्टील, तिलहन, अकार्बनिक रसायन, कीमती पत्थर, ताज़े सेब आदि शामिल थे.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ट्रक-ट्रेलर की टक्कर, 13 की मौत

टोल से बचने ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा, ट्रेलर से 3 फीट बाहर निकला था लोहा

रायपुर, 12 मई (एजेंसियां)। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्कार किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है। ट्रेलर झारखंड पासिंग है। टोल नाके से बचने के चक्कर में ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा और हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि कई महिलाओं और बच्चों के शरीर के टुकड़े हो गए। मिनी ट्रक में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान ट्रेलर के साइड से करीब 3 फीट बाहर निकले लोहे (हैवी मशीन का हिस्सा) से टक्कर हो गई। बच्चों सहित 14 घायलों का इलाज

मेकाहारा में जारी है, सभी खतरे से बाहर हैं। रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह से मिली जानकारी के मुताबिक, चटोद गांव निवासी पुनीत राम साहू का परिवार और रिश्तेदार बाना गांव में छट्ठी कार्यक्रम से लौट रहे थे। यह सभी मिनी ट्रक में सवार थे। इस दौरान बंगोनी गांव के पास पहुंचे थे।

तभी सामने से आ रहे ट्रेलर के ऊपर लोड मशीनरी पार्ट के साइड से निकले लोहे से गाड़ी टकरा गईं। हादसे के बाद मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रेलर के पीछे आ रही दूसरी ट्रक में जा भिड़ी।

कुछ ही सेकंड में मिनी ट्रक एक के बाद एक दो गाड़ियों से टकरा गई। भीषण एक्सीडेंट के बाद उसमें सवार महिलाएं और बच्चे बुरी तरह जख्मी हो गए। इनमें से कई हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए। जिससे उनका सिर फट गया और मौत हो गई। कुछ बच्चे और महिलाएं ट्रक के लोहे की बॉडी में टकरा गए।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मिनी ट्रक सबसे पहले ट्रेलर के साइड से निकले लोहे के पार्ट से टकराई है। जो ट्रक की बॉडी से करीब 3-3 फीट दोनों तरफ बाहर निकला हुआ था। अंधेरे की वजह से वह दिखा नहीं। ट्रेलर का ड्राइवर अमित कुमार बर्मन है जो पश्चिम सिंहभूम जिला झारखंड का रहने वाला है। ट्रेलर का मालिक भी वही है। एक्सीडेंट के बाद वह मौके से फरार हो गया था लेकिन पुलिस ने पीछा करके उसे पकड़ लिया। ट्रेलर से टकराने के बाद मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर एक अन्य ट्रक के डीजल टैंक के हिस्से में टकराई। जिससे ट्रक में भरा हुआ डीजल सड़क पर पूरी तरह बिखर गया। इस भीषण टक्कर के दौरान अगर कोई चिंगारी निकलती तो वह सड़क पर बिखरे हुए डीजल में फौरन आग पकड़ लेती। जिससे आशंका थी कि डीजल का टैंक ब्लास्ट हो जाता और मिनी ट्रक में घायल पड़े लोग आग की चपेट में आ जाते। इस घटना के बाद खरोरा से रायपुर की ओर एक के बाद एक एंबुलेंस दिखने लगी। आसपास से गुजर रहे लोग अपनी गाड़ियों से उतरकर घायलों को एंबुलेंस में चढ़ाने लगे। मौके पर जिला प्रशासन और पुलिसकर्मी भी पहुंचे।

डीजीपी अनुराग गुप्ता को सेवानिवृत्त करने के फैसले पर विवाद तेज

लगने लगे भ्रष्टाचार के आरोप

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के आदेश के बाद भी अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद से नहीं हटाया गया है। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सवाल खड़ा कर झारखंड सरकार के नियत पर सवाल उठाया है। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलटवार करते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने कहा बाबूलाल मरांडी को शायद याद नहीं है कि उन्होंने अपने शासनकाल में कितनी बार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया था। कितने संवैधानिक पदों को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया था। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को लेकर चल रही विवाद थमने का नाम नहीं ले रही है। केंद्र सरकार के आपत्ति के बाद भी राज्य सरकार के निर्देशानुसार अनुराग गुप्ता झारखंड के डीजीपी के तौर पर सेवा दे रहे हैं इस मामले पर अब राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है।

आप कैसे कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा?

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल का सवाल, याद दिलाया 1971

रायपुर, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा होते ही देश में राजनीति तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। सोमवार को नई दिल्ली में मीडिया से चर्चा करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर राजनीति नहीं केवल राष्ट्रवाद होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा, 26 लोगों की जान चली गई, क्या वो 4 या 5 आतंकवादी पकड़े गए? अगर वो पकड़े नहीं गए, तो आप कैसे कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा? चूक के लिए कौन जिम्मेदार है? लोग आपके (सरकार के) आश्वासन पर कश्मीर गए थे कि सब कुछ सामान्य है। लोग अपने परिवारों के साथ वहां गए और अपने प्रियजनों को खो दिया।

भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार इस पूरे मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाती है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारी वीर सेना ने संकल्प और साहस के साथ दुश्मनों को जिस तरह से मुंहतोड़ जवाब दिया, वह पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का पल था। हमारे जवानों ने अनेक युद्धों में भारत की अखंडता को बचाया।

1971 के बाद इंदिरा गांधी ने दुनिया को दिखा दिया था कि भारत किसी के सामने भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। आज भी हमारी सेना उसी जज़्बे के साथ सीमा पर डटी हुई है। कांग्रेस पार्टी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

जब भी देश पर संकट आया, कांग्रेस पार्टी ने राजनीति को पीछे रखा और देशहित को प्रथम स्थान दिया। 1965 में लाल बहादुर शास्त्री जी ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर देश को एक सूत्र में बांधा। 1971 में इंदिरा गांधी जी ने अमेरिका के दबाव को ठुकराकर पाकिस्तान को धूल चटा दी। आज भी हमारा वही संकल्प है। आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में राजनीति नहीं राष्ट्रवाद चाहिए। हमने उनसे सीखा है कि दुश्मन से बातचीत की मेज पर बैठें तो कमजोरी नहीं ताकत दिखाएं। 1971 में हमने पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों को घुटने पर ला दिया था, लेकिन आज सरकार से पूछा जाए कि क्या अमेरिका के दबाव में हमने अपनी नीति बदल दी है?

उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक कार्यक्रम रद्द किए। 'संविधान बचाओ रैली' जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम को स्थगित किया ताकि देश में एकजुटता का संदेश जाए।

छत्तीसगढ़ एसीबी रेड, 14 महीने में 26 रिश्वतखोर पकड़ाए

इनमें पटवारी से लेकर सीएमओ तक, रायगढ़ में सबसे ज्यादा 7 केस, कोरबा दूसरे नंबर पर

रायगढ़, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संभाग में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 14 महीने में 26 अधिकारी-कर्मचारियों रिश्वत लेते ट्रैप किया है। सबसे ज्यादा कार्रवाई रायगढ़ जिले में हुई है। यहां 6 महीने में ही 7 अफसर-कर्मचारी रिश्वत लेते हुए पकड़े गए हैं।

आरोपियों में रेंजर, नगर पंचायत सीएमओ, नापतौल निरीक्षक, डिप्टी रेंजर, पटवारी, लोकपाल मनरेगा और क्लर्क शामिल है। रिश्वत लेने के मामले में दूसरे नंबर में कोरबा जिला है।

जहां टीम ने 5 प्रकरणों में राजस्व निरीक्षक, एएसआई, पटवारी को रिश्वत लेते पकड़ा है। इसके अलावा गौरेला, सक्ती, मुंगेली में एसीबी की टीम ने कार्रवाई की है। यहां से भी मनरेगा लोकपाल, राजस्व निरीक्षक, हाई-स्कूल के प्राचार्य को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा था।

सरकारी विभागों में लोगों से काम के एवज में अच्छी खासी रकम मांगी जाती है।

रिश्वतखोरों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में पीड़ितों ने शिकायत की। जहां 2024 में 12 और 2025 में 14 शासकीय अधिकारी-कर्मचारी एसीबी की ट्रैप में फंसे।

वहीं छत्तीसगढ़ के अलग अलग जिलों में 2024-25 में पकड़े गए रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों की बात करें तो रायगढ़ टॉप पर है, जबकि कोरबा दूसरे नंबर पर है।

रेत माफिया ने कॉन्स्टेबल को ट्रैक्टर से रौंदा, मौत

अवैध रेत खनन पर कार्रवाई करने पहुंचे थे पुलिसकर्मी, कुचलते हुए भागा ड्राइवर

बलरामपुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में रेत माफियाओं ने एक आरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्राम लिबरा में कनहर नदी से अवैध रेत खनन किया जा रहा था। रविवार रात पुलिस टीम कार्रवाई के लिए पहुंची थी तभी चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। मामला सनावल थाना क्षेत्र का है।

इस दौरान सनावल थाने के आरक्षक शिव बचन सिंह (43) ने गाड़ी को रोकने की कोशिश की। ट्रैक्टर चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और आरक्षक को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। हादसे में आरक्षक के सीने में अंदरूनी चोटें आई थीं, गंभीर रूप से घायल आरक्षक ने हॉस्पिटल लाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार है।

घटना की सूचना पर सनावल थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडेय तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल आरक्षक शिव बचन सिंह को

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजगंज लाया जा रहा था, रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सनवाल थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडे ने बताया कि ग्राम लिबरा में वन विभाग की टीम रेत के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई कर रही थी। ट्रैक्टर को रोकने के दौरान यह हादसा हुआ। ट्रैक्टर चालक ने गाड़ी न रोककर आरक्षक के ऊपर चढ़ाते हुए निकल गया।

जानकारी के मुताबिक, इस क्षेत्र में झारखंड के तस्करों द्वारा बड़े पैमाने पर रेत का अवैध खनन कराया जा रहा था, जिसका लिबरा और कुसफर के ग्रामीण विरोध कर रहे थे। शनिवार शाम सनावल थाना प्रभारी की टीम ने रेत के अवैध उत्खनन में लगी तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया था।

बंदरों से बचने 150 फीट नीचे खाई में गिरी बच्ची

सरगुजा के रामगढ़ पहाड़ी में राम मंदिर जा रहा था परिवार, बाहर निकालने में चला 3 घंटे रेस्क्यू

सरगुजा, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा के ऐतिहासिक रामगढ़ पहाड़ी में 11 साल की बच्ची परिवार के साथ पूजा करने गई थी। बंदरों से बचने के दौरान बच्ची 150 फीट नीचे खाई में गिर गई। उसके पैर और सिर पर चोटें आई हैं। 3 घंटे बाद रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाला गया। घटना उदयपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, भैयाथान के डुमरिया निवासी बच्ची बेबी राजवाड़े सोमवार सुबह 9 बजे परिवार के 7 लोगों के साथ रामगढ़ पहुंची थी। रामगढ़ में सभी भगवान राम के मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। पहाड़ी पर मंदिर से आस-पास बंदरों उछलकूद करते रहे हैं। एक महीने पहले 3 अप्रैल को भी एक बच्ची बंदरों के कारण करीब 200 फीट नीचे गिर गई थी।

इस दौरान रामगढ़ पहाड़ी में मंदिर पहुंचने से पहले चंदन मिट्टी के पास बंदरों से बचने के चक्कर में तुलेश्वर की बेटी बेबी राजवाड़े

खाई के किनारे पहुंच गई। उसका संतुलन बिगड़ा और 150 फीट नीचे गहरी खाई में गिर गई। जिससे परिवार के लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई।

3 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

घटना की सूचना रामगढ़ के अशोक बैगा ने वन विभाग के कर्मचारियों और उदयपुर पुलिस को दी। वनकर्मियों के साथ उदयपुर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे।

रस्सी के सहारे अशोक बैगा, परमेश्वर, हिमांचल और अंकित नीचे उतरे। नीचे बेबी राजवाड़े घायल अवस्था में मिली। उसे टीम ने रस्सियों के सहारे ऊपर चढ़ाया। बेटी को सुरक्षित देखकर परिजन और लोगों ने राहत की सांस ली।

बच्ची के पैरों और सिर में चोटें आई है। रेस्क्यू के दौरान वो हल्की बेहोशी की हालत में थी। रेस्क्यू के बाद उसे उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

10 वर्षीय बच्चे की पोखर में डूबकर मौत

5 घंटे की तलाश के बाद मिला शव, रविवार दोपहर से था लापता

पाकुड़, 12 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ के बलिहारपुर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। ट्रॉली चालक दिलीप कुमार दास के 10 वर्षीय पुत्र आरको दास की पोखर में डूबने से मौत हो गई। आरको कक्षा चार का छात्र था और तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

घटना की जानकारी के अनुसार, आरको रविवार दोपहर घर से बाहर गया था। देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू की। शिव मंदिर के पास स्थित पोखर के किनारे बच्चे के कपड़े और चप्पल मिलने से डूबने की आशंका जताई गई। स्थानीय लोगों ने करीब 5 घंटे तक पोखर में उतरकर तलाश की। पानी में जाल भी डाला गया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

सोमवार दोपहर को पुलिस की मौजूदगी में एक बार फिर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान पोखर से बच्चे का शव बरामद कर लिया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रयाग दास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पिता दिलीप ने थाने में आवेदन सौंप दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम को भी सूचित किया था।

डूबने से यूपी के दो युवकों की मौत

नरगा डैम में नहाने के दौरान हुआ हादसा दोनों बांस से घर बनाने का करते थे काम

जमशेदपुर, 12 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र के नरगा डैम में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों रविवार की शाम डैम में डूबे थे। सोमवार को दोनों का शव गोताखोरों ने डैम से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मृतकों की पहचान गौरव सिंह (21) और अभिषेक कुमार (19) के रूप में की गई। दोनों ही उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिला के कासगंज मोहल्ला चौक के रहने वाले थे। मृतक अभिषेक के भाई गुड्डू ने बताया कि रविवार की शाम हम चार लोग खाने के बाद डैम गए थे। गौरव और अभिषेक को तैरना नहीं आता था। मैंने उन्हें मना किया कि डैम में नहाने नहीं उतरो, पर वो नहीं माने।

गौरव को बचाने में अभिषेक भी डूबा

नहाने के दौरान अचानक गौरव गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। इसी बीच अभिषेक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन दोनों ही गहरे पानी में डूब गए। इसके बाद घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई।

रात होने के कारण पुलिस शव को नहीं खोज पाई। वहीं, सोमवार सुबह दोनों का शव डैम में उपलाता दिखा। इसके बाद गोताखोरों के सहयोग से शव को बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को गांव लेकर जाएंगे।

सारंडा में फिर हुआ आईईडी विस्फोट

सर्च ऑपरेशन के दौरान हादसा, एक जवान हुआ घायल, एयरलिफ्ट किया गया

चाईबासा, 12 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में आज फिर आईईडी ब्लास्ट हुआ है। सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट हो गया।

विस्फोट की यह घटना छोटानागरा थाना क्षेत्र के मरांगपोंगा जंगल में हुई है। इस विस्फोट में झारखंड जगुआर का एक जवान घायल हुआ है, जिसे एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है। विस्फोट के बाद से सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में नक्सलियों की तलाश तेज कर दी है।

सारंडा में चल रहे एंटी नक्सल मूवमेंट के दौरान अप्रैल महीने में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी थी। सुरक्षाबलों ने बाबूडेरा में जमीन के नीचे बनाए गए 11 बड़े बंकरों को नष्ट किया। इन बंकरों में नक्सलियों के शीर्ष नेता और मिसिर बेसरा और उसकी टीम के ठहरने की व्यवस्था गई थी। इन बंकरों का आकार 25 गुना 35, 20 गुना 25 और 15 गुना 20 फीट का था।

सुरक्षाबलों ने बंकरों से प्रिंटर, दो बैटरी, कारतूस, लेथ मशीन, 18 पाइप, 15 मीटर तार और अन्य दैनिक उपयोग के सामान बरामद किए थे। वहीं टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत वन ग्राम लुइया और बकराबेरा के आसपास चलाए गए सर्च अभियान के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों ने दो आईईडी बरामद किया था।

पीडब्ल्यूडी के ईई की घर में मिली लाश

कर्मचारी जब घर पहुंचे तो शव देखा, हार्ट अटैक से मौत की आशंका

जगदलपुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पीडब्ल्यूडी के ईई (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) डीएस नेताम की मौत हो गई है। उनके जगदलपुर स्थित सरकार आवास में उनकी लाश मिली है। प्रारंभिक तौर पर हार्ट अटैक से मौत की बात सामने आ रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर के भंगाराम चौक के पास पीडब्ल्यूडी के ईई का सरकारी आवास है। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम तक वे ऑफिस में थे। ऑफिस का काम पूरा कर घर चले गए थे। वहीं रविवार को जब ऑफिस के कुछ कर्मचारियों ने उन्हें फोन किया तो उन्होंने कॉल अटेंड नहीं किया। इसी तरह सोमवार की सुबह भी उन्हें कॉल किया गया। लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। जिसके बाद कर्मचारी उनके घर पहुंचे। बेल बजाई। अंदर से जब गेट नहीं खुला तो दरवाजा तोड़ा गया। इसकी जानकारी पुलिस को भी दी गई। जब अंदर गए तो कमरे में चेयर में उनकी लाश मिली।

डीएस नेताम कांकेर जिले के रहने वाले थे। पिछले करीब 3-4 सालों से जगदलपुर में पोस्टेड थे। वे यहां सरकारी आवास में अकेले रहते थे। बताया जा रहा है कि 11 महीने बाद उनका रिटायरमेंट था।

जगदलपुर एएसपी महेश्वर नाग ने दैनिक भास्कर से कहा कि, घर में चेयर पर लाश मिली है। प्रारंभिक तौर पर नेचुरल डेथ लग रही है। परिवार को भी जानकारी दे दी गई है। शव का पोस्टमॉर्टम करने और रिपोर्ट आने के बाद ही चीजें स्पष्ट हो पाएगी।

चलते-चलते बीच सड़क पलटा ऑटो, एक की मौत

ब्रेक फेल होने से हादसा, 10 घायल, ऑटो के छत पर बैठे थे कुछ लोग

साहिबगंज, 12 मई (एजेंसियां)। साहिबगंज में सोमवार को ब्रेक फेल होने से एक तेज रफ्तार ऑटो पलट गया। इस घटना में ऑटो सवार एक महिला की मौत हो गई। जबकि 10 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के जिलेबिया घाटी में हुआ। दुर्घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। ऑटो की छत पर भी कुछ लोग बैठे हुए थे। इधर, दुर्घटना के बाद ऑटो चालक संजू बास्की मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेजा गया। हादसे में मृत महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। ऑटो में ड्राइवर समेत 12 लोग सवार थे। घायलों में रौशमी किस्कु(9), लिली किस्कु (9), बुधराम बास्की (14), कहामुनि सोरेन (40), मोरिता मुर्मू (18), पप्पू मुर्मू (30), मरियम हांसदा (10), मेरीला मुर्मू (13), चंची बास्की (12) और मरांगमय सोरेन शामिल हैं। सभी घायल बोरियो थाना क्षेत्र के बागमुंडी गांव के रहने वाले हैं। घायलों ने बताया कि वे सभी गांव के ही चालक संजू बास्की के ऑटो से बोरियो से साहिबगंज के महादेवगंज स्थित खेत में काम करने जा रहे थे।

माओवादियों ने की कांग्रेस नेता की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

6 महीने पहले छोटे भाई का नक्सलियों ने किया था मर्डर

बीजापुर, 12 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। नक्सलियों ने उचित मूल्य की दुकान के संचालक की कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमलाकर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना रविवार देर रात साढ़े 11 बजे उसूर थाना क्षेत्र के लिंगापुर गांव की है जहां सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आए मारूडबाका गांव के निवासी नागा भंडारी की नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी।

अधिकारियों ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा हमलावर नक्सलियों की तलाश शुरू कर दी है। मृतक नागा भंडारी मारुडबाका सोसाइटी का संचालक है। वह कांग्रेस का कार्यकर्ता था। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर मृतक को श्रद्धांजलि दी है और बताया कि वह पार्टी का सक्रिय मेंबर था। जानकारी के मुताबिक, 6 महीने पहले नक्सलियों ने नागा के छोटे भाई को भी मारा था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा- नागा भंडारी की लिंगापुर मेले में नक्सलियों ने क्रूरता पूर्वक हत्या कर दी। ईश्वर से प्राथना है कि भंडारी परिवार इस दुःखद परिस्थिति में संबल मिले एवं नागा भंडारी की आत्मा को शांति प्रदान करें। नक्सलियों द्वारा की गई इस कायराना हरकत की हम कड़ी निंदा करते हैं।

छह माह पहले नागा भंडारी के छोटे भाई तिरुपति भंडारी की भी नक्सलियों ने दिन दहाड़े उसूर ग्राम में हत्या कर दी थी। आखिर कब तक निर्दोष आदिवासी नक्सलियों की क्रूरता का शिकार होते रहेंगे और सरकार हाथ में हाथ धरे देखती रहेगी। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है। नक्सल प्रभावित जिलों में सुरक्षाबल के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

रांची में दोहरे हत्याकांड से सनसनी

रांची, 12 मई (एजेंसियां)। राजधानी रांची में अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब एक और दिल दहला देने वाली घटना धुर्वा थाना क्षेत्र से सामने आई है। धुर्वा के बालसिरिंग इलाके में पुल के पास दो युवकों की गला रेतकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि यह वारदात रविवार देर रात की है। सोमवार सुबह जब ग्रामीणों ने दोनों शवों को देखा तो तुरंत पुलिस को खबर दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। अभी तक दोनों मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने गांव के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी के पास घटना की ज्यादा जानकारी नहीं थी।

दो पक्षों में हिंसक झड़प, महिला की मौत

परिजनों ने धनसार थाने के बाहर किया प्रदर्शन कहा- पुलिस ने नहीं की समय पर कार्रवाई

धनबाद, 12 मई (एजेंसियां)। धनबाद के मनइटांड कुम्हारपट्टी में रविवार को दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक महिला की मौत हो गई। मृतका के आक्रोशित परिजनों ने सोमवार को धनसार थाना के बाहर शव रख प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस को समय रहते सूचना दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक घंटे के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मामले की जांच का आश्वासन दिया।

दरअसल, पैसे की चोरी और छेड़खानी के विवाद ने रविवार को हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में 70 वर्षीय चिंता देवी को गंभीर चोटें आईं। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतका के पुत्र संतोष साव के अनुसार, पड़ोसी अमित गोस्वामी, मुन्ना गोस्वामी और चंदन गोस्वामी ने उनकी मां पर हमला किया।

विवाद की जड़ में उनके घर से पैसों की चोरी और बहन के साथ छेड़छाड़ का मामला था। विरोध करने पर दूसरे पक्ष ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

वहीं, धनसार थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मृतका का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हां ! भारत के ऑपरेशन सिंदूर में लड़ाकू विमानों को हुआ नुकसान

पाकिस्तान ने पहली बार कबूली सच्चाई

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने रविवार देर रात स्वीकार किया कि भारत के साथ हालिया सैन्य टकराव में उसके एक सैन्य विमान को हल्का नुकसान पहुंचा है। हालांकि, विमान या उसकी क्षति से संबंधित विवरण की जानकारी साझा नहीं की गई। शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनी थी।

पाकिस्तानी सेना ने क्या बताया

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने वायु सेना और नौसेना अधिकारियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संवाददाता सम्मेलन का उद्देश्य ऑपरेशन बुनयान-उन-मरसूस' की कार्रवाई और नतीजों के बारे में जानकारी देना है।

चौधरी ने कहा, पाकिस्तान के केवल एक विमान को हल्का नुकसान हुआ है, लेकिन उन्होंने विमान से संबंधित कोई और विवरण नहीं दिया।

पाकिस्तान की हिरासत में कोई पायलट नहीं

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हिरासत में कोई भारतीय पायलट नहीं है और इस संबंध में आईं सभी खबरें सोशल मीडिया पर फैलाई गई झूठी अफवाहें हैं।

सेना प्रवक्ता ने दावा किया कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रिया सटीक, संतुलित और संयमित रही है।

भारत और पाक के डीजीएमओ की वार्ता शाम तक टली

भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत सोमवार शाम को होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। हॉटलाइन पर होने वाली यह बातचीत पहले दोपहर 12 बजे होनी थी। बातचीत को कुछ घंटे के लिए टालने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए छह-सात मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था।

पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके

रिक्टर पैमाने पर 4.6 रही तीव्रता जानमाल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली / इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 मापी गई। भूकंप दोपहर 1 बजकर 26 मिनट और 32 सेकंड (भारतीय समयानुसार) पर दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। इसका उपकेंद्र 29.12 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 67.26 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था, जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हालांकि, अब तक किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में लोगों में दहशत का माहौल देखा गया और कई लोग एहतियातन अपने घरों से बाहर निकल आए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि स्थिति सामान्य है, लेकिन आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटके) की संभावना बनी रहती है। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अमेरिका-चीन में हुई ट्रेड डील

दोनों ने 115% टैरिफ घटाया, अब यूएस 30% और चीन 10% टैरिफ एक दूसरे पर लगाएंगे

जेनेवा, 12 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच जेनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बन गई है। दोनों देशों ने टैरिफ में 115% कटौती का ऐलान किया है।

जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30% टैरिफ लगाएगा। वहीं चीन, अमेरिकी सामानों पर 10% टैरिफ लगाएगा।

दोनों देशों के बीच टैरिफ में यह कटौती फिलहाल 90 दिनों के लिए हुई है। जिनेवा में दो दिनों की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच ये समझौता हुआ है। चीन के साथ चल रहे ट्रेड वॉर के बीच इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बड़ी जीत माना जा रहा है।

व्हाइट हाउस ने 11 मई को एक बयान में चीन व्यापार समझौते की घोषणा की थी। हालांकि व्हाइट हाउस ने तब इसकी डिटेल नहीं दी थी। चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लीफेंग ने कहा था कि जिनेवा में सोमवार को एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया जाएगा।

वहीं, उप वाणिज्य मंत्री ली चेंगगैंग ने कहा कि इसमें दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी।

अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यापार घाटा कम करने के लिए एक डील बताया, जबकि चीनी अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच अहम सहमति बनी है और नए सिरे से आर्थिक बातचीत शुरू करने पर सहमति हुई है।

पिछले महीने ट्रम्प ने चीनी सामानों पर 145% टैरिफ लगा दिए थे, जिसके बदले चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125% तक का टैरिफ लगा दिया था। जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सालाना 600 अरब डॉलर का व्यापार लगभग रुक गया था।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने पत्रकारों को बताया, 'दोनों पक्ष बहुत जल्दी एक समझौते पर पहुंच पाए, इससे पता चलता है कि शायद मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना पहले सोचा जा रहा था। हालांकि, इन दो दिनों की बातचीत से पहले काफी तैयारी की गई थी।'

हालांकि अमेरिका और चीन दोनों ने 145% अमेरिकी टैरिफ और 125% चीनी टैरिफ को कम करने को लेकर किसी समझौते का जिक्र नहीं किया।

एक हफ्ते पहले ट्रम्प ने इशारा दिया था कि वे चीन पर लगाए गए टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने ये माना कि मौजूदा टैरिफ दरें इतनी ज्यादा हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने एक-दूसरे के साथ व्यापार करना ही बंद कर दिया है।

गाजा में इजराइल के हमले में 16 लोगों की मौत

आश्रय स्थल पर हमले में ज्यादातर बच्चे-महिलाएं हुईं शिकार

दीर अल-बलाह, 12 मई (एजेंसियां)। गाजा में इजराइल की तरफ से हवाई हमले लगातार जारी है, वहीं ताजा हमले में 16 लोगों की मौत हो गई है। इसे लेकर स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि आश्रय स्थल पर हमले में ज्यादातर बच्चे-महिलाएं शिकार बने हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा ने बताया कि जबालिया इलाके में एक स्कूल पर हुए हमले में मारे गए लोगों में कम से कम पांच बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। इसने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं।

इस मामले में इजराइली सेना का कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौत के लिए हमास को दोषी ठहराती है क्योंकि उसके लड़ाके घनी आबादी वाले इलाकों में काम करते हैं। नवीनतम हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। बता दें कि, यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर जा रहे हैं। दो महीने पहले युद्धविराम समाप्त करने के बाद, इस्राइल गाजा पट्टी में युद्ध को और तेज कर रहा है, जहां भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति पर 10 सप्ताह की नाकाबंदी के कारण मानवीय संकट और भी बदतर हो गया है। हमास ने कहा कि युद्ध विराम के प्रयास में, इजराइल की तरफ से नाकाबंदी किए गए क्षेत्र में क्रॉसिंग को फिर से खोलने और

जेलेंस्की बोले- तुर्किये में पुतिन का इंतजार करूंगा

पुतिन ने यूक्रेन को सीधी बातचीत का ऑफर दिया था, ट्रम्प ने कहा- मीटिंग करें

कीव, 12 मई (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पुतिन के सीधी बातचीत के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति को व्यक्तिगत रूप से मिलने की चुनौती दी है।

जेलेंस्की ने कहा, मैं गुरुवार को तुर्किये में पुतिन का व्यक्तिगत रूप से इंतजार करूंगा। दरअसल, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 11 मई को यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा था। पुतिन ने कहा था कि वे 15 मई (गुरुवार) को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ बात कर सकते हैं।

इसके साथ ही जेलेंस्की ने 12 मई से बिना शर्त 30 दिन के सीजफायर की मांग पर कहा कि उन्हें अभी भी सीजफायर पर पुतिन की सहमति की उम्मीद है। हालांकि, पुतिन ने इस अल्टीमेटम को अस्वीकार कर दिया था।

जेलेंस्की का ये फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रस्ताव को स्वीकार करने के जोर देने के बाद आया है। दरअसल, ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के साथ सीजफायर समझौता नहीं करना चाहते हैं, बल्कि 15 मई को तुर्किये में मिलना चाहते हैं। जिसमें जंग को रोकने के लिए बातचीत की जा सके। यूक्रेन को तुरंत इस पर सहमत होना चाहिए।

पुतिन और जेलेंस्की 2019 में केवल एक बार मिले हैं। युद्ध की शुरुआत में दोनों नेताओं के बीच बातचीत की कोशिश हुई थी मगर ये नाकामयाब रही थी। सितंबर 2022 में यूक्रेन के चार क्षेत्रों को जोड़ने के बाद, जेलेंस्की ने घोषणा की थी कि पुतिन के साथ बातचीत करना बहुत मुश्किल हो

गया है। 29 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ 3 दिन के एक तरफा सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर 8 मई से लागू हुआ था।

इसकी शुरुआत 7-8 मई की रात से हुई और 10-11 मई को आधी रात यह सीजफायर खत्म हो गया। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर युद्ध विराम का 14,000 से अधिक बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने भी रूस पर स्वयं के युद्ध विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने इसे एक तमाशा बताया है। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने 11 मई की रात को 108 ड्रोन और सिम्युलेटर ड्रोन लॉन्च किए। जिसमें से 60 ड्रोन को यूक्रेन ने मार गिराया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने 10 मई को कीव में ज़ेलेंस्की से मुलाकात की थी।

साथ ही सोमवार से युद्ध विराम के लिए आह्वान किया था। इस योजना को यूरोपीय संघ और ट्रम्प दोनों से समर्थन मिला है।

यूक्रेन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अगर वे सीजफायर पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो बाकी देश यूक्रेन को सैन्य समर्थन देंगे।

भारत संग सीजफायर हुआ तो पुराना राग छेड़ने लगे पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

सिंधु जल समझौते पर दे दिया बड़ा बयान

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत सिंधु जल संधि को निलंबित नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते की शर्तें भारत को इस बात की इजाजत नहीं देतीं कि वह एकतरफा इससे बाहर निकल जाए। भारत ने 2 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु संधि से बाहर निकलने का ऐलान किया है। ये संधि भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा करती है। भारत ने संधि से अलग होते हुए पाकिस्तान को जाने वाला पानी रोकने के संकेत दिए हैं, इस पर पाकिस्तान की सरकार भड़की हुई है। ख्वाजा आसिफ ने एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा, 'सिंधु जल संधि में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिससे इसे निलंबित किया जा सके। भारत की ओर से निलंबन का कोई सवाल ही नहीं उठता है क्योंकि संधि इसकी अनुमति ही नहीं देती है।'

ख्वाजा ने ये भी कहा कि भारत के साथ रिश्ते में तनाव कम होगा तो सिंधु समझौते पर दोनों पक्ष बैठकर बातचीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोनों देश सिंधु संधि के अलावा आतंकवाद और कश्मीर मुद्दे पर बात कर सकते हैं।

ख्वाजा आसिफ ने हालिया संघर्ष के दोष का ठीकरा भी भारत के सिर फोड़ने की कोशिश की है। उनका कहना है कि पहलगाम की घटना के भारत ने बिना किसी आधार के आरोप लगाए और आक्रामक रवैया अपनाया दूसरी ओर पाकिस्तान ने शांति से काम लिया।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर वर्ल्ड मीडिया रिएक्शन

एनवाईटी बोला- खतरा अभी टला नहीं, सीएनएन ने लिखा सबसे भयानक लड़ाई के खत्म होने की उम्मीद जागी

वाशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच 4 दिन तक चला संघर्ष 10 मई की शाम 5 बजे थम गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दोनों के बीच सीजफायर की घोषणा की। इसके बाद दोनों देशों के अधिकारियों की तरफ से इसकी पुष्टि की गई।

4 दिनों तक चले संघर्ष के बाद हुए इस सीजफायर को लेकर दुनिया भर की मीडिया का रिएक्शन भी आया। अमेरिका मीडिया ने सीजफायर के लिए ट्रम्प को क्रेडिट देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दूसरी तरफ कुछ अखबारों ने सीजफायर के बाद भी खतरे की आशंका जताई।

इस स्टोरी प्रमुख मीडिया संस्थानों के रिएक्शन

एनवाईटी ने लिखा- खतरा अभी टला नहीं

न्यूयॉर्क टाइम्स ने सीजफायर पर रिएक्शन देते हुए लिखा कि भारत-पाकिस्तान के बीच खतरा अभी टला नहीं है। एनवाईटी के मुताबिक आने वाले समय में ऐसे और भी संघर्ष हो सकते हैं।

टाइम्स ने लिखा- भले ही दोनों देश जंग की कगार से पीछे हट गए हैं, लेकिन इस संघर्ष में बहुत कुछ नया था। नई मिलिट्री टेक्नोलॉजी ने हवाई हमलों को तेज कर दिया है। पहली बार दोनों के संघर्ष में सैकड़ों हथियारबंद ड्रोन भी शामिल हुए।

वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा अमेरिका ने सीजफायर में मदद की

अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा कि अमेरिका ने भारत-पाक में संघर्ष विराम कराने में मदद की, लेकिन पूछा कि क्या यह टिक पाएगा?

चार रात तक भारत और पाकिस्तान के प्रमुख शहरों के आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते रहे। परमाणु हथियार से संपन्न पड़ोसी देश पूरी तरह युद्ध की तरफ बढ़ रहे थे। फिर अचानक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संघर्षविराम की घोषणा कर दी।

सीएनएन ने लिखा- सबसे भयानक लड़ाई के खत्म होने की उम्मीद जागी

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर लागू होता दिख रहा है। दोनों पक्ष इस सहमति पर अपनी प्रतिबद्धता जता रहे हैं। इसकी वजह से दो परमाणु हथियार वाले देशों के बीच दशकों में हुई सबसे बड़ी लड़ाई रुक गई है। पिछले महीने पहलगाम में पर्यटकों को नरसंहार के बाद दोनों देशों में यह संघर्ष भड़क उठा था। 7 मई से शुरू हुए इस संघर्ष में दर्जनों लोग मारे गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सबसे पहले सीजफायर की घोषणा की थी। साथ ही इसे फाइनल करने में अमेरिका की भूमिका को लेकर श्रेय भी लिया था।

रात भर चली झड़प के बाद भी सीजफायर जारी

फ्रांसीसी अखबार 'फ्रांस-24' ने 10 मई की शाम हुए सीजफायर और उसी रात सीजफायर उल्लंघन पर प्रतिक्रिया दी। अखबार ने लिखा कि रात भर चली चली झड़पों के बावजूद भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर जारी है।

दोनों के बीच चार दिनों तक चली यह लड़ाई पिछले 3 दशकों को सबसे भीषण संघर्ष था। दोनों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन दागे।

ट्रम्प की पत्नी दूसरे कार्यकाल में 14 दिन साथ रहीं

मेलानिया बोलीं- मां की जिम्मेदारी निभाना प्राथमिकता डॉक्यूमेंट्री और क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स पर फोकस

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रम्प के तेवर नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर तीखे हैं, लेकिन उनके निजी जीवन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उनकी पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प इस कार्यकाल में अब तक व्हाइट हाउस में काफी कम दिखी हैं। ट्रम्प के राष्ट्रपति बने 110 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मेलानिया ने इनमें से सिर्फ 14 दिन ही व्हाइट हाउस में बिताए हैं।

मेलानिया अपने डॉक्यूमेंट्री और क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स पर फोकस्ड हैं। वे ज्यादातर समय न्यूयॉर्क में रहती हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प 13 मई से मिडिल ईस्ट के दौरे पर जाएंगे, तब भी मेलानिया उनके साथ नहीं होंगी।

ट्रम्प पर पोर्न स्टार को चुप रहने

के लिए पैसे देने का मामला (हश मनी केस) कोर्ट में चला था। इस दौरान मेलानिया कोर्ट से दूर रहीं और चुनाव प्रचार में भी शामिल नहीं हुईं। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार से लौटते समय मेलानिया का 55वां जन्मदिन था। ट्रम्प उनसे मिले, लेकिन फिर दोनों अलग-अलग रास्तों पर चले गए।

मेलानिया अब तक सिर्फ कुछ ही आधिकारिक कार्यक्रमों में नजर आई हैं। मेलानिया ने व्हाइट हाउस की ईस्ट विंग में अपनी टीम नियुक्त की है, लेकिन वह खुद ऑफिस में कम आती हैं। व्हाइट हाउस के टूर ग्रुप्स को फर्स्ट लेडी मिलती हैं, लेकिन इस बार राष्ट्रपति ट्रम्प खुद सामने आए।

मेलानिया ने इंटरव्यू में कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता मां, पत्नी और फर्स्ट लेडी की भूमिका निभाना है। बेटे बैरन ट्रम्प (19) की देखरेख के लिए वे न्यूयॉर्क में ज्यादा समय बिता रही हैं। व्हाइट हाउस में मेलानिया की अनुपस्थिति के कारण राष्ट्रपति ट्रम्प खुद ऐसे काम कर रहे हैं जो फर्स्ट लेडी करती हैं। जैसे टूर ग्रुप्स से मिलना, महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करना।

मेलानिया की भूमिका इस कार्यकाल में सीमित हो गई है। भविष्य में वे व्हाइट हाउस में रहेंगी या नहीं ये साफ नहीं हैं। मेलानिया ने कहा था कि वे व्हाइट हाउस में रहेंगी जरूर, लेकिन जरूरत पड़ने पर न्यूयॉर्क और पाम बीच भी जाएंगी।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए चीनी जे-10सी जेट और पीएल-15 मिसाइलें

फिर ड्रैगन ने क्यों साधी है चुप्पी, समझें डर

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि उसने भारत के राफेल और सुखोई विमानों के खिलाफ चीन से मिले जे-10 सी विमानों को इस्तेमाल किया है। इन वमिानों में लंबी दूरी तक हवा से हवा में मार करने वाली पीएल-15 मिसाइलें लगी हुई थीं। चीन के सोशल मीडिया में जहां जे-10 सी की जमकर तारीफ हो रही है, वहीं शी जिनपिंग सरकार ने इस पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। भारत और पाकिस्तान की इस लड़ाई में मुनीर सेना ने जमकर चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया। चीन का एचक्यू 9 एयर डिफेंस सिस्टम भारत के हमले रोकने में बुरी तरह से फेल साबित हुआ। वहीं चीनी जे-10सी को चीन के लिए बहुत बड़ी सफलता करार दे रहे हैं। इस पूरे मामले पर चीन ने बहुत सतर्कता के साथ बयान दिया है।

हांगकांग के अखबार साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की सरकार ने यह चुप्पी बहुत सोच समझकर साध रखी है। इसके पीछे भूराजनीतिक और सैन्य वजहों से है। चीन की सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जिआन ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि चीनी वमिान भारत और पाकिस्तान के लड़ाई में शामिल थे। वहीं इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने खुलासा किया था कि भारत के हमले के दौरान चीन के राजदूत 4 बजे सुबह तक उनके कार्यालय में बैठे हुए थे। चीन ने अपने आधिकारिक बयान में केवल दोनों देशों से संयम बरतने के लिए कहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के इसे स्वीकार नहीं करने के पीछे बड़ी वजह भारत के साथ चल रहा राजनयिक और सैन्य तनाव है। गलवान हिंसा के बाद से ही भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हो पाए हैं। वहीं पाकिस्तान चीन का सदाबहार मित्र है तथा हथियारों का शीर्ष खरीदार है।

ट्रम्प को मिलेगा दुनिया का सबसे महंगा गिफ्ट

कतर दे रहा 33 हजार करोड़ का महल जैसा प्लेन, इसी हफ्ते दौरे पर जाएंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन, 12 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को दुनिया का सबसे महंगा गिफ्ट मिलने वाला है। कतर सरकार ट्रम्प को गिफ्ट में लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट देने वाली है। इस विमान की कीमत 400 मिलियन डॉलर (लगभग 33,000 करोड़ रुपए) है। ट्रम्प मंगलवार को को कतर के दौर पर जाएंगे। तब इसका आधिकारिक तौर पर ऐलान किया जा सकता है। यह गिफ्ट किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को मिलने वाला अब तक का सबसे महंगा विदेशी उपहार होगा।

हालांकि ऐलान के बाद भी ट्रम्प को यह गिफ्ट अभी नहीं मिलेगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक इसमें समय लग सकता है। 2029 में राष्ट्रपति ट्रम्प का

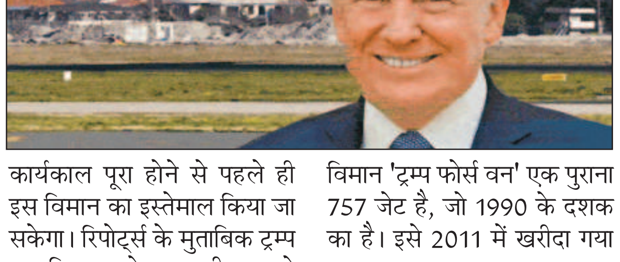

कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस विमान का इस्तेमाल किया जा सकेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इस विमान को अस्थायी रूप से एयर फोर्स वन के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करेंगे।

एयर फोर्स वन अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान होता है। फिलहाल ट्रम्प का निजी विमान 'ट्रम्प फोर्स वन' एक पुराना 757 जेट है, जो 1990 के दशक का है। इसे 2011 में खरीदा गया था।

कतर का प्लेन अभी के फोर्स वन से कहीं ज्यादा आधुनिक और शानदार है। हालांकि कतर ने इस बात से अब तक इनकार किया है कि प्लेन गिफ्ट में दिया जा रहा है।

पोप ने की जेलों में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील

वेटिकन, 12 मई (एजेंसियां)। पोप लियो 14वें ने सोमवार को दुनियाभर में जेलों में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति और प्रेस की आजादी एक अनमोल तोहफा है। उन्होंने यह बात बात उस समय कही, जब वह रोम में करीब 6,000 पत्रकारों में से कुछ से मिले। ये पत्रकार पहले पोप को चुनने की प्रक्रिया (कॉनक्लेव) को कवर करने पहुंचे थे।

पहले अमेरिकी पोप (69 वर्षीय) वेटिकन ऑडिटोरियम में पत्रकारों से मिलने पहुंचे। उन्हें देखते ही लोगों की भीड़ ने खड़े होकर तालियों से उनका स्वागत किया। यह उनका आम लोगों से मिलने का पहला कार्यक्रम था। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि वे शब्दों का इस्तेमाल शांति के लिए करें, युद्ध का विरोध करें और उन लोगों की आवाज बनें, जिनकी कोई आवाज नहीं है।

उन्होंने उन पत्रकारों के साथ एकजुटता जताई, जो सच की तलाश और रिपोर्टिंग करते हुए जेल में डाले गए हैं। पोप ने उनकी रिहाई की अपील की। इस पर वहां मौजूद लोगों ने एक बार फिर तालियां बजाईं।

उन्होंने कहा, जो पत्रकार युद्ध जैसी खौफनाक स्थिति में रिपोर्टिंग करते हैं, वे मानव गरिमा, न्याय और सूचना के अधिकार के सच्चे रक्षक हैं। एक जानकारी रखने वाला व्यक्ति की स्वतंत्र फैसले ले सकता है।

अब बच नहीं सकेंगे निजी डेवलपर्स

सरकार ने प्रस्तावित नई टाउनशिप पॉलिसी में जोड़ा नया प्रावधान

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार निजी डवलपर्स पर नकेल कसने जा रही है। निजी डेवलपर्स को आवासीय योजना विकसित करने के बाद 5 से 7 साल तक रख-रखाव भी करना होगा। इसके लिए योजना के कुल भूखंडों का 2.5 प्रतिशत हिस्सा गिरवी (रहन) रखा जाएगा, ताकि डवलपर सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, विद्युत तंत्र का नियमित रूप से रख-रखाव करता रहे। इन भूखंडों को 7 साल बाद ही रिलीज किया जाएगा। इसके बाद ही डवलपर को इन्हें बेचने की अनुमति होगी।

प्रस्तावित नई टाउनशिप पॉलिसी में यह प्रावधान भी जोड़ा जा रहा है। यदि डवलपर मेंटेनेंस नहीं करता है तो गिरवी रखे भूखंडों को बेचकर काम कराया जाएगा। इसके लिए स्थानीय विकास समिति को भी जिम्मेदारी दी जाएगी। अभी राजस्थान के लाखों भूखंडधारी बदहाल सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज से जूझ रहे हैं। न तो डवलपर उनकी सुनवाई करता है और न ही स्थानीय अथॉरिटी। अभी तीन साल तक मेंटेनेंस करने की बंदिश है।

टाउनशिप पॉलिसी के तहत डवलपर आवासीय योजना विकसित करता है तो स्थानीय अथॉरिटी (विकास प्राधिकरण, नगर विकास न्यास, शहरी निकाय) 12.5 प्रतिशत भूखंड गिरवी रखती है। इसे तब तक रिलीज नहीं करते हैं, जब तक की योजना में सभी सुविधाएं विकसित नहीं कर दी जाती। डवलपर जैसे ही सुविधाएं विकसित करके शपथ पत्र देता है तो उसके गिरवी रखे भूखंड रिलीज कर दिए जाते हैं। भले ही वह अगले तीन साल तक उसका मेंटेनेंस करे या नहीं। पॉलिसी में केवल दिखावे के लिए समय सीमा तय कर रखी है। इसका फायदा उठाकर कई डवलपर काम नहीं कर रहे।

योजना सृजित करते समय भी 12.5 प्रतिशत भूखंड गिरवी रखेंगे। सुविधाएं विकसित करने के बाद भी उसमें से 10 प्रतिशत भूखंड रिलीज करेंगे। बाकी 2.5 प्रतिशत भूखंड सात साल तक अथॉरिटी अपने पास रखेगी।

इस प्रावधान का सबसे बड़ा असर होगा कि डवलपर गुणवत्तापूर्ण काम करेगा, ताकि सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज व अन्य कार्य लम्बे समय तक बने रहें। क्योंकि, यदि सुविधाएं मेंटेनेंस के निर्धारित समय से पहले बदहाल होती हैं तो उसे सुधारने का जिम्मा डवलपर का होगा। उसे फिर पैसा खर्च करना पड़ेगा।

शान्ति धारीवाल की मुश्किलें बढ़ी

सरकार के इस कदम से पूर्व मंत्री टेंशन में

यपुर, 12 मई (एजेंसियां)। चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में अब पूर्व नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी जी एस संधू सहित अन्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

हाईकोर्ट इनकी याचिकाओं पर 14 मई से प्रतिदिन सुनवाई करेगा। इन पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार अब धारीवाल व अन्य आरोपियों के खिलाफ खड़ी होगी।

सरकार ने सोमवार को कोर्ट की अनुमति से केस रद्द करने के लिए दायर पुनरीक्षण याचिका वापस ले ली, वहीं पक्षकार बनाने के आग्रह के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अशोक पाठक को कोर्ट ने इन्टरवीनर बनाकर पक्ष रखने का मौका दे दिया।

मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव ने एकल पट्टा प्रकरण में पुनरीक्षण याचिका वापस लेने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र व पक्षकार बनने के लिए दायर अशोक पाठक की याचिका पर सोमवार को फैसला सुनाया। पाठक की ओर से अधिवक्ता वागीश कुमार सिंह ने कहा था कि मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा है और वादी के पास एकल पट्टा प्रकरण से सम्बन्धित प्रमाण हैं। ऐसे में उसे पक्षकार बनाया जाए।

वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा था कि जांच में नए तथ्य सामने आए, इस कारण सरकार पुनरीक्षण याचिका वापस लेना चाहती है।

पुनरीक्षण याचिका के जरिए राज्य सरकार ने अधीनस्थ अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें एकल पट्टा प्रकरण में केस वापस लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। धारीवाल व अन्य ने पाठक को पक्षकार बनाने और सरकार को पुनरीक्षण याचिका वापस की अनुमति देने का विरोध किया।

कोर्ट ने सरकार का पुनरीक्षण याचिका वापस लेने का प्रार्थना पत्र मंजूर करते हुए कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश के खिलाफ अन्य पुनरीक्षण याचिकाएं लंबित हैं और सरकार को याचिका जारी रखने के लिए बाध्य भी नहीं किया जा सकता।

'अमरीका के दखल से पूरा देश चिंतित'

गहलोत ने नेहरू और इंदिरा को किया याद; सरकार से पूछा- ऐसी क्या मजबूरी रही?

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर अमरीका की मध्यस्थता पर कांग्रेस लगातार हमलावर है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि 'पूर्व में भारत कभी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे नहीं झुका इसलिए ही हम देशवासियों के गले यह बात नहीं उतर रही है कि अमरीका राष्ट्रपति ने सीजफायर का ऐलान कैसे कर दिया।' साथ ही गहलोत ने कहा कि 'ऐसी क्या मजबूरी रही जिससे केन्द्र सरकार ने किसी तीसरे देश को दखल देने दिया।'

पूर्व सीएम गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 'वर्तमान परिस्थितियों में भारत के ऊपर बनाए गए अंतरराष्ट्रीय दबाव को देखकर मेरे बचपन के दो वाकये याद आते हैं जिसमें भारत ने सभी अंतरराष्ट्रीय दबावों को पाछे छोड़ कर कार्रवाई की थी।

गहलोत ने याद दिलाया 1961 का वाकया

उन्होने कहा कि ये 1961 की बात है जब मैं छठवीं कक्षा में था। 1961 तक गोवा राज्य पुर्तगाल के कब्जे में था। इसके भारत में विलय के लिए पंडित नेहरू की सरकार ने सैन्य ऑपरेशन विजय शुरू किया। पुर्तगाल नाटो का सदस्य देश था इसलिए पुर्तगाल के इलाके में सैन्य ऑपरेशन नाटो के खिलाफ माना जाता और भारत पर पश्चिमी देश आक्रमण कर सकते थे। अमेरिका के राजदूत ने भी पंडित नेहरू से मिलकर सैन्य कार्रवाई न करने का अनुरोध किया परन्तु पंडित नेहरू की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं सेना के शौर्य ने पुर्तगालियों को खदेड़ दिया और गोवा का भारत में विलय किया।

1974 में इन्दिरा ने सबको अनदेखा किया- गहलोत

गहलोत ने आगे कहा कि जब मैं यूनिवर्सिटी में आया यानी 1974 तक सिक्किम चोग्याल राजवंश का एक स्वतंत्र राजतंत्र था। यहां की महारानी अमरीका की रहने वाली थीं जिस वजह से सिक्किम को अमेरिका का समर्थन था। 1974 में इन्दिरा गांधी की सरकार ने सिक्किम के भारत में विलय के लिए अभियान चलाया। तब अमरीका ने भारत पर दबाव डाला और कार्रवाई तक की चेतावनी दी परन्तु इन्दिरा ने इस सबको अनदेखा कर सिक्किम को भारत का हिस्सा बनाया।

'अमरीका के दखल से पूरा देश चिंतित'- गहलोत

उन्होंने कहा कि पूर्व में भारत कभी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे नहीं झुका इसलिए ही हम देशवासियों के गले यह बात नहीं उतर रही है कि अमरीका राष्ट्रपति ने सीजफायर का ऐलान कैसे कर दिया। यह तो पूरी तरह हमारी सरकार का निर्णय होना चाहिए था। इन्दिरा जी के समय से ही भारत की नीति है कि भारत-पाकिस्तान के मामले में किसी तीसरे पक्ष का दखल नहीं होगा। हाल में हुए सैन्य ऑपरेशन पर अमरीका के दखल से पूरा देश चिंतित है कि ऐसी क्या मजबूरी रही जिससे केन्द्र सरकार ने किसी तीसरे देश को दखल देने दिया।

एसएमएस स्टेडियम को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सोमवार को खेल परिषद के कर्मचारियों को एक ई मेल मिला, जिसमें स्टेडियम को उड़ाने की बात कही गई थी। मेल में लिखा गया था कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा।

धमकी भरे इस ई मेल की जानकारी मिलते ही खेल परिषद के अधिकारियों ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद बम निरोधक दस्ता, क्यूआरटी और स्थानीय पुलिस सहित कई सुरक्षा एजेंसियां एसएमएस स्टेडियम पर पहुंच गईं और पूरे परिसर को खाली करवाकर सघन तलाशी शुरू कर दी।

पुलिस ने स्टेडियम के अंदर और आसपास के क्षेत्रों की तलाशी अभियान शुरू किया है लेकिन अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। इसके साथ ही साइबर टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है, जो धमकी भेजने वाले की पहचान में जुटी हुई है। फिलहाल एहतियातन स्टेडियम को पूरी तरह सील कर दिया गया है।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली हो।

8 मई को भी इसी तरह का एक मेल आया था, जिसमें स्टेडियम को उड़ाने की बात कही गई थी। उस समय भी पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन चलाया था। इसके अलावा फरवरी में एसएमएस मेडिकल कॉलेज को भी इसी तरह की धमकी मिली थी। कॉलेज प्रशासन को यह ई मेल 22 फरवरी की शाम को मिला था, जिसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई थी।

राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन नीरज के. पवन ने बताया कि ईमेल में लिखा गया है कि स्टेडियम में सक्सेसफुली बम लगाया जा चुका है। जल्द ही बड़ा धमाका किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस अब स्टेडियम की तलाशी ले रही है।

4 विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

सुप्रीम कोर्ट ने तय की 3 माह की डेडलाइन

जयपुर, 12 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के विधेयकों पर राष्ट्रपति के निर्णय के लिए 3 माह की डेडलाइन तय की, लेकिन आदेश के एक माह बाद भी वर्षों पहले दिल्ली भेजे गए राजस्थान के 4 विधेयकों को राष्ट्रपति की हरी झंडी का इंतजार है। इनमें ऑनर किलिंग के दोषियों और मिलावटखोरों को उम्रकैद की सजा दिलाने की मंशा के साथ विधानसभा से पारित विधेयक भी शामिल हैं।

विधानसभा से ऑनर किलिंग के खिलाफ विधेयक वर्ष 2019 में पारित हुआ, जबकि मिलावटखोरों पर सख्ती के लिए दण्ड विधियां (राजस्थान संशोधन) विधेयक वर्ष 2021 में पारित हुआ। इनके अलावा राज्यपाल की ओर से राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजे गए दो और विधेयक भी केन्द्र सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल रखे हैं।

देश की सबसे बड़ी टनल का निर्माण कार्य शुरू

130 किमी कम हो जाएगी दिल्ली-मुंबई की दूरी, कब से शुरू होगा यातायात?

कोटा, 12 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई ऐट लेन एक्सप्रेस-वे पर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व क्षेत्र में चार-चार लेन की देश की सबसे बड़ी दो टनल की खुदाई का कार्य पूरा होने के बाद अब इन टनल में सड़क निर्माण समेत अन्य विकास कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिए हैं। इसमें टनल के लिए सड़क का बेस वर्क, टनल की दीवारों को सुदृढ़ करने के लिए प्रोटेक्शन वॉल तथा टनल के दोनों सिरों पर 'कट एंड कवर' तकनीक से कवरिंग का कार्य शामिल है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के इस हिस्से में पहाड़ी को काटकर दो समानांतर टनल बनाई जा रही हैं, प्रत्येक में चार-चार लेन होंगे। दोनों टनल की कुल लंबाई 4.9 किमी है, जिनमें से 3.3 किमी पूर्ण टनल होगी, जबकि शेष 1.6 किमी 'कट एंड कवर' तकनीक से निर्मित की जाएगी। इनमें से पहली टनल का खुदाई कार्य 28 फरवरी को और दूसरी का 10 अप्रेल को पूरा किया गया।

कच्चे पत्थर और जलधारा से धीमा हुआ कार्य

टनल निर्माण के दौरान मुकुंदरा हिल्स की पहाड़ियों में कच्चे पत्थर और पानी आने के कारण खुदाई का कार्य धीमा हो गया था। निर्माण एजेंसी ने सतर्कता बरतते हुए खुदाई के साथ-साथ टनल की मजबूती का कार्य भी समानांतर रूप से किया। पहले यह टनल जनवरी 2024 तक पूरी होनी थी, लेकिन अब इसे दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

दिल्ली-मुंबई की दूरी होगी 130 किमी कम

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है। इसके बन जाने के बाद दिल्ली से मुंबई की दूरी लगभग 130 किलोमीटर कम हो जाएगी। अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस मार्ग पर निर्बाध यातायात संभव होगा और यात्रा समय घटकर मात्र 12 घंटे रह जाएगा।

दुनिया की बेहतरीन तकनीक का होगा समावेश

दरा टनल में विश्वस्तरीय तकनीकों और उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का समावेश किया जा रहा है। खुदाई का कार्य पूर्ण होने के बाद अब सड़क निर्माण सहित अन्य कार्यों ने गति पकड़ ली है। टनल में एआई आधारित मॉनिटरिंग, अत्याधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम, फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, मोबाइल नेटवर्क बूस्टर, एफएम फ्रीक्वेंसी सिस्टम तथा विशेष लक्स लाइटिंग इफेक्ट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जो वाहन चालकों को सुरक्षित एवं आधुनिक यात्रा का अनुभव देंगी।

निर्माण पूर्णता का लक्ष्य : दिसंबर 2025

दरा में टनल की खुदाई का कार्य पूरा होने के साथ ही अन्य निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। वर्ष के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य लेकर मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। सड़क निर्माण, तकनीकी कार्यों और कट एंड कवर तकनीक से संबंधित कार्य भी तेजी से जारी हैं।

आंधी के साथ गरजे बादल

20 से ज्यादा जिलों में येलो अलर्ट जारी

चूरू, 12 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में 13 मई से और पूर्वी राजस्थान में 14 मई से अधिकांश स्थानों पर आंधी बारिश की गतिविधियों में कमी आने और आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि होने की संभावना हैं। जिसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले 2 दिन मेघगर्जन, वज्रपात, आंधी और बारिश की संभावना जताते हुए 15 मई से हीटवेव का येलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। यानी कुछ दिनों बाद गर्मी भयंकर परेशान करने वाली है। मौसम विभाग ने कल के लिए मेघगर्जन, वज्रपात, आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जिनमें अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर, पाली और श्रीगंगानगर जिले शामिल है।

वहीं कल(13 मई) को अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तोड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सिरोही, टोंक, और उदयपुर जिले शामिल है। जिसके बाद 15 और 16 मई को बारिश की गतिविधयां कम हो जाएगी और गर्मी बढ़ जाएगी। जिसके कारण बीकानेर और श्रीगंगानगर में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया है। सुबह से सूर्यदेव आक्रांमक नजर आए और दोपहर तक चिलचिलाती धूप से गर्मी के तेवर तीखे हुए। तेज धूप से तापमापी परा उछला और शाम को आई तेज आंधी से आसमान में धूल की गर्द छाई।

जीप ने बाइक को मारी टक्कर, नवदंपती और किशोर की मौत

मृतक दंपती की 4 मई को हुई थी शादी

बांसवाड़ा, 12 मई (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे 56 पर बीती रात को बाइक सवार नवदंपती को एक बेकाबू जीप ने चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल दंपती के साथ उनके ही परिवार के एक किशोर की भी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक जीप छोड़ भागा। पुलिस अब जीप नंबर के आधार पर चालक की तलाश में है।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना रात करीब साढ़े नौ बजे हाईवे पर मुड़ासेल पंचायत अंतर्गत नाड़ातोड़ घाटी पर हुई। मुड़ासेल का ही निवासी 22 वर्षीय सुनील पुत्र भगवानिया निनामा बाइक पर 21 वर्षीया पत्नी अंजू और तेरह साल के उसके छोटे भाई कन्हैयालाल पुत्र बंसीलाल चरपोटा को अपने ससुराल घाटोल क्षेत्र के खेड़ीपाड़ा गांव ले जा रहा था। इसी बीच, हाईवे पर पीपलखूंट की तरफ से तेजी से आती जीप ने चपेट में ले लिया।

इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हुए। दुर्घटना के बाद जीप छोड़कर चालक भाग गया। सूचना पर परिजन और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। तीनों घायलों को बांसवाड़ा के एमजी अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान एक के बाद एक, तीनों की मौत हो गई। हादसे को लेकर मृतक सुनील के पिता ने रिपोर्ट दी। इस पर केस दर्ज कर खमेरा थाने के एएसआई लेखाराम ने कार्रवाई की। पुलिस अब आगे जांच कर रही है।

सुनील की शादी गत 4 मई को ही हुई थी। नई नवेली दुल्हन अंजू के साथ उसके भाई कन्हैया का जीवन भी हादसे ने छीन लिया। घटना की जानकारी पर उधर मुड़ासेल में तो इधर घाटोल क्षेत्र के खेड़ीपाड़ा में कन्हैया के गांव में मातम छा गया। बांसवाड़ा में पोस्टमार्टम करवाकर शव सौंपने पर दंपती को मुड़ासेल और कन्हैया को खेड़ीपाड़ा ले जाया गया, तो शव देखकर हर कोई रो पड़ा। गमगीन माहौल में शाम को तीनों की अंत्येष्टि हुई।

साठ साल में 2800 प्रसव करवाकर नवजातों को दी जिंदगी

दाई मां का सम्मान करने पहुंचीं उपमुख्यमंत्री

अजमेर, 12 मई (एजेंसियां)। मातृ दिवस के अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जिले के कोटड़ी गांव पहुंचकर 85 वर्षीय सुवा दाई मां को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने जीवन के 60 वर्षों में 2800 से अधिक बच्चों का सुरक्षित प्रसव कराकर निःस्वार्थ सेवा और मातृत्व का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। महज 24 वर्ष की आयु में इस सेवा यात्रा की शुरुआत करने वाली सुवा दाई मां ने उस समय अपनी महती भूमिका निभाई, जब गांवों में बिजली, चिकित्सा और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। आज भी वे कोटड़ी, झाखोलाई, भेरवई और करडाला गांवों की महिलाओं को प्रसव सहायता, गर्भावस्था परामर्श और पोषण व स्वच्छता से जुड़ी सलाह देती हैं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस मौके पर कहा कि सुवा दाई मां त्याग, समर्पण और मातृत्व की प्रतिमा हैं। उन्होंने उस समय मां और नवजात के लिए सुरक्षा और ममता का कवच प्रदान किया, जब आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं केवल सपने जैसी थीं। उस समय उनकी सेवा भावना किसी से कम नहीं आंकी जा सकती। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नायकों को मंच पर लाना हमारा कर्तव्य है, जो चमक-धमक से दूर रहकर समाज को जीवन देने का कार्य करते हैं। सुवा दाई मां की कहानी यह बताती है कि हर महिला में शक्ति है बस उसे पहचान और सम्मान की आवश्यकता है।

जैसलमेर में मिला बम, तत्काल सूचना पर सेना के जवानों ने किया डिस्पोज

जैसलमेर, 12 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर शहर से करीब 10 किमी दूर सुनसान इलाके में बम जैसी एक चीज मिली। ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने भारतीय सेना को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। फिर सेना के बम निरोधक दस्ते ने इसको कब्जे में लिया और डिस्पोज कर दिया।

फिलहाल जैसलमेर शहर और आसपास के बॉर्डर इलाके में शांति का माहौल है। आमजन भारतीय सेना में अपना विश्वास जताते नजर आ रहे हैं। इससे बाजारों में चहल-पहल भी बढ़ी है और ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। हालांकि अगले आदेश तक स्कूल बंद रखे गए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद हालात सामान्य होने लगे हैं। हालांकि रविवार रात सात बजकर 30 मिनट से ब्लैकआउट की घोषणा की गई, जो सोमवार सुबह छह बजे तक जारी रही। सोमवार सुबह से हालात सामान्य होने लगे और धीरे-धीरे बाजार खुलने लगे। लोग अलसुबह ही चाय की थड़ियों पर मंडराते हुए चुस्कियों के साथ चर्चा करते नजर आए। हालांकि ब्लैकआउट की रात किसी भी तरह की हलचल नहीं हुई और शांति से गुजरी।

इधर, प्रशासन की ओर से लोगों को घरों में रहने और ब्लैकआउट के नियमों का पालन करने की अपील की गई। प्रशासन और पुलिस की टीमें ब्लैकआउट के पालन के लिए शहर में गश्त पर रहीं।

डीजे सेटअप लगाते समय करंट लगने से हुई मौत

अलवर, 12 मई (एजेंसियां)। जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के काला खोह गांव में एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय युवक गिर्राज सिंह नरुका की मौत हो गई। वह डीजे लगाने के दौरान 11 हजार केवी की हाई वोल्टेज बिजली लाइन की चपेट में आ गया था। मृतक अलवर शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र के नयाबास का निवासी था और परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। जानकारी के अनुसार गिर्राज डीजे सेटअप के काम से काला खोह गांव गया था, वहां कार्यक्रम स्थल पर डीजे का गेट लगाते समय वह हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। इसी दौरान डीजे का भारी गेट भी अचानक टूटकर उसके ऊपर गिर पड़ा। गंभीर झटका लगने और गेट के नीचे दबने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि गिर्राज की दो वर्षीय बेटी भी है और परिवार पूरी तरह उसकी कमाई पर निर्भर था।

हत्या के मामले के पांच आरोपी गिरफ्तार
हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पेट-बशीराबाद पुलिस ने सैयद सिद्दीक नामक व्यक्ति की नृशंस हत्या में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में शेख अहमद उर्फ नूर, निवासी माचा बोलराम, शेख रहमत, निवासी माचा बोलराम, कोडिम्याला शशि कुमार, निवासी माचा बोलराम, वाग्मर राज कमल, निवासी माचा बोलराम, वरिकुप्पला जम्पन्ना, निवासी ओल्ड अलवाल शामिल है। मृतक सैयद सिद्दीक, गवर्नमेंट् बॉयज स्कूल के पास, मेडचल का रहने वाला था। वह अपने पिता सैयद कुद्दुस के साथ पिछले 15 वर्षों से साप्ताहिक बाजारों में सब्जी विक्रेताओं को बैटरी लाइट की आपूर्ति करने का व्यवसाय कर रहा था। उनका शेख मोहम्मद और उनके बेटों के साथ व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता चल रही थी, जो उसी व्यवसाय में लगे हुए थे। इस प्रतिद्वंद्विता के कारण अक्सर झगड़े होते थे और एक-दूसरे को व्यवसाय से बाहर निकालने के लिए धमकाने की आपसी कोशिशें होती थीं। मार्च 2025 में, मेडचल साप्ताहिक बाजार में एक टकराव हुआ, जिसके दौरान सैयद सिद्दीक ने शेख अहमद उर्फ नूर पुत्र शेख मोहम्मद पर हमला किया, जिससे वह घायल हो गया था। उसने ने मेडचल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया। तब से, सिद्दीक और उसका परिवार आरोपी पर मामला निपटाने और शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा था। हालांकि, शेख अहमद उर्फ नूर और उसका परिवार समझौता करने को तैयार नहीं थे। इसके बाद, सैयद सिद्दीक ने कथित तौर पर उसको धमकी दी कि अगर मामला वापस नहीं लिया गया और आरोपी व्यवसाय से बाहर नहीं निकला, तो वह उसे और उसके परिवार को मार देगा। अपनी सुरक्षा के डर और गहरी दुश्मनी रखते हुए, शेख अहमद उर्फ नूर का मानना था कि सिद्दीक अनिवार्य रूप से उसे और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने योजना को अंजाम देने के लिए रहमत के दोस्तों राज कमल, शशि कुमार और जपन्ना की मदद ली। बीते शनिवार को सभी पांचों आरोपी माचा बोलराम, अलवाल में शेख अहमद उर्फ नूर की वेल्डिंग शॉप पर एकत्र हुए, जहां पर नूर ने हत्या की योजना के बारे में बताया। समूह ने हत्या को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। पुलिस उपायुक्त मेडचल जोन, साइबराबाद एन. कोटि रेड्डी ने बताया कि 11 मई को आरोपी फिर से उसी स्थान पर एकत्र हुए। यह जानते हुए कि सैयद सिद्दीक कोमपल्ली के सेंट्रल पार्क के पास साप्ताहिक बाजार में मौजूद था। शाम को सभी लोगों के सामने पांचों आरोपियों ने सैयद सिद्दीक फर हमला किया। हमले के बाद वे मौके से फरार हो गए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी का उपयोग करते हुए, पुलिस ने संदिग्धों की सफलतापूर्वक पहचान की और उनका पता लगाया। सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया और उनसे पूछताछ की गई और आरोपियों ने हत्या में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। पेट-बशीराबाद पुलिस मामले को सुलझाने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने में जांच टीम के त्वरित समन्वय और प्रयासों की सराहना करती है।

बीआरएस ने नयनी नरसिम्हा रेड्डी को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने सोमवार को तेलंगाना भवन में पूर्व मंत्री नयनी नरसिम्हा रेड्डी को उनकी 85वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में उनकी भूमिका और हैदराबाद के लोगों के लिए उनके योगदान को याद किया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने 1969 में तेलंगाना राज्य आंदोलन के प्रति नरसिम्हा रेड्डी की प्रतिबद्धता को याद किया और उसके बाद 2001 से लेकर पूरे राज्य आंदोलन के दौरान उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। उन्होंने राज्य के पहले गृह मंत्री के रूप में उनके गतिशील कार्यकाल को याद किया।

उन्होंने कहा कि 70 साल की उम्र में भी नयनी गरू ने एक युवा व्यक्ति के उत्साह के साथ काम किया। एक मंत्री के रूप में आंदोलन के दौरान झूठे मामलों को वापस लेने में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा।

रामा राव ने नरसिम्हा रेड्डी को एक ऐसा नेता बताया जिन्होंने व्यक्तिगत लाभ के बजाय श्रमिकों के अधिकारों को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि नरसिम्हा रेड्डी बीआरएस के संस्थापक सदस्य थे जो पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव के साथ भाई की तरह खड़े थे।

कविता ने टीजीआईआईसी को सार्वजनिक कंपनी में बदलने के प्रयास का किया पर्दाफाश

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांचा गच्चीबावली में जमीन बेचने के अपने फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट में पहुंची कांग्रेस सरकार अब तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के नियंत्रण में लगभग 1.75 लाख एकड़ जमीन पर दांव लगा रही है। इसके अनुसार, सरकार अब कथित तौर पर निगम को एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी में बदलने की साजिश कर रही है। सरकार ने 15 अप्रैल को जीओ नंबर 12 जारी किया, जिसमें टीजीआईआईसी की स्थिति को निजी लिमिटेड कंपनी से बदलकर सार्वजनिक लिमिटेड इकाई बनाने का अधिकार दिया गया। इस बदलाव का उद्देश्य बॉन्ड, डिबेंचर या संभावित आईपीओ के माध्यम से पूंजी बाजारों तक पहुंच को सक्षम करके बड़ी उधारी को सुविधाजनक बनाना है।

सोमवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीओ जारी करते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने रेवंत रेड्डी सरकार पर बड़े पैमाने पर लोन लेने के लिए तेलंगाना की जमीनों को स्टॉक एक्सचेंज में गिरवी रखने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने इस कदम के पीछे की गोपनीयता पर सवाल उठाते हुए जीओ को तुरंत वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि मेरे पास ठोस सबूत हैं। इस बदलाव को जनता से क्यों छिपाया गया? अगर बाजार में घाटा हुआ तो तेलंगाना की जमीनों का क्या होगा? यह लोगों के भरोसे के साथ धोखा है। कविता ने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी सरकार ने मात्र 16 महीनों में 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार ले लिया, जबकि कोई भी प्रमुख कल्याणकारी योजना पूरी तरह लागू नहीं की गई।

उन्होंने राज्य के वित्त पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग करते हुए दावा किया, इसका कुछ हिस्सा प्रशासन और ऋणों के पुनर्भुगतान पर खर्च किया गया, जबकि लगभग एक लाख करोड़ रुपये बड़े ठेकेदारों को दिए गए, जिनमें से 20,000 करोड़ रुपये रेवंत रेड्डी को कमीशन के रूप में दिए गए। सरकारी आदेश के अनुसार शेयरधारकों की संख्या मौजूदा चार से बढ़ाकर सात कर दी गई है, जो रूपांतरण के लिए कानूनी मानदंडों को पूरा करती है। टीजीआईआईसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि टीजीआईआईसी का दर्जा बदलकर सार्वजनिक कंपनी कर दिए जाने के परिणामस्वरूप, इसकी सभी सहायक कंपनियों का दर्जा भी बदलकर सार्वजनिक कंपनियों में बदल जाएगा। दर्जे में बदलाव के परिणामस्वरूप बॉन्ड और डिबेंचर के लिए द्वितीयक बाजारों में निवेशकों की व्यापक भागीदारी भी होगी, जिससे कंपनी को अधिक ऋण जुटाने में मदद मिलेगी।

सार्वजनिक कंपनियों को अक्सर भविष्य के वित्तपोषण को सुरक्षित करना आसान लगता है, यानी उन्हें अधिक धन उधार लेने में सक्षम बनाता है।

गांजा पीने और उपद्रव करने से रोकने पर समूह ने कर दी चौकीदार की हत्या

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात को केपीएचबी में उपद्रव न करने के लिए कहने पर कुछ लोगों के एक समूह ने एक चौकीदार पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित वेंकटरमण और उसके भाई जगदीश ने पार्क में कथित तौर पर गांजा पीने वाले लोगों के एक समूह को देखा और उपद्रव मचाया। दोनों भाई मौके पर गए और उन्हें उपद्रव न करने के लिए कहा और उनकी तस्वीर लेने की धमकी दी। केपीएचबी पुलिस ने कहा कि इससे उत्तेजित होकर लोगों के एक समूह ने वेंकटरमण पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अपराध में शामिल लोगों को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की निगरानी कर रहे हैं।

करंट लगने से दो लोगों की मौत

मेदक, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पपन्नापेट में रविवार को एक महिला की उस समय करंट लगने से मौत हो गई जब वह सड़क पर इमर्शन हीटर का इस्तेमाल कर रही थी। भूपति की पत्नी बेस्टा भाग्यलक्ष्मी (35) जब नहाने के लिए पानी निकाल रही थी, तभी उसने हीटर की रॉड डूबी होने के बावजूद पानी को छू लिया। वह करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। उनकी दो बेटियां हैं। एक अन्य घटना में, रविवार को हवेलीघनपुर मंडल के लिंगासनपल्ली में एक 10 वर्षीय लड़के की बिजली गिरने से मौत हो गई। रितिक अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए अपने घर की छत पर चढ़ा, तभी वह रेलिंग से छू गया। चूंकि रेलिंग का एक हिस्सा ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन को छू रहा था, इसलिए उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

निजी डिग्री कॉलेजों ने वापस ली हड़ताल
सेमेस्टर परीक्षाओं में सहयोग का लिया फैसला

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार से शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी करने की मांग को लेकर अपनी 40 दिवसीय हड़ताल को समाप्त करते हुए तेलंगाना निजी डिग्री और पीजी कॉलेज प्रबंधन संघ (टीपीडीएमए) ने सोमवार को बुधवार से शुरू होने वाली डिग्री सेमेस्टर परीक्षा आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने का निर्णय लिया।

यह निर्णय टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रो. वी. बालकिशन रेड्डी के आश्वासन के बाद लिया गया है, जिन्होंने एसोसिएशन के अनुसार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पिछले कुछ वर्षों की फीस प्रतिपूर्ति बकाया राशि जारी करने में देरी के कारण निजी डिग्री और पीजी कॉलेजों की खराब वित्तीय स्थिति से अवगत कराया था। एसोसिएशन के अनुसार अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को अगले तीन दिनों में आरटीएफ (शुल्क प्रतिपूर्ति) जारी करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। टीजीसीएचई अध्यक्ष के आश्वासन से आश्वस्त होकर, टीपीडीएमए ने घोषणा की कि वे 14 मई से शुरू होने वाली आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए सभी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करेंगे।

मंचेरियल में आम, धान के किसान बेमौसम बारिश से परेशान

मंचेरियल, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कई हिस्सों में कुछ दिन पहले हुई बेमौसम बारिश के कारण लगभग 4,000 एकड़ में लगे आम के बागों को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 30 अप्रैल से 6 मई के बीच तेज आंधी के साथ बेमौसम बारिश हुई। इसके परिणामस्वरूप, नेन्नल, भीमाराम, बेल्लमपल्ली, जयपुर, मंदामरी और थंडूर मंडलों में 3,%13 एकड़ में कटाई के चरण में पहुंच चुके आम के बाग प्रभावित हुए। खेतों और सड़कों पर आम बिखरे पड़े थे, जो तबाही की भयावहता को दर्शाते थे।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भीमाराम मंडल में सबसे अधिक 23.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, उसके बाद 2 मई को नेन्नाल में 21.3 मिमी बारिश हुई। जिले की औसत बारिश 5.2 मिमी रही। जयपुर मंडल में 10 मिमी बारिश हुई, जबकि कन्नेपल्ली में क्रमशः 9.1 मिमी और 6.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। 4 और 6 मई को भी हल्की बारिश दर्ज की गई। परेशान किसानों ने कहा कि उन्हें इस मौसम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने सरकार से नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण करने और जल्द से जल्द मुआवजा देने का आग्रह किया। कई उत्पादकों ने बताया कि उन्होंने बागों की खेती के लिए काफी रकम निवेश की थी।

नेन्नल मंडल के अवदम गांव के आम किसान राजा गौड़ ने बताया कि बेमौसम बारिश ने आम के बागों पर कहर बरपाया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने अफसोस जताया कि बागवानी करने वाले किसान बारिश और आंधी के कारण गिरे आमों को इकट्ठा करने के लिए मजदूर नहीं रख पाए। इस बीच, 862 एकड़ में उगाई गई और काटी जा रही धान की फसल अप्रत्याशित बारिश से प्रभावित हुई। खरीद केंद्रों पर रखा करीब 2 लाख मीट्रिक टन धान भीग गया, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। जिले में यासांगी सीजन-2025 में 1.21 लाख एकड़ में फसल उगाई गई थी। अधिकारियों को उम्मीद है कि जिले में 3.23 मीट्रिक टन धान की पैदावार होगी। अधिकारियों ने बताया कि फसल नुकसान का सर्वेक्षण करके प्रभावित किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए रिपोर्ट तैयार की गई है।

आयुक्त आर.वी. कर्णन ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने क्षेत्रीय आयुक्त रवि किरण के साथ सोमवार को सिकंदराबाद क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में किए गए विकास कार्यों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। इस अवसर पर तारनाका, चिलकलगुडा, पाटीगड्डा, रसूलपुरा, प्रकाशनगर आदि क्षेत्रों में प्रस्तावित विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया।

चिलकलगुडा एचसीआईटीआई-आरयूबी के प्रस्तावित स्थल पर तारनाका जंक्शन द्वीप के निर्माण कार्यों के साथ-साथ हरियाली सुधार कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे सीएंडडी अपशिष्ट को न हटाने वालों पर जुर्माना लगाएं। एओसी-एचसीआईटीआई ने प्रस्तावित सड़क का निरीक्षण किया। आयुक्त ने रसूलपुरा एचसीआईटीआई फ्लाईओवर के प्रस्तावित स्थल, सरेखण कार्यों और पाटीगड्डा आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज)- एचसीआईटीआई फ्लाईओवर सड़क विस्तार के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रकाशनगर आईओसी बैंक और एचपीएस के पास जलभराव बिंदुओं का निरीक्षण करने और तुरंत गाद निकालने का काम शुरू करने के निर्देश दिए। जोनल और डिप्टी कमिश्नरों को फील्ड डेटा, जीआईएस डेटा और स्केच के आधार पर संपत्ति कर पर एक सप्ताह के भीतर पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। आयुक्त के साथ जोनल आयुक्त रवि किरण, उपायुक्त, नगर नियोजन अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की बाला-नगर शाखा के चुनाव सम्पन

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बाला-नगर शाखा के चुनाव शाखा संस्थापक प्रमोद मोदी के कार्यालय में संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष नवीन बंसल, उपाध्यक्ष अंकुर सिंघानिया, मानंद मंत्री विनय सिंघानिया, सहमंत्री विनीत खेतान, कोषाध्यक्ष विष्णु कामदार चुने गए।

कार्यकारिणी सदस्यों में मोहित सिंगनोडिया, तनिश अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में संजय अग्रवाल, सलाकार समिति में ओमप्रकाश अग्रवाल, कांतिप्रसाद कामदार, सुरेंद्र अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल तथा महिला सदस्य के रूप में आशु बंसल, अक्षिता सिंघानिया को सर्व समिति से चुना गया। शाखा चेयरमैन प्रमोद मोदी ने सभी पदाधिकारियों को कहा कि आसपास में जितने भी अग्रबंधु हैं और जो किसी भी शाखा के सदस्य नहीं है, उन्हें समाज से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करना चाहिए। शाखा के मानद मंत्री सुनील मित्तल ने अग्रवाल समाज द्वारा मैरिज डेटा कमेटी में जुड़ने ओर शादी की उम्र के आये और अपने- अपने बच्चों के बायो डाटा भेजें।

पैरा शटलर कृष्णा ने अपना पदक भारतीय सशस्त्र बलों को किया समर्पित

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पैरा शटलर कृष्णा नागर को छठे फ़ज़ा दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि, टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने अपने प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त करते हुए आत्म-आलोचनात्मक रुख अपनाया और और अधिक मजबूत होकर लौटने का संकल्प लिया।

कृष्णा ने कहा कि मुझे पता है कि मैं और बेहतर कर सकता हूँ। यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, और मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूँ। अब मेरा पूरा ध्यान सुधार और आगे की तैयारी पर है। दृढ़ निश्चयी शटलर आगामी बहरीन पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए बहरीन पहुँच चुके हैं, जहाँ उनका लक्ष्य कोर्स को सही करना और उस तरह का प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह सक्षम हैं। कृष्णा ने अपनी मानसिकता को रीसेट करने और उठने के लिए बदलते हुए पूरे जोश के साथ प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

एक मार्मिक श्रद्धांजलि देते हुए, कृष्णा ने अपना कांस्य पदक भारत के रक्षा बलों को समर्पित किया, राष्ट्र की सुरक्षा में उनके अथक प्रयासों को स्वीकार किया। "यह पदक वर्दी में उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए है जो हमारे देश की रक्षा के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका साहस मुझे कोर्ट पर लड़ते रहने के लिए प्रेरित करता है। बहरीन टूर्नामेंट के नजदीक आने के साथ ही कृष्णा नागर एकाग्रचित्त, उत्साहित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लय हासिल करने के लिए तैयार हैं।

श्री पाबूजी महाराज मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा 18 को

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मोटरास स्थित श्री पाबूजी महाराज मंदिर प्रांगण में भोपाजी स्व.श्री नन्दाजी की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा व भंडारा दो दिवसीय कार्यक्रम 17 व 18 मई भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक चेतन नायक व धार्मिक सेवा समिति के परबत सोलंकी ने बताया कि भोपाजी गुरुवर स्व.श्री नन्दाजी की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा व भंडारा कार्यक्रम ग्राम वासियों व भक्तों के सानिध्य में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। शनिवार 17 मई जेष्ठ बदी 5 प्रात: वेला में मंदिर को लाईटिंग व फूलों से सजाकर प्रात: 8.15 बजे देवपूजन, प्रात: 11.15 बजे से हवन एवं सायं 6.15 बजे से मूर्ति अभिषेक पंडितों के मंत्रोच्चारण से एवं रात्रि 8.15 बजे से जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रविवार 18 मई जेष्ठ बदी 6 अभिजीत मूहुर्त में पुजा-अर्चना कर भोपाजी स्व.श्री नन्दाजी की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा भक्तों के सानिध्य में मध्यान 1.15 बजे कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पधारे भक्तों के लिए महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन मध्यान 2 बजे से किया जाएगा। जिसमें गुरुवर के हजारों भक्त सपरिवार लाभ लेंगे। ग्रामवासी व देश के विभिन्न क्षेत्रों हैदराबाद, बैंगलोर, मद्रास में बसे गुरुवर के भक्तगण कार्यक्रम में भाग लेंगे। जो भी भक्त मूर्ति स्थापना व भंडारा में सहयोग करना चाहे वे धार्मिक सेवा समिति हैदराबाद के फोन-पे, या जी-पे द्वारा कर रसीद प्राप्त कर सकते है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में भोपाजी पोकरमल, चेतन नायक, परबत सोलंकी, तीर्थराजसिंह, सुगनाराम, भगवानसिंह, घनश्यामसिंह सोलंकी, महेन्द्रसिंह भाटी, सुरेन्द्रसिंह खींची, ग्रामवासी व बहुत से कार्यकर्ता सहयोग देंगे। गुरुवर के भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर लाभ लेवे।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के 52वां युवा दिवस
तेरापंथ युवक परिषद द्वारा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने हिमायतनगर में आचार्य श्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इसके उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पटोत्सव, जन्मोत्सव को भी मनाया गया। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी द्वारा सामूहिक रूप से करवाए गए आचार्य श्री महाश्रमण जी के विशेष मंत्र जाप के साथ हुआ। परिषद् के 11 युवकों ने महिला मंडल की बहिनों के साथ महाश्रमण अष्टकम का संगान किया। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती ने पटोत्सव, जन्मोत्सव और युवा दिवस के संदर्भ में आचार्य श्री के प्रति अपने भाव प्रेषित किये। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के युवा दिवस के राष्ट्रीय संयोजक अभिनंदन नाहटा ने अपने स्वागत भाषण के साथ युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

तेरापंथी महिला मंडल की 52 महिलाओं ने अपने गणवेश में एक मधुर विशेष गीत प्रस्तुत किया। साध्वी मेरुप्रभा जी ने भी एक सुंदर गीत गाकर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। तेरापंथ किशोर मंडल की ओर से संयोजक ऋषभ चिंडालिया और सह-संयोजक रुद्र बैद के साथ एक किशोर ने एक रोचक लघु नाटिका प्रस्तुत की। जिसमें मुनि सुमेरमल और मोहन के बीच संवाद को दर्शाया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'पानी और खून ...

न्यू नॉर्मल कर दिया है।पहला- आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। अपने तरीके से अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे, हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकी जड़ें निकलती हैं। दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। उसकी आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। तीसरा- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पाकिस्तान का घिनौना सच देखा है जब मारे गए आतंकियों को विदाई देना पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सर आतंकवाद का ये बड़ा सबूत है। हम भारत और नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार निर्णायक कदम उठाते रहेंगे। युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। हमने न्यू एज वारफेयर में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। इस ऑपरेशन के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता सिद्ध हुई। दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के वारफेयर में मेड इन इंडिया डिफेंस इक्विपमेंट का समय आ चुका है।

'युद्ध बॉलीवुड की ...

खासकर बच्चे, जो बमबारी की वजह से रातें बंकरों में बिताने के लिए मजबूर हैं। नरवणे ने कहा कि जिन लोगों ने लड़ाई में अपनों को खोया है, उसका सदमा अब पीढ़ी दर पीढ़ी रहेगा। एक पीटीएसडी (पोस्ट ट्रोमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) नामक समस्या के चलते पीड़ित लोग 20 साल बाद भी घबराहट और चिंता का शिकार रहते हैं। ऐसे लोगों को कई बार मनोचिकित्सक की मदद लेनी पड़ती है।

गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारत ने 6-7 मई की मध्य रात्रि पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इससे दोनों देशों में संघर्ष छिड़ गया। हालांकि शनिवार शाम को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बन गई। हालांकि शनिवार रात को ही पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसका भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि रविवार को शांति रही।

वायुसेना ने कहा...

इस दौरान डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की एयर डिफेंस कार्रवाई को हमें एक संदर्भ में समझने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में आतंकी गतिविधियों के कैरेक्टर में बदलाव आ रहा था, अब हमारी सेना के साथ-साथ निर्दोष लोगों पर भी हमला हो रहा था। 2024 में शिवखोड़ी मंदिर की ओर जाने वाले तीर्थयात्री और इस साल अप्रैल में पहलगाम में मासूम पर्यटक। पहलगाम तक उनका पाप का घड़ा भर चुका था... क्योंकि आतंकियों पर हमारे सटीक हमले एलओसी और आईबी को पार किए बना किए गए थे, हमें पूरा अंदेशा था कि पाकिस्तान का हमला भी सीमा पार से ही होगा, इसलिए हमने एयर डिफेंस की तैयारी की थी... जब 9-10 मई को पाकिस्तान की वायुसेना ने हमारे एयर फील्ड और लॉजिस्टिक इंस्टॉलेशन पर हमला किया, तो वे इस मजबूत एयर डिफेंस ग्रिड के सामने विफल हुए।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि, जो दुर्दशा आपने पहले और कल पाकिस्तान एयरफील्ड की देखी और एयर मार्शल की प्रस्तुति आज देखी। हमारे एयरफील्ड हर प्रकार से ऑपरेशनल है। पाकिस्तान के ड्रोन हमारे ग्रिड के कारण नष्ट हुई.... मैं यहां पर अपने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की सहराना करता हूं... जिसके कारण पाकिस्तान की नापाक हरकतों का विनाश किया गया।

भारत-पाकिस्तान तनाव ...

एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और अन्य उड्डयन प्राधिकरणों ने नोटम (नोटिस टू एयरमेन) जारी कर इन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना दी थी। अब स्थिति में सुधार के संकेत मिलने के बाद इन हवाई अड्डों को चरणबद्ध तरीके से दोबारा खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के नोटिस के मुताबिक बंद किए गए सभी 32 हवाई अड्डों पर उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। इन हवाई अड्डों में उधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जम्मू और जैसलमेर, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर) और लेह शामिल हैं। इसके अलावा, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई में भी परिचालन कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

पिछली सीरीज में 25 से कम था औसत, 30 शतक लगाए; कहा- टेस्ट में सीखे सबक जीवनभर याद रहेंगे

नई दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट को एक हफ्ते के अंदर दो बड़े झटके लगे हैं। रोहित शर्मा के बाद अब विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह बात चल रही थी कि कोहली ने बीसीसीआई को अपने संन्यास के बारे में जानकारी दे दी है, लेकिन बीसीसीआई ने आगामी इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को देखते हुए उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, कोहली ने टेस्ट से संन्यास लेने का ही फैसला किया। भारत के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि बुधवार को नियमित कप्तान रोहित ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया था। एक हफ्ते के अंदर दो दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास से फैंस सदमे में हैं। इसी के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक अध्याय का अंत हो गया। भारत को इंग्लैंड का दौरा अगले महीने करना है। इस दौरान टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।

कोहली ने अपने पोस्ट में क्या लिखा?

विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।' उन्होंने आगे अपनी टेस्ट कैप नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'।

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलेंगे

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। वह पिछले साल टीम इंडिया के टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कोहली ने कुल मिलाकर 123 टेस्ट खेले और इसकी 210 पारियों में 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट करियर में कोहली ने कुल 1027 चौके और 30 छक्के लगाए। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 125 मैचों में 48.7 की औसत और 137.05 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इसमें एक शतक और 38 अर्धशतक भी शामिल हैं। वनडे में कोहली 302 मैचों में 57.88 की औसत और 93.35 के स्ट्राइक रेट से 14181 रन बना चुके हैं। इसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं।

कोहली तीनों प्रारूप में रह चुके हैं कप्तान

कोहली तीनों प्रारूप में टीम इंडिया की कमान भी संभाल चुके हैं। वह 2014 में धोनी के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार कप्तान बने थे। तब से लेकर 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे तक टेस्ट में कप्तान रहे। वहीं, 2021 में उनसे टी20 और वनडे की कप्तानी छीन ली गई थी। कोहली ने अपना टेस्ट डेब्यू में 20 जून 2011 को सबिना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। वहीं, आखिरी टेस्ट उन्होंने इसी साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

कोहली का हाल फिलहाल में खराब प्रदर्शन

कोहली का प्रदर्शन पिछली दो टेस्ट सीरीज में बेहद खराब रहा था और इन दोनों सीरीज में टीम इंडिया को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत आकर टीम इंडिया को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। इस सीरीज में कोहली तीन मैचों की छह पारियों में 15.50 की औसत से 93 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली पांच मैचों की नौ पारियों में 190 रन बना पाए थे। इसमें एक शतक शामिल है। कोहली ने पर्थ में पहले टेस्ट में ही शतक लगाया था। इसके बाद आठ पारियों में वह केवल 90 रन बना सके। कोहली आठ बार आउट हुए और इसमें से सात बार वह ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर छेड़छाड़ करते हुए आउट हुए।

अब कभी नहीं टूटेंगे सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर- वो नाम, वो चेहरा और वो शख्स जिसने भारतीय क्रिकेट को नई पहचान दी और विश्व क्रिकेट में शतकों और रन के बड़े-बड़े रिकॉर्ड बनाकर महानतम बल्लेबाज होने का तमगा हासिल किया. फिर आए विराट कोहली- जिन्होंने सचिन के काम को आगे बढ़ाया और भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयों पर पहुंचाया. सचिन की तरह रन मशीन बनकर उनके ही कई रिकॉर्ड तोड़े. मगर जिस रिकॉर्ड को करीब 12 साल पहले तक असंभव माना जा रहा था और कुछ साल पहले जिसे कोहली तोड़ने के करीब दिख रहे थे, वो अब कभी नहीं टूट पाएगा. विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के साथ ही सचिन के रिकॉर्ड हमेशा-हमेशा के लिए अमर हो गए हैं.

कई दिनों की अटकलों के बाद विराट कोहली ने आखिरकार अपने सबसे पसंदीदा फॉर्मेट, टेस्ट क्रिकेट, से संन्यास का ऐलान कर दिया. पिछले कुछ साल से इस फॉर्मेट में जूझ रहे विराट ने इस संघर्ष को और आगे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने सोमवार 12 मई को फैंस के नाम एक मैसेज में 123 मैच लंबे अपने टेस्ट करियर पर हमेशा के लिए ब्रेक लगाने का ऐलान किया. इसके साथ ही सचिन के रिकॉर्ड तोड़ने का विराट का सपना भी पूरा नहीं हो सका.

करीब 5 साल पहले कोरोनावायरस महामारी का दौर शुरू होने से पहले विराट कोहली अपनी शानदार फॉर्म में थे. माना जा रहा था कि वो सचिन के 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, उनके सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड तोड़ देंगे. कोहली ने 2023 में वनडे फॉर्मेट में तो ये सफलता हासिल कर ली और 50 से ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए लेकिन टेस्ट में वो इसे आगे नहीं बढ़ा सके. इस तरह सचिन के 100 इंटरनेशनल शतक का रिकॉर्ड तोड़ने का सपना भी अधूरा रह गया.

सचिन ने 664 इंटरनेशनल मैच में 34357 रन बनाए, जिसमें 100 शतक शामिल हैं. उनके बाद दूसरे नंबर पर कुमार संगाकारा हैं, जिन्होंने 594 मैच में 28016 रन बनाए थे और 64 शतक लगाए थे. मगर संगाकारा 2015 में रिटायर हो गए थे. ऐसे में सिर्फ विराट के पास ये मौका था. कोहली ने अभी तक 550 मैच में 27599 रन बनाए हैं, जिसमें 82 शतक शामिल हैं. यानि कोहली फिलहाल सचिन से करीब 6 हजार रन पीछे हैं. ऐसे में टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद कोहली के हाथ से अब ये असंभव हो गया है. कोहली के बाद इस वक्त सक्रिय बल्लेबाज जो रूट ही हैं लेकिन उनके नाम 361 मैच में सिर्फ 20724 रन हैं, जिसमें 53 शतक हैं.

रोहित वनडे करियर को लेकर बोले : जिस दिन लगेगा मैं टीम की मदद नहीं कर रह हूं संन्यास ले लूंगा

मुंबई, 12 मई (एजेंसियां)। टी20I क्रिकेट के बाद भारतीय टीम के 'हिटमैन' रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया. इंग्लैंड दौरे से पहले रोहित ने इसकी घोषणा कर दी. इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी, रोहित ने इसी पोस्ट में साफ कर दिया कि वे वनडे मैचों में खेलते रहेंगे. हालांकि उनके इस पोस्ट के बाद लिमिटेड ओवर के इस फॉर्मेट से संन्यास की खबरें भी चलने लगी थीं. लेकिन रोहित शर्मा ने एक इंटरव्यू में साफ कर दिया है कि वह अभी भी रनों के भूखे और प्रेरित हैं, लेकिन जब वह समझेंगे कि उन्हें किनारे हटना है, तो वह इसे अपने खुद के शर्तों पर करेंगे.

भारत के सफेद गेंद के कप्तान रोहित शर्मा ने आखिरकार अपनी एकदिवसीय क्रिकेट में भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया है. वरिष्ठ पत्रकार विमल कुमार के साथ एक खुली बातचीत में, रोहित ने यह साफ किया कि वह अभी क्रिकेट से दूर नहीं हुए हैं, लेकिन वह यह अच्छी तरह से जानते हैं कि कब विदाई लेनी है. पूर्व कप्तान ने अपनी वनडे बल्लेबाजी के बदलते दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा, "मैं पहले जैसा खेलता था, धीरे-धीरे खेलता था. पहले मैं पहले 10 ओवर में 30 गेंद खेलता और सिर्फ 10 रन बनाता. लेकिन अगर अब मैं 20 गेंद खेलूं, तो क्यों नहीं 30, 35, या 40 रन बना सकता? और जब मुझे लय मिल जाती है, तो पहले 10 ओवरों में 80 रन बनाना कोई बुरी बात नहीं. अब मेरा सोचने का तरीका ऐसा है." उन्होंने आगे कहा, "मैंने जो करना था, वह कर लिया; जो रन मुझे बनानी थी, वो बना लिए. अब मैं क्रिकेट को एक अलग तरीके से खेलना चाहता हूं. मैं इसे किसी भी रूप में हल्के में नहीं ले रहा हूं. यह मत सोचिए कि चीजें वैसे ही चलती रहेंगी, कि मैं 20 या 30 रन बनाकर खेलता रहूंगा. जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं मैदान पर वही नहीं कर पा रहा हूं जो मैं करना चाहता हूं, मैं क्रिकेट छोड़ दूंगा. यह तय है. लेकिन अभी मुझे पता है कि जो मैं कर रहा हूं, वह टीम के लिए मददगार है."

रोहित भारत के एकदिवसीय सेटअप में एक अहम हिस्सा रहे हैं, जहां उन्होंने 273 मैचों में 11,168 रन बनाए हैं, और उनका औसत 48.76 है. उनकी कप्तानी में भारत ने 2024 में T20 विश्व कप और इस साल के शुरुआती महीनों में चैंपियंस ट्रॉफी जीती, जिसने उनके सफेद गेंद क्रिकेट में योगदान को और मजबूत किया है. रोहित की कप्तानी में ही टीम इंडिया ने 2023 का फाइनल तक खेला था. अब भारतीय टीम का अगला वनडे शेड्यूल 17 अगस्त से बांग्लादेश के साथ होगा, तब तक रोहित आईपीएल 2025 के बाकी बचे हिस्से में खेलते दिखाई देंगे.

दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे 4 भारतीय एथलीट

जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा दल की अगुवाई करेंगे, 16 मई को आयोजन होगा

दोहा, 12 मई (एजेंसियां)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डाइमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज के अलावा, तीन अन्य भारतीय एथलीट्स भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यह भारत की ओर से किसी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों की सबसे बड़ी संख्या है। यहां 2023 (88.67 मीटर) में खिताब जीतने और 2024 (88.36 मीटर) में दूसरे स्थान पर रहे नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। नीरज चोपड़ा 2024 के डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने अपने तीसरे अटेम्प्ट में 87.86 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका थे, लेकिन चैंपियन बनने से 0.01 मीटर दूर रहे। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने अपने पहले अटेम्प्ट में 87.87 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंक कर पहला स्थान हासिल किया था। दोहा डायमंड लीग 2025 में भारतीय पीटर्स एंडरसन, जूलियन वेबर से नीरज का मुकाबला मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट में नीरज का सामना दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। पीटर्स के अलावा, डिफेंडिंग चैंपियन जेकब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर (जर्मनी), मैक्स डेहनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (कीनियर) और रोडरिक जेनकी डीन (जापान) जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। क्या है डायमंड लीग?

डायमंड लीग एथलीट्स का एनुअल कॉम्पिटिशन है। इसमें जैवलिन थ्रो, हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, पॉल वॉल्ट, स्प्रिंट, हर्डल्स, स्टीपलचेज, डिस्कस थ्रो और शॉट पुट जैसे एथलेटिक इवेंट्स होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में पूरे साल 4 क्वालिफाइंग इवेंट होते हैं। इनमें टॉप रैंक हासिल करने वाले एथलीट्स सितंबर में डायमंड लीग फाइनल खेलते हैं। फाइनल जीतने वाले खिलाड़ी को ही डायमंड लीग चैंपियन माना जाता है।

तालिबान ने अफगानिस्तान में शतरंज खेलने पर लगाया प्रतिबंध, अजीबोगरीब वजह जानकर चौंक जाएंगे

काबुल, 12 मई (एजेंसियां)। तालिबान ने धार्मिक कारणों से अफगानिस्तान में शतरंज पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस तरह के अजीबोगरीब वजह का हवाला देकर तालिबान ने मनोरंजन और खेल के विभिन्न रूपों का विरोध जारी रखा है। अफगानिस्तान के खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय 'धार्मिक विचारों' और तालिबान के सदाचार संवर्धन और वाइस की रोकथाम मंत्रालय द्वारा घोषित प्रतिबंधों के कारण लिया गया। इस फैसले से अफगानिस्तान में शतरंज से जुड़ी गतिविधियों पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लग गई है। तालिबान के नेतृत्व वाले खेल मंत्रालय के अधिकारियों ने 11 मई को शतरंज गतिविधियों के निलंबन की पुष्टि करते हुए कहा कि धार्मिक चिंताओं के बारे में उपयुक्त प्रतिक्रिया मिलने तक देश में खेल पर प्रतिबंध लगा रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन मुद्दों को संबोधित किए बिना शतरंज से संबंधित किसी भी गतिविधि को फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के सदाचार संवर्धन और वाइस रोकथाम मंत्रालय ने अफगानिस्तान शतरंज महासंघ को भी भंग कर दिया है, जिसमें इस्लामी कानून की व्याख्या के अनुसार खेल को 'हराम' (निषिद्ध) करार दिया गया है। यह निर्णय तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से सांस्कृतिक, सामाजिक और खेल आयोजनों पर लगाए गए प्रतिबंधों की बढ़ती प्रवृत्ति के बाद लिया गया है। प्रतिबंध के संबंध में तालिबान की घोषणा से पहले, कई शतरंज खिलाड़ियों और इससे जुड़े अधिकारियों ने कथित तौर पर तालिबान के नेतृत्व वाले खेल मंत्रालय से अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए अनुमति और वित्तीय सहायता का अनुरोध किया था। हालांकि, तालिबान ने प्रतिबंध की घोषणा की, जिससे खेल खेलने के उनके प्रयासों को खारिज कर दिया गया। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कभी अफगानिस्तान में एक बौद्धिक खेल माने जाने वाले शतरंज ने हाल के वर्षों में पुनरुत्थान का आनंद लिया है, जिसमें राष्ट्रीय महासंघ तालिबान के नेतृत्व वाले खेल मंत्रालय के तहत काम कर रहा है। इस्लामी कानूनी व्याख्याओं का हवाला देते हुए तालिबान के हालिया रुख ने अफगानिस्तान में सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों को प्रतिबंधित करने की उनकी व्यापक रणनीति का प्रदर्शन किया।

शतरंज खेलने पर प्रतिबंध अफगानिस्तान में स्वतंत्रता पर तालिबान के बढ़ते प्रतिबंधों को प्रदर्शित करता है। तालिबान ने अफगानिस्तान में महिलाओं पर कई प्रतिबंध भी लगाए हैं। यह देखा जाना बाकी है कि ये नीतियां कब तक चलेंगी या क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर अपने फैसलों को वापस लेने के लिए दबाव डाल पाएगा। इससे पहले फरवरी में तालिबान ने घोषणा की थी कि 22 मार्च से छात्रों को तालिबान द्वारा जारी नई यूनिफार्म पहननी होगी। नोटिस के मुताबिक, कक्षा एक से नौवीं तक के छात्रों को नीली शर्ट, पैंट और सफेद टोपी पहननी होगी। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को सफेद शर्ट, पैंट और हेडस्कार्फ या पगड़ी पहननी होगी।

आईपीएल खेलने नहीं आने वाले खिलाड़ियों को बैन करेगी बीसीसीआई

मुंबई,12 मई (एजेंसियां)। कई सारे विदेशी खिलाड़ियों को लेकर अब ये खबर है कि वो आईपीएल 2025 में खेलने के लिए वापस नहीं लौटेंगे. भारत-पाकिस्तान टेंशन के चलते आईपीएल 2025 के स्थगित होने के बाद ज्यादातर खिलाड़ी अपने-अपने देश लौट गए थे. अब जब आईपीएल फिर से शुरू होने पर विचार चल रहा है तो उन खिलाड़ियों की वापसी संदेहों के घेरे में हैं. ऐसे खिलाड़ियों में ज्यादातर ऑस्ट्रेलियाई हैं, जिन्हें लेकर वहां की मीडिया में कहा गया कि उन पर वापस लौटने का कोई दबाब भी नहीं है. अगर ऐसा हुआ तो बीसीसीआई भी अपने फैसले के साथ तैयार रहेगी और फिर वही होगा जो हम हैरी ब्रूक के साथ होते देख चुके हैं.

दरअसल, आईपीएल 2025 से बीसीसीआई ने उन खिलाड़ियों के लिए एक नया कानून बनाया है, जो बीच में ही लीग छोड़कर वापस लौट जाया करते थे या किसी बहाने लीग को स्किप करते थे. इस बार से वैसे विदेशी खिलाड़ियों के साथ बीसीसीआई सख्ती से पेश आ रही है. वैसे खिलाड़ियों को बीसीसीआई ने आईपीएल में 2 साल के लिए बैन करने का फैसला लिया है. बीसीसीआई अपने इस नियम का इस्तेमाल इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पर कर चुकी है. और, अब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर भी उसी फैसले को आजमाने की नौबत बन रही है.

अब सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो कौन से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं, जिनके आईपीएल 2025 के फिर से शुरू होने के बाद लौटने को लेकर सस्पेंस है. ऐसे खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का नाम सबसे आगे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टार्क के मैनेजर ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वो वापस इंडिया शायद नहीं लौटेंगे. इसी तरह कंधे की चोट से उबर रहे जोश हेजलवुड के वापसी के आसार भी अब कम हैं. पैट कमिंस, ट्रेविस हेड का भी यही हाल है. माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के आईपीएल 2025 के लिए ना लौटने के तार डबूल्यूटीसी फाइनल से जाकर जुड़ते हैं, जो 11 जून से शुरू हो रहा है. और, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 जून को इंग्लैंड पहुंच सकती है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ये नहीं चाहता कि उतने अहम मैच से पहले उसके खिलाड़ी आईपीएल खेलकर अनफिट या किसी तरह की इंजरी का शिकार हो जाएं.

ऐसांगफा ने भारोत्तोलन में रिकॉर्ड बनाया

महाराष्ट्र ने योगासन में पदक जीते

पटना, 12 मई (एजेंसियां)। असम की ऐसांगफा गोगोई ने रविवार को खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी) में लड़कियों के 55 किग्रा वर्ग की भारोत्तोलन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान कुल वजन का राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाया जबकि महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान तालिका पर शीर्ष पर रहे। उन्होंने पिछले साल फिजी में मीना सांता द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड को 183 किग्रा तक पहुंचाया। असम के लिए छठा स्वर्ण पदक जीतकर ऐसांगफा ने राज्य को दो रजत और दो कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष 10 में जगह दिलाने में मदद की।

महाराष्ट्र को योगासन खेल में अपनी ताकत दिखाने में ज्यादा समय नहीं लगा। इसके एथलीटों ने लड़कों और लड़कियों की लयबद्ध जोड़ी स्पर्धा में स्वर्ण और रजत दोनों जीते। यश खंडागले के 61 किग्रा भारोत्तोलन स्वर्ण पदक के योगदान ने अब तक स्वर्ण पदकों की सख्या 30 तक पहुंचाई। राज्य के नाम 24 रजत और 25 कांस्य पदक हैं।

कर्नाटक का दल राजस्थान से आगे दूसरे स्थान पर रहा। हालांकि राजस्थान ने राजगीर के तलवारबाजी क्षेत्र में लड़कियों की कृपाण फाइनल में प्रकृति शर्मा के जरिए स्वर्ण पदक जीता। केवल शीर्ष तीन टीमों ने 10 या उससे अधिक स्वर्ण पदक जीते हैं। मध्य प्रदेश चौथे स्थान पर रहा।

केनान-सबीरा का जलवा, शॉटगन विश्व कप में ट्रैप मिश्रित टीम ने कांस्य पदक जीता

निकोसिया, 12 मई (एजेंसियां)। ओलंपियन केनान चेनाई और सबीरा हारिस ने रविवार को संपन्न आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत के लिए कांस्य पदक जीता। केनान और सबीरा ने तीसरे स्थान के लिए तुर्की की जोड़ी टोलगा ट्यून्सर और पेलिन काया को 34-33 से हराया।

भारत ने इस तरह प्रतियोगिता में एक कांस्य पदक के साथ अपना सफर खत्म किया। चीन ने स्वर्ण जबकि पोलैंड ने इस स्पर्धा का रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में 34 टीमों के बीच चौथे स्थान पर रही थी जिसमें प्रत्येक टीम के सदस्य द्वारा 75 शॉट दागे जाने के बाद 142 का स्कोर था।

इससे पहले शार्दुल विहान और कीर्ति गुप्ता की दूसरी भारतीय जोड़ी 137 अंक लेकर 17वें स्थान पर रही। चीन ने क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्वर्ण पदक के मैच में पोलैंड को 42-39 से हराया। तटस्थ एथलीटों ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, उन्होंने पांच में से दो स्वर्ण पदक जीते। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि स्पेन और इटली एक-एक स्वर्ण के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

पीएसएल के बाद पीसीबी को लगा एक और बड़ा झटका

कई टूर्नामेंट्स को भी करना पड़ा बंद

इस्लामाबाद, 12 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से क्रिकेट का प्रभावित होने का दौर जारी है। भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहले तो पाकिस्तान सुपर लीग को सस्पेंड करने को मजबूर हुआ। पीसीबी ने अब सीमा पार बढ़ते तनाव के कारण देश में सभी मेंस घरेलू टूर्नामेंट्स को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। इस टूर्नामेंट में प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-2, क्षेत्रीय अंतर-जिला चैलेंज कप और अंतर-जिला अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट शामिल है।

'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के अनुसार, शनिवार को जारी एक बयान में पीसीबी ने कंफर्म किया कि कि तीनों टूर्नामेंट वहीं से फिर से शुरू होंगे, जहां से उन्हें रोका गया था। बोर्ड के मुताबिक टूर्नामेंट के संशोधित शेड्यूल की जल्द ही घोषणा की जाएगी। यह फैसला पीएसएल को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित किए जाने के कुछ दिन आया है, जिसके सिर्फ आठ मैच बचे हैं। पीसीबी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सिफारिशों के बाद निलंबन के पीछे पाकिस्तान-भारत सीमा पर बिगड़ती स्थिति को कारण बताया। दिलचस्प बात यह है कि यह फैसला पीसीबी द्वारा पीएसएल के बचे हुए मैचों को यूएई में ट्रांसफर करने की योजना की घोषणा के 24 घंटे से भी कम समय बाद आया है। अभी भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि पीएसएल कब फिर से शुरू होगा।

इस बीच, पाकिस्तान में बांग्लादेश की निर्धारित टी-20 सीरीज पर भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि वह दौरे के संबंध में पीसीबी के साथ लगातार बात कर रहा है, जो 21 मई से लाहौर और फैसलाबाद में शुरू होने वाला है। हालांकि, क्षेत्र में बढ़ते राजनीतिक तनाव ने दौरे पर संदेह पैदा कर दिया है।

सरकार ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद,12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने दिसंबर 2023 से लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। हमने निजी क्षेत्र में 1 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। श्री रेड्डी ने कहा कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच की अपनी यात्राओं और अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में निवेशक सम्मेलनों के दौरान, हमने दुनिया को यह विश्वास दिलाया है कि तेलंगाना का मतलब व्यापार है। उन्होंने कहा कि इस साल दावोस में, हम 1.78 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने में नंबर 1 राज्य बन गए हैं। हम अब निवेश के मामले में भारत में नंबर 1 राज्य हैं - घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों। सोनाटा सॉफ्टवेयर, हैदराबाद के नए सुविधा उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में कहा कि मैं समझता हूं कि सोनाटा सॉफ्टवेयर अत्याधुनिक एआई का उपयोग करने वाली एक अग्रणी कंपनी है। आप अपने ग्राहकों के लिए भविष्य के बुद्धिमान पारिस्थितिकी तंत्र डिजाइन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप जो काम करते हैं और मेरी सरकार हमारे नागरिकों के लिए जो काम कर रही है, उसमें बहुत कुछ समान है। हम भविष्य के लिए आधुनिकीकरण पर भी काम कर रहे हैं। मैं अपने काम का विवरण साझा करता हूं और आपको हमारी योजनाओं के बारे में जानकारी देता हूं। मेरी सरकार को अपने हितधारकों: किसानों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों की मदद करने के लिए, मुझे उद्योग का समर्थन करना होगा और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद अब सॉफ्टवेयर और लाइफ साइंसेज दोनों में जीसीसी हब है। हैदराबाद एआई-तैयार डेटा सेंटर, लाइफ साइंसेज और विनिर्माण क्षेत्रों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभरा है। माइक्रोसॉफ्ट, कॉग्निजेंट, एचसीएल टेक, इंफोसिस और विप्रो जैसी आईटी दिग्गजों ने नए परिसर खोले हैं और विस्तार कर रहे हैं। भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार हम पुलिसिंग और कानून व्यवस्था में नंबर 1 राज्य हैं। मुद्रास्फीति के प्रबंधन में, हम नंबर एक हैं। नौकरियों के सृजन में - सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में - हम नंबर एक हैं। कर संग्रह में, हम नंबर एक हैं। हम भारत का सबसे बड़ा उद्यमी वित्तपोषण और परामर्श कार्यक्रम चला रहे हैं - स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 66 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना। राजीव युवा विकासम के साथ, हम विभिन्न क्षेत्रों में लाखों युवा उद्यमियों को वित्तपोषण करने जा रहे हैं। हम हैदराबाद यातायात बल में स्वयंसेवक के रूप में ट्रांसजेंडर या तीसरे लिंग को नियुक्त करने वाले पहले राज्य हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ड्राई पोर्ट बना रहे हैं, और इसे समर्पित सड़क और रेल गलियारे के साथ एपी में एक समुद्री बंदरगाह से जोड़ रहे हैं। हम हैदराबाद के भीतर भारत का सबसे नियोजित शहर, फ्यूचर सिटी बना रहे हैं। एआई शहर इसका हिस्सा होगा। हम यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बना रहे हैं। हम यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय बना रहे हैं। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता अभी हैदराबाद में हो रही है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले दिनों में और अधिक वैश्विक कार्यक्रम सुनिश्चित करेंगे। विकास, निवेश, नौकरियों का सृजन, बेहतरीन बुनियादी ढांचे का निर्माण और सभी वर्गों के लिए कल्याण का यह संतुलन हमारा विजन है - जिसे तेलंगाना राइजिंग कहा जाता है। लेकिन एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए, या हैदराबाद को दुनिया के सबसे अद्भुत शहर में बदलने के लिए, मुझे आपके समर्थन की आवश्यकता है। हमें मिलकर यह करना होगा। हैदराबाद के ब्रांड एंबेसडर बनें और दुनिया को अपनी उपलब्धियाँ दिखाएँ।

तेलंगाना भवन के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से लौटने वाले नागरिकों को व्यापक राहत जारी

अभी तक, कुल 162 व्यक्ति तेलंगाना भवन पहुँचे

नई दिल्ली,12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार नई दिल्ली में तेलंगाना भवन के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से लौटने वाले नागरिकों को व्यापक राहत और सहायता प्रदान करना जारी रखे हुए है। अभी तक, कुल 162 व्यक्ति तेलंगाना भवन पहुंच चुके हैं। इसमें जम्मू और कश्मीर के विभिन्न संस्थानों से 56 व्यक्ति और पंजाब से 106 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें से 130 व्यक्ति आवश्यक सहायता प्राप्त करने के बाद अपने-अपने गृहनगर के लिए रवाना हो चुके हैं। शेष व्यक्तियों को तेलंगाना भवन में ठहराया गया है और वे नियत समय पर चले जाएँगे। रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. गौरव उप्पल ने आज व्यक्तिगत रूप से व्यवस्थाओं की समीक्षा की और छात्रों से बातचीत की। बातचीत के दौरान, कई छात्रों ने बताया कि उनके संस्थान उन्हें परिसर में लौटने के लिए कह रहे हैं क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश ने पहले अपने घर जाने और स्थिति पूरी तरह से स्थिर होने के बाद अपने संस्थानों में लौटने की इच्छा व्यक्त की।

सहानुभूतिपूर्वक प्रतिक्रिया देते हुए, डॉ. उप्पल ने तुरंत संबंधित विश्वविद्यालय अधिकारियों से संपर्क किया और उनसे फिलहाल ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने का आग्रह किया। संस्थानों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और इस तरह का समर्थन देने पर सहमति व्यक्त की। कुछ अंतिम वर्ष के छात्रों ने भी निर्णय लेने से पहले कुछ और दिन प्रतीक्षा करने की अपनी इच्छा व्यक्त की, जिस पर डॉ. उप्पल ने तेलंगाना सरकार से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और उन्हें आवश्यकतानुसार तेलंगाना भवन में रहने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थितियों में धीरे-धीरे सुधार होने के साथ, कल शाम से संकट कॉल का प्रवाह काफी कम हो गया है, और केवल कुछ और लोगों के आने की उम्मीद है। फिर भी, तेलंगाना भवन पूरी तरह से तैयार है, और डॉ. उप्पल ने पुष्टि की, "तेलंगाना भवन मदद मांगने वाले किसी भी व्यक्ति का समर्थन करने के लिए तैयार है - हमारे दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे।" तेलंगाना सरकार अपने लोगों के कल्याण के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराती है और जब तक लौटने वाला प्रत्येक नागरिक सुरक्षित रूप से अपने परिवारों के साथ फिर से नहीं मिल जाता, तब तक सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।

कविता ने अपने खिलाफ अफवाहों को किया खारिज

गलत सूचना अभियान के षड्यंत्रकारियों को बेनकाब करने का लिया संकल्प

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने उनके खिलाफ लक्षित गलत सूचना अभियान का दृढ़ता से खंडन करते हुए कहा कि उनका ध्यान पार्टी को मजबूत करने पर है। 'सामाजिक तेलंगाना' (तेलंगाना में सामाजिक न्याय) के लिए अपने हालिया मुखर समर्थन पर उन्होंने कहा कि वह केवल 47 निर्वाचन क्षेत्रों के अपने दौरे के दौरान मिले लोगों की आवाज और राज्य की मौजूदा स्थितियों को प्रतिबिंबित कर रही थीं।

यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कविता ने कहा कि बीआरएस में लोगों का भरोसा बढ़ रहा है और इसलिए जानबूझकर उनके बारे में झूठी बातें फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने उन अफवाह फैलाने वालों का मजाक उड़ाया जो आरोप लगा रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व में अंदरूनी कलह है।

उन्होंने गलत सूचना फैलाने वालों से पूछा कि क्या यह काफी नहीं है कि मुझे छह महीने तक जेल में कष्ट सहना पड़ा? क्या आप मुझे और कष्ट देना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि वह उन लोगों से अवगत हैं जो दुर्भावनापूर्ण इरादे से उनके खिलाफ अफवाहें फैला रहे हैं और उन्होंने उचित समय पर उनका पर्दाफाश करने की शपथ ली।

उन्होंने कहा कि जब समय आएगा, तो सब कुछ सामने आ जाएगा। मुझे उम्मीद है कि पार्टी इस गलत सूचना का जवाब देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर और उकसाया गया तो और भी अधिक बल और तीव्रता से जवाब दिया जाएगा।

जोनल कमिश्नर कार्यालय में "प्रजावाणी" कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की उपमहापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने आज सिकंदराबाद जोन, जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर कार्यालय में आयोजित "प्रजावाणी" कार्यक्रम में भाग लिया।

जन शिकायतों के समाधान के भाग के रूप में, उपमहापौर ने कार्यक्रम के दौरान प्राप्त याचिकाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को मुद्दों को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों को जन शिकायतों को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम करना चाहिए। सिकंदराबाद जोन के जोनल कमिश्नर रवि किरण, अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे।

सरकारी कर्मचारी ने लोगों से की 40 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी, फरार

पेद्दापल्ली बिजली विभाग में काम करता था मुलुगुरी सुरेश

करीमनगर, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सरकारी कर्मचारी मुलुगुरी सुरेश कई लोगों से लगभग 40 करोड़ रुपये की ठगी करने के बाद कथित तौर पर फरार हो गया है। यहां सप्तगिरी कॉलोनी निवासी सुरेश पेद्दापल्ली बिजली विभाग में काम करता था और स्थानीय लोगों से ऑनलाइन कारोबार में निवेश कर उच्च रिटर्न देने का वादा कर उनसे रकम एकत्र करता था। हाल ही में जब वह गायब हो गया तो पीड़ितों ने उसके आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

पीड़ितों के अनुसार, सुरेश ने लोगों से ऑनलाइन कारोबार में निवेश कर उच्च रिटर्न का वादा करके 1 लाख से 50 लाख रुपये तक की रकम एकत्र की। उसने यह रकम पिछले साढ़े तीन साल में एकत्र की। बार-बार अनुरोध करने के बाद भी जब सुरेश ने उनकी रकम वापस नहीं की तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, सुरेश के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब पीड़ितों ने पैसे वापस मांगने के लिए दबाव बनाना शुरू किया तो सुरेश फरार हो गया। जब पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उन्होंने सुरेश के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। वे चाहते थे कि अधिकारी हस्तक्षेप करें और उनके पैसे वापस दिलाने की पहल करें।

भू-भारती पायलट क्षेत्रों में भूमि संबंधी मुद्दों का शीघ्र समाधान : पोंगुलेटी

चार जिलों के कलेक्टरों के साथ राजस्व मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को मद्दूर, लिंगमपेटा, वेंकटपुर और नेलकोंडापल्ली के चार मंडलों में प्राप्त आवेदनों की गहन जांच करने और भूमि मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का निर्देश दिया है, जहां भू-भारती अधिनियम को प्रायोगिक आधार पर लागू किया जा रहा है। सोमवार को उन्होंने भू-भारती के कार्यान्वयन पर मुलुगु, कामारेड्डी, खम्मम और नारायणपेट के जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार के विजन के साथ लाए गए भू-भारती अधिनियम ने भूमि मुद्दों को सुलझाने का मार्ग प्रशस्त किया है। किसानों को किसी अदालत का चक्कर लगाए बिना, राजस्व कार्यालय में ही उनकी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारी लोगों के पास आएंगे और बिना एक पैसा खर्च किए उनकी भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान करेंगे। राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों में से यदि किसी को अस्वीकृत करना हो तो गहन एवं गहन जांच के बाद ही निर्णय लिया जाना चाहिए। यह सुझाव दिया जाता है कि आवेदन हर समय ऑनलाइन ही प्रस्तुत किये जाएं। आज से हमने तहसीलदारों को ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है। चारों जिलों में प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की जाए तथा मुख्य मुद्दों का समाधान माह के अंत तक कर लिया जाए। मंत्री ने बैठक में भाग लेने वाले प्रधान सचिव नवीन मित्तल को सलाह दी कि वे आवेदनों की समीक्षा के लिए अन्य क्षेत्रों से आवश्यक कुशल कार्मिकों को भेजने के लिए कदम उठाएं। यहां तक कि इंदिराम्मा घरों के मामले में भी पात्र व्यक्तियों की सूची समय-समय पर अनुमोदन के लिए संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्रियों को भेजी जानी चाहिए। इसके अलावा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मकानों का निर्माण यथाशीघ्र शुरू हो। बैठक में सीसीएलए परियोजना निदेशक मकरंद ने भी भाग लिया।

दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

नई दिल्ली, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। दिल्ली शहरी कला आयोग ने पीवी प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव को अहम मंजूरी दे दी है। अब केंद्र का फैसला इस प्रक्रिया का अगला कदम बन गया है। नई दिल्ली नगर निगम ने तेलंगाना भवन में पीवी प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। दिल्ली शहरी कला आयोग ने हाल ही में हुई बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एनडीएमसी के प्रस्ताव के अनुसार, दिल्ली शहरी कला आयोग ने तेलंगाना भवन में प्रतिमा की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल पर उपयुक्त व्यवस्था के लिए कई सुझाव दिए हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार दिल्ली में एक नया तेलंगाना भवन बनाने की योजना बना रही है। तेलंगाना भवन के सूत्रों का कहना है कि इस क्षेत्र में प्रतिमा स्थापित करना संभव नहीं है, क्योंकि तेलंगाना भवन वर्तमान में आंध्र प्रदेश भवन के साथ स्थित है। पीवी नरसिम्हा राव मेमोरियल फाउंडेशन ने भी एनडीएमसी से पूर्व आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री प्रकाशम पंतुलु की प्रतिमा के पास पीवी प्रतिमा स्थापित करने का अनुरोध किया, जो वर्तमान में तेलंगाना और आंध्र भवन परिसर में है। प्रस्ताव दिल्ली शहरी कला आयोग को भेजा गया, जिसने इसे मंजूरी दे दी। दिल्ली में पीवी के स्मारक की स्थापना के निर्णय के साथ ही एनडीए सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। ऐसा लगता है कि पीवी की प्रतिमा के स्थापना समारोह में प्रधानमंत्री मोदी या अन्य हस्तियों जैसी महत्वपूर्ण हस्तियों के भाग लेने की संभावना है। पीवी का अंतिम संस्कार भी दिल्ली के बजाय हैदराबाद में हुआ।

मुकदमों से नहीं डरता : सांसद इटेला

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने आज टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि अगर वह सीएम रेवंत रेड्डी और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपना तीखा हमला जारी रखते हैं तो उन्हें घुटने टेकने और हाईवे पर खड़े होने की सजा दी जाएगी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की राज्य सरकार किसानों के 1 लाख रुपये के फसल ऋण भी माफ नहीं कर सकी, जबकि तेलंगाना अतीत में एक समृद्ध राज्य था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व सीएम केसीआर ने अंधाधुंध ऋण लिया और रैतु बंधु जैसी योजनाओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में अपने अनुभव के साथ, उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई छह गारंटियों को लागू करना मुश्किल होगा। उन्होंने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी ने चुनाव से पहले कहा था कि लोग झूठ पसंद करेंगे और कहा कि ठीक 16 महीने बाद रेवंत के झूठ सच हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद शहर की सीमा में गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं।

अगर आप उनसे पूछेंगे कि यह क्या है, तो सीएम ने चेतावनी दी कि वे सवाल पूछने वाले किसी भी व्यक्ति को बुलडोजर से कुचल देंगे। राजेंद्र ने कहा कि अगर रेवंत रेड्डी ने अपना रवैया नहीं बदला तो कोई भी उन्हें नेता नहीं कहेगा। यह कहते हुए कि कुछ कांग्रेस नेता उनकी टिप्पणियों के लिए उन्हें निशाना बना रहे हैं, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केवल योद्धाओं के साथ लड़ेंगे, कायरों के साथ नहीं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता दी है, वे अब अपनी स्थिति के बारे में अनभिज्ञ हैं। सीएम रेवंत के खिलाफ की गई टिप्पणियों से नाराज युवा कांग्रेस के नेता सांसद इटेला के घर पर एकत्र हुए। वहां मौजूद पुलिस ने उन्हें रोका और कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर थाने ले गई।

काश्तकारों ने भूमि प्राधिकृत कृषक अधिनियम 2011 के क्रियान्वयन की मांग की

हैदराबाद, 12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिलों के काश्तकारों ने किसान आयोग के साथ विचार-विमर्श में भाग लिया। उन्होंने मांग की कि काश्तकारों को मान्यता दी जाए और उन्हें सभी योजनाओं में शामिल किया जाए तथा 2011 के लाइसेंसधारी कृषक अधिनियम को 2025 खरीफ सीजन से लागू किया जाए। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार काश्तकारों से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता दिखाए। रैतु स्वराज्य वेदिका काश्तकारों के मुद्दे पर तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग द्वारा आयोजित परामर्श बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के काश्तकारों ने भाग लिया तथा अपनी समस्याओं को बताया और अपनी मांगों को आवाज दी। कांग्रेस सरकार से न्याय की उम्मीद लगाए काश्तकारों को निराशा हाथ लगी तथा उन्होंने काश्तकारों को 2025 खरीफ सीजन से मान्यता देने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। बैठक में रैतु स्वराज्य वेदिका और अन्य किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मांग की कि सरकार भूमि प्राधिकृत कृषक अधिनियम, 2011 के अनुसार काश्तकारों की पहचान करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करे। जिलों से परामर्श में भाग लेने वाले किरायेदार किसान हैं: कुरुवा मंजुला, परिगी मंडल, विकाराबाद जिला, रमाकांत, तलमदुगु मंडल, आदिलाबाद जिला, एडला मनासा, भूपालपल्ली मंडल, जयशंकर जिला, मदासु माधवी, एलांथाकुंटा मंडल, करीमनगर जिला, चपला सुजाता, संयुक्त खम्मम जिला, गरला मंडल, महबुबाबाद जिला, मुदास्तु सुमालथा, भूपालपल्ली मंडल, जयशंकर जिला, डी श्रीनिवास, तलमादुगु, मंडल, आदिलाबाद जिला, रामदास, तुर्कापल्ली मंडल, यदाद्री भुवनागिरी जिला और एम रमेश, तलमदुगु मंडल, आदिलाबाद जिला। रायथु स्वराज्य वेदिका के प्रतिनिधियों में किरणकुमार विस्सा, बी. कोंडल, कन्नेगंती रवि और एस. आशालता शामिल थे। बटाईदार किसानों ने कहा कि बीआरएस सरकार ने बटाईदार किसानों की पूरी तरह उपेक्षा की है और तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने घोषणा की थी कि हमारी सरकार का बटाईदार किसानों से कोई लेना-देना नहीं है, हम केवल भूमि मालिकों से ही बात करेंगे। लेकिन उन्हें विश्वास था कि कांग्रेस की सरकार आने पर उनके साथ न्याय होगा, फिर भी उन्हें अब तक निराशा ही हाथ लगी है। कांग्रेस ने अपने वारंगल घोषणापत्र और छह गारंटियों में स्पष्ट रूप से कहा था कि वह बटाईदार किसानों को योजनाएं प्रदान करेगी। रैतु स्वराज्य वेदिका के नेताओं ने कहा कि यह पूरी तरह से अनुचित है कि सरकार ने अपने गठन के डेढ़ साल बाद भी उस दिशा में कदम नहीं उठाए हैं। नेताओं ने कहा कि तेलंगाना में आत्महत्या करने वाले 75 प्रतिशत किसान बटाईदार किसान हैं और केवल बटाईदार किसानों की पहचान करके और उन्हें पूर्ण सहायता प्रदान करके ही हम किसान आत्महत्याओं से मुक्त तेलंगाना प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि सरकार का दावा है कि वह बटाईदार किसानों को धान की फसल खरीदने के लिए 500 रुपये का बोनस भी दे रही है, लेकिन बहुत कम प्रतिशत बटाईदार किसानों को ही यह मिला है, रैतु स्वराज्य वेदिका के नेताओं ने कहा। उन्होंने कहा कि चूंकि बटाईदार किसानों की पहचान करने के लिए कोई विशिष्ट प्रणाली नहीं है, इसलिए यह स्थानीय अधिकारियों की दया पर निर्भर करता है, जो कानूनी आदेशों की कमी के कारण बड़ी संख्या में बटाईदार किसानों को खारिज कर देते हैं। 2025 खरीफ सीजन की शुरूआत से पहले बटाईदार किसानों और रैतु स्वराज्य वेदिका के प्रतिनिधियों ने मांग की कि भूमि अधिकृत कृषक अधिनियम, 2011 को तुरंत लागू किया जाए, बटाईदार किसानों से आवेदन लिए जाएं और कानून के अनुसार ग्राम सभाओं में जांच के आधार पर उन्हें कार्ड दिए जाएं। उन्होंने याद दिलाया कि इन कार्डों के जारी होने से भूमि मालिकों के अपनी जमीन पर अधिकार प्रभावित नहीं होंगे और यह बात कानून और कार्ड में स्पष्ट है।

राज्यपाल ने एसएससी टॉपर्स को सम्मानित किया

हैदराबाद,12 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज राजभवन में राजभवन स्कूल के एसएससी टॉपर्स और शिक्षकों से बातचीत की। इस वर्ष स्कूल ने एसएससी परीक्षा में 97% उत्तीर्णता दर्ज की। राज्यपाल ने 574 अंकों के साथ जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी हसिनी और 500 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 21 अन्य छात्रों को सम्मानित किया।

शिक्षकों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनके समर्पण ने स्कूल की शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने छात्रों को बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, स्कूल के शिक्षक और राजभवन के अधिकारी शामिल रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.